RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 6 अंक 234
फरीदाबाद, सोमवार, 02 अक्टूबर, 2023
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

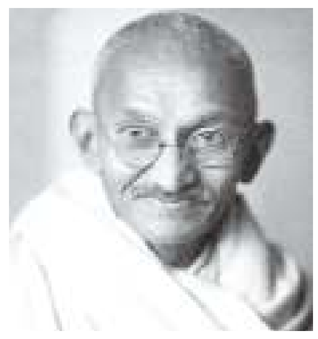

यात्रा : मोहनदास से महात्मा तक
पेज - 11

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 36.00°C
न्यूनतम 22.00°C

क्विक न्यूज

तमिलनाडु : 100 फीट गहरी खाई में गिरी बस, नौ लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर के पास शनिवार शाम को एक टूरिस्ट बस 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मौत के आंकड़े बढ़ने की आशंका है। पुलिस और स्थानीय लोग रात से रेस्क्यू में लगे हैं। सभी घायलों को कुन्नूर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस के मुताबिक, बस में 60 यात्री सवार थे। बस ऊटी से मेट्टुपालयम जा रही थी।

ब्रिटिश म्यूजियम बाघ नख भारत भेजने को तैयार

मुंबई। ब्रिटेन का विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम अगले हफ्ते महाराष्ट्र सरकार के साथ एक एमओयू साइन करने वाला है। जिसके बाद 17वीं सदी का शिवाजी महाराज का बाघ नख हथियार प्रदर्शनी के लिए भारत लाया जाएगा। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार बाघ नख लेने के लिए 3 अक्टूबर को ब्रिटेन जाएंगे। रिपोर्ट्स में यह कहा गया है कि यह 3 साल के लिए भारत आ रहा है। पहले वे इसे अफजल खान की हत्या की तारीख 10 नवंबर को भारत लाने पर विचार कर रहे थे।

अजय माकन होंगे कांग्रेस के नए कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अजय माकन को पार्टी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसकी घोषणा पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने की। उन्होंने कहा कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। यह पद पहले पार्टी नेता पवन बंसल के पास था।

मध्य प्रदेश में स्कूली बस पलटी, 15 बच्चे घायल

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर से पिकनिक पर महेश्वर जा रही एक स्कूली बस महू-मंडलेश्वर मार्ग पर जाम गेट के पास पलट गई। हादसे में एक बच्चे का हाथ कोहनी के नीचे से कट कर अलग हो गया। उसे महू के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 15 से अधिक बच्चे घायल हो गए। इनमें 4 से 5 की हालत गंभीर है। घटना मंडलेश्वर थाना क्षेत्र की है।

केरल हाईकोर्ट ने रखा बच्ची का नाम

कोच्चि। केरल के कोच्चि में तीन साल की बेटी के नाम को लेकर माता-पिता के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों के बीच एक नाम पर सहमति नहीं बनी तो मामला कोर्ट पहुंचा। 30 सितंबर को केरल हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए बच्ची का नाम तय किया। कोर्ट ने कहा, बच्चे के नाम में देरी से उसके भविष्य पर असर पड़ रहा था। वह सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से पिछड़ रही थी। माता-पिता की लड़ाई से जरूरी बच्चे का हित है।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

देश के ज्यादातर मेडिकल कॉलेज में सिर्फ कागजों पर फैकल्टी

एनएमसी ने कहा, सभी इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों की हाजरी 50 फीसदी से भी कम

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में साल 2022-23 में ज्यादातर मेडिकल कॉलेज बिना प्रोफेसर के चलाए गए। यह जानकारी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि ज्यादातर कॉलेज की फैकल्टी सिर्फ कागजों पर हैं। वहीं, सभी इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स की अटेंडेंस 50 प्रतिशत से भी कम रही है।

एनएमसी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स इमरजेंसी डिपार्टमेंट में ड्यूटी को ब्रेक के तौर पर मानते हैं। वे रोजाना वहां नहीं जाते। ऐसा इसलिए क्योंकि

वहां केजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर के अलावा उनसे बात करने के लिए कोई नहीं होता। एनएमसी ने एसोसिएशन ऑफ इमरजेंसी फिजिशियन ऑफ इंडिया (एईपीई) की शिकायत पर जवाब देते हुए यह बातें कहीं। दरअसल, एईपीई ने एनएमसी के नए मेडिकल कॉलेजों के लिए इमरजेंसी मेडिकल स्पेशलिस्ट की अनिवार्यता खत्म करने के फैसले के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। जारी की गई अपनी एक नोटिफिकेशन में नए मेडिकल कॉलेजों से इमरजेंसी डिपार्टमेंट की अनिवार्यता खत्म कर दी है। उन्होंने नए मेडिकल कॉलेज की मान्यता के लिए अनिवार्य 14 डिपार्टमेंट में से इसे बाहर कर दिया है। 22 सितंबर को उन्होंने कहा था- इस डिपार्टमेंट की असल तस्वीर बिल्कुल अलग है।

2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 654

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 के बाद से मेडिकल कॉलेजों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने फरवरी में राज्यसभा को बताया था कि देश में 2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन अब 69 प्रतिशत इजाफे के साथ इनकी संख्या 654 हो चुकी है। इसके अलावा, एमबीबीएस सीटों में 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जो वर्ष 2014 के पहले की 51,348 सीट से बढ़कर अब 99,763 हो गई हैं। पीजी सीटों में 107 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो साल 2014 से पहले की 31,185 सीट से बढ़कर अब 64,559 हो गईं हैं। देश में अब 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हैं (एम्स) हैं जिनकी संख्या 2014 में सात थी।

अखिलेश यादव ने साधा बीजेपी पर निशाना, कहा

विपक्षी गठबंधन सरकार नहीं बना पाया तो भाजपा संविधान बदल देगी

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान बदलकर देश को न जाने किस रास्ते पर ले जाएगी।

पूर्व विधायक नीरज मौर्य की पुस्तक दलित एवं पिछड़ों के वोटों से सत्ता के विमोचन के अवसर पर सपा प्रमुख ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी होगा। केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो देश बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और राममनोहर लोहिया के सिद्धांतो और उनके बताए रास्ते पर चलेगा। उप्र के मुख्यमंत्री रह चुके अखिलेश ने कहा कि अगर इससे पीछे रह गए तो भाजपा संविधान बदलकर न जाने किस रास्ते पर ले जाएगी। अखिलेश यादव के हवाले से सपा मुख्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि कि पांच हजार साल पहले जो जाति व्यवस्था आई, उसी से समाज में दूरियां बनी है।

मोदी बोले, तेलंगाना में भाजपा सरकार होनी चाहिए

'अब यहां पारदर्शी और ईमानदार सरकार की जरूरत है'

एजेंसी। हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के महबूबनगर के दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार को यहां 13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने बदलाव करने का मन बना लिया है। अब यहां पारदर्शी और ईमानदार सरकार की जरूरत है। राज्य के लोगों ने भाजपा को मजबूत किया है। अब तेलंगाना में बीजेपी की सरकार होनी चाहिए।

इस दौरान पीएम ने मुरुगल जिले में सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नाम ट्राइबल देवियों के नाम पर समक्का सारक्का सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने हल्दी किसानों के हित के लिए नेशनल टर्मरिक बोर्ड का गठन भी किया है। फरवरी 2022 से ये लगातार छठी बार है, जब मुख्यमंत्री केसीआर राज्य में पीएम के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह राज्य के मंत्री तलसिनी श्रीनिवास यादव ने पीएम को एयरपोर्ट से रिसीव किया।

मोदी ने कहा कि नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर के जरिए तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र तक लोगों को आने-जाने की आसान सुविधा मिलेगी। इससे इन तीनों राज्यों में बिजनेस, टूरिज्म और इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य में 13,500 करोड़ की परियोजनाएं लॉन्च कीं

पीएम ने स्वच्छता सेवा अभियान में श्रमदान किया

महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया जा रहा है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिटनेस ट्रेनर अंकित बैयनपुरिया के साथ श्रमदान किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर अंकित बैयनपुरिया के साथ बातचीत करते हुए चार मिनट 41 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे स्वच्छ और स्वस्थ भारत का संदेश दे रहे हैं। सितंबर के मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे से एक घंटे के लिए लोगों से स्वच्छता के लिए श्रमदान की अपील की थी।

पीएम के न्योते के बावजूद कार्यक्रम में नहीं पहुंचे थे केसीआई

अप्रैल में जब पीएम तेलंगाना दौरे पर आए थे, तो मुख्यमंत्री केसीआर को न्योता दिया गया था। इसके बावजूद वे न तो पीएम का स्वागत करने एयरपोर्ट पहुंचे और न ही उनके कार्यक्रम में शामिल हुए। तब पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा था कि वे केसीआर सरकार के असहयोग से दुखी हुए हैं।

बीपीएल परिवारों को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दी राहत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

1.80 लाख आय वालों को भी सस्ती दरों पर तेल मिलेगा

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने बीपीएल कार्ड धारकों को बड़ी राहत दी है। सीएम ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में शामिल 1.80 लाख रुपये की आय वाले व्यक्तियों को बिजली बिल 12 हजार रुपये होने पर बीपीएल कार्ड के लाभ से वंचित कर दिया जाता था। अब इस स्लैब को समाप्त कर दिया गया है, जिससे बिजली बिल की बाध्यता समाप्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ने 1.80 लाख रुपये की आय वाले बीपीएल राशन कार्ड धारक प्रत्येक परिवार को प्रति माह दो लीटर सरसों का तेल देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री फरीदाबाद में एक समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार ने काफी प्रयास किए, 2014 में राज्य के पास 700 एमबीबीएस सीटें थीं, जो अब 1900 तक कर दी गई है। सीएम ने कहा कि भविष्य में अब इसे 3100 तक बढ़ाने की योजना है। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि वे सरकार की जन-समर्थक नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विस्तृत खबर पेज -2 पर

मणिपुर में छात्रों की हत्या करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

सीएम बीरेन सिंह बोले, इन्हें मौत की सजा दिलाएंगे

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर में दो छात्रों की हत्या के आरोप में सीबीआई ने रविवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया। इन्हें चुराचांदपुर से पकड़ा गया। जांच एजेंसी सभी को असम के गुवाहाटी ले गई है। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारी सरकारी इन्हें मौत की सजा दिलाएगी।

आरोपियों की पहचान पाओमिनलुन हाओकिप, एस मालसॉव हाओकिप, ल्हिंगनेइचोंग बाइटे, तिन्नीखोल, किम्नाइगेम, टिन्नुफिंग के रूप में हुई है। दरअसल, 23 सितंबर को मोबाइल इंटरनेट से बैन हटने के बाद दो छात्रों के शवों की फोटो सामने आई थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फोटो में दोनों की बॉडी जमीन पर पड़ी हुई नजर आ रही है। साथ ही लड़के का सिर कटा हुआ है। हालांकि, दोनों के शव अभी तक नहीं मिले हैं। जुलाई में दोनों स्टूडेंट्स एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दिए थे, लेकिन उसके बाद से उनका पता नहीं चल सका है।

जेएनयू की दीवारों पर लिखे भड़काऊ नारे, मैनेजमेंट ने मिटाए

नई दिल्ली। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में विवादित स्लोगन लिखने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के लेंग्वेज स्टडी सेंटर की दीवारों और फर्श पर शनिवार देर रात फ्री कश्मीर, भगवा जलेगा और मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे नारे लिखे गए। इन सभी नारों को जेएनयू प्रशासन ने रविवार सुबह मिटा दिया। लेकिन इस दौरान इनकी तस्वीरें वायरल हो गईं। हालांकि, यह विवादित नारे किसने लिखे हैं। अभी इसकी जानकारी नहीं है। यूनिवर्सिटी प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अभी इस मामले को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। यह यूनिवर्सिटी का अंदरूनी मामला है।

'मैं पागल हूं, मरना है' बोलकर चौथी मंजिल से कूदी छात्रा, मौत

पटना। पटना में शनिवार को एक छात्रा अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से कूद गई। बिल्डिंग के नीचे खड़े एक लड़के ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पकड़ने के दौरान लड़की का सिर जमीन से टकरा गया। इस घटना में लड़की को सिर में गंभीर रूप से चोट लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

लड़की कूदने से पहले अपार्टमेंट की छत पर थी, उसे देखते ही लोगों ने चिल्लाना शुरू किया। लड़की को बचाने की कोशिश करने वाले प्रेम कुमार ने बताया कि मैंने जब उससे कहा-पागल हो क्या, मत कूदो-अंदर जाओ। उसने कहा-हां मैं पागल हूं, मुझे मरना है। इतना बोल कर वो कूद गई। जानकारी के मुताबिक, छात्रा 10+2 के एग्जाम में खराब परफॉर्मेंस को लेकर काफी परेशान थी। कई दिनों से वह डिप्रेशन में चल रही थी।

मजबूत सशस्त्र बलों के जरिए 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

यदि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है तो उसे आधुनिक उपकरणों के साथ मजबूत सशस्त्र बलों की जरुरत है। यह बात देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही है। रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं द्वारा वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए यह बात कही।

राजनाथ सिंह ने दिल्ली छावनी में अपने 276वें वार्षिक दिवस समारोह के दौरान रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की कई डिजिटल पहलों की शुरुआत करने के बाद यह टिप्पणी की।

डीएडी को रक्षा वित्त का संरक्षक बताते हुए उन्होंने आंतरिक

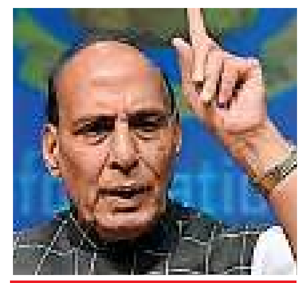

आधुनिक उपकरणों के साथ मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत

सतर्कता तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके और उसकी समीक्षा की जा सके। उन्होंने कहा, इससे न केवल समस्या से शीघ्र निपटने में मदद मिलेगी बल्कि विभाग के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा।

जम्मू में 300 करोड़ की कोकीन जब्त, दो गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू के रामबन में शनिवार 30 सितंबर को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक गाड़ी से 30 किलो कोकीन बरामद की है। जम्मू एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इंटरनेशनल ब्लैक मार्केट में जब्त कोकीन की कीमत करीब 300 करोड़ आंकी गई है।

सरकार ने सितंबर में जीएसटी से 1.63 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। सरकार ने सितंबर 2023 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी त्रस्ज्ञ से 1.63 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। ये एक साल पहले यानी सितंबर 2022 के मुकाबले 10.2 प्रतिशत ज्यादा है। तब जीएसटी से 1.47 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। वहीं, एक महीने पहले अगस्त में सरकार ने 1.59 लाख करोड़ रुपये और जुलाई में 1.65 लाख करोड़ रुपए का त्रस्ज्ञ कलेक्शन किया था। लगातार 7वीं बार ऐसा हुआ है कि रेवेन्यू कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। हालांकि अब तक सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2023 में हुआ था, जब ये आंकड़ा 1.87 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया था। इसके अलावा लगातार 19 महीने से देश का जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ से ऊपर बना हुआ है।

एशियाड में 8वें दिन भारत ने तीन गोल्ड जीते

पायनियर समाचार सेवा। हांगझोउ

19वें एशियन गेम्स के 8वें दिन भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ी तीन गोल्ड सहित 13 मेडल जीत चुके हैं।

इन मेडल के सहारे ओवरऑल मेडल टैली में भारत के 13 गोल्ड सहित 52 मेडल हो चुके हैं। चीन के हांगझोउ में भारत ने शूटिंग के मेंस ट्रैप, 3000 मीटर स्टेपल चेज और शॉटपुट इवेंट में गोल्ड जीते। शूटर्स के बाद युवा एथलीट अविनाश साबले ने 3 हजार मीटर स्टेपलचेज इवेंट में गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। उन्होंने ईरान के हुसैनी (8 मिनट 22.79 सेकेंड) का रिकॉर्ड तोड़ा।

इसके बाद तजिंदर पाल सिंह तूर ने शॉट पुट में इन गेम्स का गोल्ड हासिल किया। वे आखिरी प्रयास में नंबर-1 पोजिशन पर आए। विमेंस डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा पुनिया ने ब्रॉन्ज, मेंस लॉन्ग जंप में मुरली श्रीशंकर ने सिल्वर, विमेंस 1500 मीटर इवेंट में हरमिलन बैंस ने सिल्वर, मेंस 1500 मीटर में अजय कुमार ने सिल्वर और जिन्सन जॉनसन ने ब्रॉन्ज हासिल किया। विमेंस 100 मीटर हर्डल्स में ज्योति ने सिल्वर जीता।

- विस्तृत खबर पेज-12 पर

14 जिलों में जनरेटर पर बैन, एयर पॉल्यूशन को देख ग्रैप लागू

इमरजेंसी सेवाओं को 31 दिसंबर तक छूट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में बढ़ते एयर पॉल्यूशन (वायु प्रदूषण) को देखते हुए सरकार के द्वारा पहले चरण में 14 जिलों में ग्रेडिड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू कर दिया गया है। इन जिलों में डीजल से चलने वाले जनरेटर सेट नहीं चल पाएंगे। हालांकि सरकार की ओर से ग्रेप लागू होने से ठीक एक दिन पहले कुछ आपात सेवाओं को 31 दिसंबर तक छूट दी गई है।

एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन ने जनरेटर पर पाबंदी को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। अधिकारियों ने फाइनल ड्राफ्ट को मानने से इनकार कर दिया है। पहले इसका समय 3 महीने बढ़ाने के लिए ड्राफ्ट तैयार किया गया था। एसीक्यूएम ने इसमें 25 केवीए तक के जेनरेटर में ड्यूल किट लगाने की छूट दे दी है। इससे अब उद्योगपति अपने उद्योग चलाने के लिए बगैर किट के जनरेटर नहीं चला पाएंगे।

एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन के द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि 25 केवीए से कम क्षमता वाले जनरेटरों में कोई किट नहीं लगाई जाएगी। इसमें कोई बदलाव भी नहीं होगा। 25 से 140 केवीए क्षमता तक के जनरेटर पर गैस और डीजल वाली ड्यूल किट लगानी होगी। 140 केवीए से ऊपर की क्षमता वाले जनरेटर पर ड्यूल किट या आरईसीडी में से एक किट लगानी पड़ेगी। आरईसीडी किट एक तरह से फिल्टर का काम करेगी, जो धुएं में 2.5 पीएम को कंट्रोल करेगी।

एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन के द्वारा कुछ आपात सेवाओं को तीन महीने की छूट दी है। इनमें लिफ्ट, एस्केलेटर, ट्रैवलेटर, चिकित्सीय सेवाएं, अस्पताल, नर्सिंग होम, सेहत देखभाल संस्थान, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डे, बस स्टैंड, एसटीपी, जल पंपिंग स्टेशन, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट, दूर संचार एवं आईटी डेटा सेवा शामिल हैं।

हरियाणा का 64 प्रतिशत एरिया होगा प्रभावित

सरकार के इस फैसले से सूबे का 64 प्रतिशत एरिया प्रभावित हुआ है। अधिकतर उद्योग भी इन्हीं 14 जिलों के अंतर्गत आते हैं। हालांकि सरकार की ओर से इन जिलों में निर्बाध बिजली की आपूर्ति करने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में भिवानी, चरखीदादरी, फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, करनाल, महेंद्रगढ़, मेवात, पलवल, रोहतक, करनाल, पानीपत व सोनीपत शामिल हैं।

पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 02 अक्टूबर, 2023

जमीनी स्तर पर फेल साबित हो रहा है भाजपा का स्वच्छता अभियान : नितिन सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नितिन सिंगला ने कहा है कि भाजपा सरकार का स्वच्छता अभियान जमीनी स्तर पर पूरी तरह से फेल साबित हुआ है, जिस स्वच्छता अभियान की शुरूआत सर्वप्रथम मुख्यमंत्री मनोहर लाल फरीदाबाद की कृष्णा कॉलोनी सेक्टर-20 से की थी। आज भी वहां गंदगी का साम्राज्य स्थापित है और लोग डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। लेकिन भाजपा आगे दौड़ पीछे छोड़ की कहावत को चरितार्थ करने में लगी है। श्री सिंगला सेक्टर-20 कृष्णा कॉलोनी में जाकर वहां व्याप्त गंदगी व जलभराव का अवलोकन करने के उपरांत लोगों से बातचीत कर रहे थे। नितिन सिंगला ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है, सरकार के मुखिया जहां से जिस काम की शुरूआत करते है, उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है, चाहे सफाई अभियान हो या फिर विकास कार्य। शहर में लोग आज बुनियादी सुविधाओं से त्राहि-त्राहि कर रहे है, लेकिन सत्ता के नशे में चूर भाजपा नेता विकास का झूठा राग अलापकर लोगों को गुमराह कर रहे है। श्री सिंगला ने कहा कि अब समय आ गया है, जब इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से उखाड़ा जाए और हरियाणा में चौधरी भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनाई जाए, ताकि प्रदेश व फरीदाबाद का समुचित विकास करवाया जा सके।

भाजपा का स्वच्छता अभियान पूरी तरह से हुआ फेल : सुमित गौड़

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेसी नेता सुमित गौड़ ने दिखया सरकार को वास्तविकता का आइना

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़ ने कहा कि भाजपा केवल कागजों में विकास की बाजीगरी करके लोगों को गुमराह कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर भाजपा का विकास दूर दूर तक नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो स्वच्छता अभियान का राग अलापा हुआ है, वह भी मात्र फोटोसेशन तक सिमटा हुआ है।

लोग आज टूटी सड़कें, सीवरेज से भरे पानी, गंदगी के ढेर से परेशान है और सरकार को कोसने में लगे हैं। श्री गौड रविवार को फरीदाबाद विधानसभा के अंतर्गत आने वाले इंद्रा कांपलैक्स, चंदीला मार्केट, पदम नगर, चुंगी रोड में दौरा करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय सोलंकी, युवा समाजसेवी ओमपाल शर्मा, युवा नेता कृष्णा शर्मा, पवन कुमार, बॉबी, ओमप्रकाश चौहान, पंडित महेश चंद गौतम, कृष्ण कोहली, समाजसेवी वरूण बंसल, प्रदीप भट्ट, राहुल दत्त आदि साथियों के साथ सुमित गौड़ ने यहां व्याप्त अव्यवस्थाओं का जायजा लिया और सरकार को जमकर कोसा। श्री गौड़ ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं की आवाज हमेशा पुरजोर तरीके से शासन-प्रशासन के समक्ष उठाई है, इनके हर भ्रष्टाचार को उजागर किया है, लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी व नेता पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, जोकि शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में बैठे नेता व अधिकारी लोगों के खून पसीने की कमाई को हड़पने में लगे हुए है, उन्हें जनता के हितों से कोई लेना देना नहीं है। श्री गौड़ ने कहा कि झूठे सब्जबाग दिखाकर सत्ता हथियाने वाली भाजपा आज हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। आज हर वर्ग अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है। इस सरकार में अमीर और अमीर हो रहा है, जबकि गरीबों के समक्ष दो जून की रोटी की समस्या पैदा हो गई है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों में इस सरकार ने भ्रष्टाचार और महंगाई देने के अलावा कुछ नहीं किया, आज लोग इस सरकार से छुटकारा पाना चाहते हैं और फिर से हरियाणा में कांग्रेस के रूप में अपनी सरकार चुनने का मन बना चुके हैं। आने वाले चुनावों में हरियाणा में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी और उसके बाद सही मायनों में विकास का पहिया चलेगा।

बीपीएल राशन कार्ड धारक को मिलेगा प्रतिमाह दो लीटर सरसों का तेल : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीपीपी में बीपीएल कार्डधारकों को दी बड़ी राहत, बिजली बिल की स्लैब को किया खत्म

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को फरीदाबाद के सेक्टर-12 में आयोजित सम्मेलन में प्रदेश के लोगों के लिए बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि पहले परिवार पहचान पत्र में एक लाख 80 हजार रुपये आय वाले लोगों का अगर 12 हजार रुपये बिजली बिल आता था तो उन्हें बीपीएल कार्ड में लाभ नहीं मिलता था। अब इसके लिए बिजली बिल की बाध्यता को खत्म करने हुए इस स्लैब को खत्म कर दिया गया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक लाख 80 हजार रुपये आय वाले सभी बीपीएल राशन कार्ड धारक परिवारों भी आगे से सरसों का तेल देने की घोषणा की। इस योजना के तहत सभी बीपीएल राशन कार्ड धारकों को प्रतिमाह दो लीटर सरसों का तेल मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे आम लोगों को फायदा मिलेगा।

इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारों को भी बड़ी सौगात देते हुए दुर्घटना बीमा की 10 लाख रुपये तक की प्रीमियम राशि को सरकार द्वारा वहन करने करने की घोषणा की। पहले पांच लाख रुपये तक की दुर्घटना बीमा की राशि का प्रीमियम सरकार देती थी और उससे ऊपर के लिए पत्रकारों को एक निश्चित राशि का भुगतान करना पड़ता था। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज हमारे कार्यकर्ताओं ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा के पास आज मजबूत कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। उन्होंने आह्वान किया कि वह सरकार की जनहितैषी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में काम ज्यादा हुआ है और खर्चा कम। हम गलत काम नहीं होने देंगे। इसके लिए उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का जिक्र किया और कहा कि अब हमारी सरकार में बिना खर्ची व पर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरी मिलती है। उन्होंने कहा कि हमने बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशे के खिलाफ अभियान जैसे कार्यक्रम चलाकर आमजन के हित में अपने सरोकार को निभाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस में इंफोर्समेंट को बढ़ाया है। महिला पुलिसकर्मियों की संख्या छह प्रतिशत से 11 प्रतिशत की गई है और आगे 15 प्रतिशत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम मिशन स्वावलंबन से आगे बढ़ेंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे।

युवाओं के हित में हरियाणा कौशल रोजगार निगम बनाया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन के साथ-साथ विधुर पेंशन और तीन लाख से कम आय वाले 45 वर्ष से अधिक के अविवाहितों के लिए पेंशन की शुरुआत की है। फोरेन कारपोरेशन विभाग बनाया है और युवाओं का पहला बैच भी विदेश भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पहले 2014 में एमबीबीएस की 700 सीटें होती थीं, लेकिन हमने इसे 1900 कर दिया है और जल्द ही इसे 3100 करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घर परिवार त्याग कर देश हित के लिए फैसले लिए केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घर परिवार त्याग कर देशहित में कार्य किए हैं। पिछले नौ वर्षों में एक लाख दस हजार नौकरियां दी गई हैं।

सभी गांवों में 24 घंटे बिजली दी गई है। उन्होंने कहा कि आज देश व प्रदेश प्रगति की राह पर अग्रसर है। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद से विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक सीमा त्रिखा व विधायक राजेश नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, अजय गौड सहित संगठन से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद थे।

घूमने की कहकर गए युवक की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत

पिता की शिकायत पर अवैध स्विमिंग पूल संचालक के खिलाफ मुकदमा

फरीदाबाद। शनिवार रात गांव बुढ़ैना स्थित एक अवैध स्विमिंग पूल में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान दिल्ली के मोलड़बंद निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची खेड़ीपुल थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शिकायत में कहा गया है कि अजय ने बीएड की पढ़ाई की हुई थी और वह दो बहन का इकलौता भाई था। वह शनिवार शाम को करीब साढ़े छह बजे अपनी मां मंजू देवी से नेहरू प्लेस से लैपटॉप की चार्जर लाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद कॉलोनी के ही तीन दोस्त प्रदीप नेगी, सौरभ पांडेय और सागर शर्मा के साथ बुढ़ैना स्थित एक स्विमिंग पूल में नहाने आ गया। बताया जा रहा है कि रात 8.30 बजे उसकी अपने पिता शिव कुमार से बात हुई थी और जल्द घर पहुंचने की बात कही थी।

शिव कुमार ने बताया कि रात करीब नौ बजे उसके पास एक निजी अस्पताल से कॉल आया कि आपके बेटे अजय की मौत हो गई। यह सुनकर परिवार के सभी सदस्यों के होश उड़ गए। सभी तुरंत अस्पताल पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे नागरिक अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया। रविवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम करवाकर स्वजन को सौंप दिया। पुलिस ने अवैध पूल संचालक तेजवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सीपी ने तीन पुलिस अधिकारियों को किया निलंबित

फरीदाबाद। सीपी राकेश कुमार आर्य ने तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया है। इनमें एक आईएमटी चौकी के इंचार्ज वीरेंद्र कुमार, दूसरे बस अड्डा चौकी इंचार्ज सज्जन कुमार, क्राइम ब्रांच के एक सब इंस्पेक्टर को निलंबित किया गया है। आईएमटी चौक इंचार्ज वीरेंद्र कुमार को एक एएसआई को 50,000 रिश्वत लेने के मामले में निलंबित किया है। बस अड्डा चौकी इंचार्ज को उसके कार्य क्षेत्र में होटल में चल रहे देह व्यापार के मामले में निलंबित किया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों एक मामले में युवक को बेवजह हिरासत में रखने व उसे छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत के मामले में आईएमटी चौकी इंचार्ज वीरेंद्र कुमार को पकड़ा गया था। पीड़ित की शिकायत पर टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ा था। इसी मामले में निलंबित किया गया है। वहीं बस अड्डा चौकी इंचार्ज को उसके इलाके अवैध रूप से चल रहे देह व्यापार के कारण निलंबित किया गया है। जांच चलने तक उन्हें निलंबित रखा जाएगा।

शाहजहांपुर में जमीनी विवाद में दो की मौत, तीन घायल

पंचायती जमीन को लेकर दो परिवार में हुआ था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव शाहजहांपुर में पंचायती जमीन को लेकर दो परिवारों में हुए झगड़े में दो लोगों की मौत हो गई है और एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि शाहजहांपुर गांव में पंचायती जमीन को लेकर दो परिवार के लोगों में झगड़ा हो गया था। इस झगड़े में बाप बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुमेर सिंह नाम का व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इसके अलावा होशियार सिंह, उसके पिता जानकी और पुत्र सचिन घायल हो गए। एसएचओ सुरेंद्र कुमार के अनुसार आरोपित पक्ष की तलाश की जा रही है। गांव में तनाव का माहौल और पुलिस बल तैनात किया गया है।

श्रीपाल नामक व्यक्ति ने बताया कि 15 दिन पहले गांव में पंचायती जमीन को लेकर एक पखवाड़ा पहले पंचायत हुई थी। इस जमीन पर एक पक्ष का कब्जा था। पंचायत में यह फैसला हो गया था कि आने-जाने के लिए रास्ता दिया जाएगा। रास्ता दे भी दिया गया, पर फिर इस पर कब्जा हो गया। इस बीच एक सप्ताह पहले सुमेर पक्ष की गाड़ी के शीशे टूट गए। रविवार को फिर से इसी विषय पर पंचायत थी। इसमें दोनों ओर से बहसबाजी हुई। किसी ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचित कर दिया।

मौके पर पुलिस भी पहुंच गई थी। इस बीच बहसबाजी मारपीट में बदल गई और गांव के दबंग पक्ष ने राजकुमार और हिमांशु को चाकुओं से गोद दिया। इसमें लाठी, डंडों, फरसे से हमला किया गया। करीब 18 वर्षीय युवक हिमांशु की मौके पर ही मौत हो गई। बुरी तरह घायल उसके पिता राजकुमार को अस्पताल ले जाया गया, वहां उसकी भी मौत हो गई।

ओमेक्स सपा विलेज आरडब्ल्यूए ने चलाया स्वच्छता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सोसाइटी निवासियों ने इस अभियान में योगदान दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर ओमेक्स सपा विलेज, सेक्टर 78, फरीदाबाद के सभी निवासियों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छ भारत के निर्माण में सोसाइटी निवासियों ने अपना अमूल्य योगदान दिया। सोसाइटी के सभी निवासियों ने जिसमें बच्चे, महिलाएं, बड़े बुजुर्ग एवं युवाओं ने बढ़ चढ़कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया, पूरी सोसाइटी का चक्कर लगाकर जगह-जगह से प्लास्टिक व अन्य कूड़े को एकत्रित किया और जमा किया। सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के सदस्यों ने सभी सफाई कर्मचारियों को सोसाइटी में स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रशंसा की व धन्यवाद किया। स्वच्छता अभियान के अंत में आरडब्ल्यूए द्वारा सभी निवासियों व सोसाइटी के सफाई कर्मचारियों के लिए जलपान का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष हेमंत राणा, उपाध्यक्ष राकेश आहूजा, महासचिव सुप्रीत सिंह नरूला, कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह अत्री, सहसचिव मयंक शर्मा, कार्यकारी सदस्य अंतुल कुमार, संजय झा, आशीष दीक्षित, प्रवेश परिहार, अभिषेक पांडे व सुमंत खन्ना, दर्शन दवे, रविंद्र कालरा, सुनील कौल, प्रणय जैन, राजू मेंहदीरत्ता, लोकेश चावला, विकास कपूर, आकाश सक्सेना, नदीम बेग, नितिन, सुनील भौमिक, दर्पण गुप्ता, डिंपी जैन, रुना खरबंदा, शिप्रा भौमिक, गारिमा सक्सेना ने छोटे बच्चों आविक, अद्विका, अक्षिता, आशिका, गौतमी, यज्ञ, अमय आदि ने श्रमदान किया व सोसाइटी को स्वच्छ रखने की प्रतिज्ञा ली।

एनएचपीसी ने श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्रमदान कार्यक्रम में कर्मियों के साथ छात्रों ने भी दिया बढ़ चढ़कर योगदान

एनएचपीसी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा-2023 के अंतर्गत स्वच्छता अभियान हेतु श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएचपीसी के निदेशक उत्तम लाल के नेतृत्व में एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने फरीदाबाद के बुढ़िया नाला पर बने ऐतिहासिक मुगल ब्रिज, संतोष नगर में और इसके आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया। श्रमदान कार्यक्रम के दौरान एनएचपीसी कार्मिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों तथा स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर श्रमदान किया। इस अवसर पर उत्तम लाल ने स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता जागरूकता का संदेश देते हुए आसपास के क्षेत्रों को साफ सुथरा रखने को भी कहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एनएचपीसी द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएचपीसी द्वारा अपने निगम मुख्यालय सहित सभी कार्यस्थलों में स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा अभियान 15 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाया जा रहा है।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

सियासत खेल है जिसमें फ़क़त धोखा ही धोखा है
बड़े बाज़ों की ख़ातिर अब सियासत सिर्फ़ धंधा है
समझते हैं मसीहा हम मगर सच है नये युग में
सियासी लोगों का मज़हब अगर कुछ है तो पैसा है

स्वच्छता कर्मियों के सम्मान के साथ मुख्यमंत्री ने किया सेवा पखवाड़े का समापन

कहा, स्वच्छता के कार्य को स्वच्छता कर्मियों तक सीमित न रख जन-जन का अभियान बनाना होगा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू हुए स्वच्छता की सेवा पखवाड़े का समापन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर फरीदाबाद में किया। यहां उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित करते हुए प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि स्वच्छता का कार्य स्वच्छता कर्मियों पर छोड़ने की बजाय जन-जन का अभियान बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अपने आवास, परिसर के साथ-साथ अपने गली मोहल्ले व गांव की स्वच्छता के लिए सामूहिक रूप से अभियान चलाने का संकल्प लेना होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को शहर के सेक्टर-9 में आयोजित इस राज्यस्तरीय स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हम सभी लोग मिलकर अपने-अपने तरीके से इस स्वच्छता पखवाड़े में भाग ले रहे है। इसी क्रम में आज सभी लोग एक दिन-एक घंटा प्रातः 10 से 11 बजे तक सभी ग्राम पंचायतों, शहरों, कस्बों तथा वार्डों में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सही मायने में तो स्वच्छता का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी दिन ले आए थे जिस दिन इस देश की बागडोर उन्होंने संभाली थी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को हमें हमारे जीवन, व्यवहार और दिनचर्या का अंग बनाना होगा। हम अपने घरों में पांच अवसरों पर विशेष सफाई करते हैं। प्रतिदिन हमारी माताएं, बहने अपने घर की सफाई करती है। सप्ताह में एक बार घर की खिड़कियां और दरवाजे, महीने में एक बार स्टोर की सफाई और साल में एक बार दिवाली और ईद के दिन घर में रंग-रोगन और सफाई होती है। दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक के अलावा कभी-कभी किसी विशेष अवसर जैसे शादी ब्याह, जागरण या अकस्मात कभी आंधी और वर्षा आ जाए तो पूरे घर की विशेष सफाई की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि क्या सिर्फ अपने परिसर की सफाई करने से देश स्वच्छ बन पाएगा? हमें देश को अपना घर मानना होगा। अपने प्रदेश, शहर, गांव, गली मोहल्ले के घरों को अपना मानना होगा। हम सभी को मिलकर इस सामाजिक कार्य में भाग लेना होगा सिर्फ सरकारी तंत्र पर निर्भर नहीं रहना बल्कि हम सबको मिलकर अपनी भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने आह्वान किया कि हमारे अपने शरीर के अंदर मन और बुद्धि की स्वच्छता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने बच्चों में भी स्वच्छता की भावना पैदा करने का आह्वान किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, विधायक नरेंद्र गुप्ता और विधायक राजेश नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, अजय गौड़, चेयरमैन धनेश अधलखा, नगर निगम आयुक्त ए मोना श्रीनिवासन, उपायुक्त विक्रम सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्वच्छता आधारित प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट ने मारी बाजी

फरीदाबाद। राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद में प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर के निर्देशन में महाविद्यालय के एनसीसी, नेवल विंग के द्वारा ऑयल इंडिया, आरएंडडी सेंटर, फरीदाबाद के सहयोग से स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत कई कार्यक्रम कराए गए। स्वच्छता ही सेवा-कचरा मुक्त भारत थीम पर कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। स्लोगन लेखन, ड्राइंग, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं के अलावा नुक्कड़ नाटक और रैली भी निकाली गई, ताकि विद्यार्थियों और आम जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाई जा सके। स्लोगन लेखन में एनसीसी कैडेट मनीषा ने बाजी मारी और उसे महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर द्वारा पुरस्कृत किया गया।

अनाज मंडी में फसल को सुखाकर लाने पर बिक्री में होगी सहूलियत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने किया पलवल अनाज मंडी का दौरा

खरीफ फसल की आवक के दृष्टिगत अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने पलवल की अनाज मंडी का दौरा किया। उन्होंने अनाज मंडी में जगह-जगह एकत्रित धान की ढेरियों का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर उनके साथ एडीसी साहिल गुप्ता, एसडीएम शशि वसुंधरा, एसडीएम रणवीर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसलों के अवशेष अथवा पराली को न जलाएं अपितु उनका फसल अवशेष प्रबंधन करें।

एसीएस सुधीर राजपाल ने कहा कि धान की आवक को लेकर अनाज मंडियों में पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। मंडियों में किसानों के लिए पीने के पानी, शौचालय, लाइटिंग, साफ-सफाई आदि के समुचित प्रबंध किए गए हैं। इस वर्ष जिला की मंडियों में करीब 50 हजार टन धान की फसल आने की संभावना है। इसमें पलवल की मंडी की अपेक्षा होडल की अनाज मंडी में अधिक धान की आवक होगी। होडल की अनाज मंडी में दो-दो दिन अलग-अलग

एजेंसियों को धान की खरीद करने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। जिला की अनाज मंडियों में धान की फसल के बारदाना, उठान सहित ट्रांस्पोर्टेशन की पूरी व्यवस्था की गई है। धान की फसल की ट्रांस्पोर्टेशन में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी ट्रकों में जीपीएस की सुविधा मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि किसान अनाज मंडी में अपनी फसल को सुखाकर लाएंगे तो उन्हें अपनी फसल की बिक्री करने में सहूलियत होगी। अनाज मंडी पलवल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने एसीएस के समक्ष सब्जी मंडी से अतिक्रमण हटवाने व सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाने की मांग की। एसीएस ने अनाज मंडी के दौरे के दौरान किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना तथा उनकी समस्याओं को दूर करने के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक सीमा शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, मार्केट कमेटी के सचिव मनदीप सिंह, अनाज मंडी पलवल एसोसिएशन के प्रधान राकेश गर्ग, ऑल हरियाणा आढती एसोसिएशन के उपप्रधान गौरव तेवतिया, आढती संजय मंगला, कुलदीप भडाना, मनमोहन गोयल सहित किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

खाली प्लॉटों की स्थिति का संज्ञान ले एचएसवीपी

फरीदाबाद। एक तरफ हरियाणा के सीएम स्वच्छता मेगा अभियान का शुभारंभ फरीदाबाद शहर से सराहनीय तौर पर कर रहे हैं। किंतु पॉश सेक्टर-21ए में कई जगह पर गंदगी पसरी रहती है। समय समय पर साफ सफाई नहीं करवाई जाती है। युगल किशोर शर्मा ने बताया कि सेक्टर 21ए में हुडा एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की बदौलत कई ऐसे प्लॉट हैं जो या तो रिज्यूम कर लिए गए हैं या वह कैंसिल हो गए हैं या उनका कोई व्यवहारिक तौर पर मालिक नहीं दिख रहा है। लावारिस अवस्था में होने के कारण खाली पड़े प्लॉटों में आसपास के लोग कूड़ा करकट गंदगी फेंकते रहते हैं। न उनमें साफ सफाई होती है, न उनकी कोई देखभाल करता है। इससे अड़ोस पड़ोस में रहने वाले लोगों को भी मनोवैज्ञानिक तौर पर गंदगी, कूड़े करकट, कीड़े मकोड़े एवं खराब वातवरण का दुष्प्रभाव झेलना पड़ता है। लोगों का कहना है कि एचएसवीपी एवं नगर निगम सेक्टर-21ए की वेलफेयर रेजिडेंट एसोसिएशन को दिशा-निर्देश जारी करके लावारिस प्लॉटों की वस्तु स्थिति का आंकलन कराएं। एचएसवीपी, हुडा एवं नगर निगम प्रशासन लावारिस प्लॉटों की साफ सफाई की कार्य योजना का खाका तैयार करके आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाएं। इस कार्य में ईको ग्रीन कंपनी से सहयोग लिया जाए। जब लोग आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे, तब सच्चे अर्थों में महात्मा गांधी की स्वच्छता अवधारणा फलीभूत होगी।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर ग्राम भिड़की में श्रमदान का आयोजन

पलवल। एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो हिसार द्वारा महाग्राम पंचायत भिड़की तथा शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में भिड़की ग्राम में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिड़की, एसवीएन स्कूल भिड़की, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स पलवल तथा कपूर सिंह जन चेतना मंच भिड़की सहयोगी संस्था के रूप में सहभागी रहे। श्रमदान में भिड़की की सरपंच शशिबाला तेवतिया मुख्य सेवादार के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि हमें स्वच्छता के प्रति जागरूक होना चाहिए। जब हम स्वच्छ रहेंगे तभी हम स्वस्थ रहेंगे। एनवीएन स्कूल की प्राचार्या कुसुम चौधरी ने कहा कि हमें साफ- सफाई की ओर ज्यादा ध्यानाकर्षण करना होगा, क्योंकि बीमारियों का मूल कारण गंदगी है। वर्तमान समय में हमें स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाना होगा। भारत स्काउट एंड गाइड्स के जिला संयोजक विष्णु गौड़ ने कहा कि सामाजिक, शारीरिक तथा मानसिक स्वच्छता को धारण करने वाला स्वस्थ व्यक्ति ही राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। एसवीएन स्कूल भिड़की के प्रबंधक वीर सिंह ने भी उपस्थित विद्यार्थियों को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी दौलतराम ने विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि हमें प्रत्येक सप्ताह दो घंटे तथा साल में 100 घंटे श्रमदान का संकल्प लेना चाहिए। श्रमदान की शुरुआत हमें अपने घर तथा आस-पड़ोस से ही करनी चाहिए। इस अवसर पर ग्राम भिड़की में सार्वजनिक स्थानों पर उपयोग के लिए कूड़ेदान भी वितरित किए गए।

नर्स आत्महत्या मामले में ससुराल पक्ष पर केस

फरीदाबाद। छांयसा स्थित श्री अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के हॉस्टल में नर्स के आत्महत्या मामले में पुलिस ने ससुराल पक्ष पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। गांव मुंडाहेड़ा झज्जर निवासी प्रवीण ने बताया कि बहन जयंती की शादी 2011 में हिंदू रीति रिवाज से अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज देकर गांव गुड्डा झज्जर निवासी रविंद्र से की थी। बहन जयंती की तीन बेटियां हैं। रविंद्र बेटियों से खुश नहीं था। रविंद्र, मां सावित्री, पिता बलवंत और ननद बबीता जयंती को गाली गलौच व मारते पीटते थे। बबीता व रविंद्र ने जयंती से उसकी सैलरी पर 20 लाख रुपये का लोन भी लिया हुआ था। बहन पिछले तीन सालों से गांव छांयसा स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में बतौर जनरल नर्सिंग पद पर कार्यरत है। ससुराल वालों द्वारा प्रताड़ित करने पर उनकी बहन ने गर्ल हॉस्टल में फंदा लगा ली।

अलग अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

एक को कार मारी टक्कर, दूसरे को मोटरसाइकिल ने कुचला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

नेशनल हाईवे-19 पर मुंडकटी थाना अंतर्गत दो अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने एक मृतक के परिजनों की शिकायत पर अज्ञात पर केस दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जबकि, दूसरे शव को पहचान के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

मुंडकटी थाना प्रभारी सचिन के अनुसार, होडल निवासी बबलू गौतम ने दी शिकायत में कहा है कि वह और उसका भाई दीपक गौतम बाइक पर पलवल से होडल के लिए आ रहे थे। बाइक को दीपक चला रहा था। जब बाइक गुलशन ढाबा के निकट पहुंचे, तभी पीछे से एक अर्टिगा कार तेज गति से आई और उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने से उसका भाई सड़क पर गिर गया और वह साइड में गिरा।

दोनों को चोटें आईं, लेकिन दीपक को ज्यादा चोटें आई थीं, जिसको इलाज के लिए सरकारी अस्पताल होडल ले गए, जहां चोटें अधिक होने के कारण दिल्ली सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान उसके भाई दीपक की मौत हो गई।

वहीं, बहीन गांव निवासी अजीत रावत ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसने नेशनल हाईवे-19 पर बंचारी गांव के निकट न्यू मोगा पंजाबी ढाबा खोल रखा है। रात करीब साढ़े 11 बजे एक अज्ञात व्यक्ति पैदल सड़क क्रॉस कर रहा था। उसी दौरान एक अज्ञात बाइक चालक ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बाइक चालक मौके से बाइक को लेकर फरार हो गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए होडल सरकारी अस्पताल भेज दिया, जहां से हालत नाजुक देख नल्हड़ अस्पताल भेज दिया। जहां उपचार के दौरान अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पहचान के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 में ली स्वच्छता की शपथ

फरीदाबाद। केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 फरीदाबाद के परिसर में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत समस्त शिक्षकगणों के साथ स्वच्छता ही सेवा है, कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य ममता शेखर के नेतृत्व में हुआ। जिसमें विद्यालय के सभी कर्मचारी, अध्यापक गण और बच्चों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। एक घंटा प्रतिदिन स्वच्छता ही सेवा है, इसको साकार करने के लिए विद्यालय परिसर के आसपास, पार्क और सड़कों पर एकत्रित कूड़े और कचरे का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीयता की भावना को कायम रखने के लिए महात्मा गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य ने अपने संबोधन में सभी अध्यापकों को और बच्चों को स्वच्छता को अपनी जीवन शैली में लाने के लिए प्रेरित किया।

फौजी ने झांसा देकर विवाहिता से किया दुष्कर्म

पलवल। एक फौजी ने विवाहित महिला को शादी का झांसा देकर बातों में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। वीडियो के दम पर उसने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। चांदहट थाना पुलिस ने महिला पर हुई ज्यादती को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद भड़ाना के अनुसार, एक विवाहिता ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी मुलाकात जल्हाका गांव निवासी फौजी पवन से हुई। इसके बाद पवन उससे फोन पर बातें करने लगा और कहने लगा कि वह अपने पति को छोड़ दे, वह उससे शादी कर खुश रखेगा। वह उसकी बातों में आ गई और उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए।

महिला का आरोप है कि शारीरिक संबंध बनाते समय फौजी ने उसकी वीडियो बना ली और फोटो खींच लिए। जब उससे कहा कि हम शादी कर लेते हैं तो उसने इनकार कर दिया। महिला ने पता किया तो सामने आया कि फौजी पवन शादीशुदा था और एक बच्चे का पिता भी है। उसने आरोपी से संबंध खत्म करने के लिए कहा तो उसने धमकी दी कि तेरी अश्लील वीडियो व फोटो हैं, शारीरिक संबंध नहीं बनाएगी तो उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा।

पीड़िता का कहना है कि बदनामी के डर से उसने उसके साथ एक बार फिर संबंध बना लिए। लेकिन इसके बावजूद भी आरोपी उसे बार-बार ब्लैकमेल करता रहा। आरोपी कहता है जब तक तेरी वीडियो और फोटो मेरे पास है, तब तक तुझे संबंध बनाने होंगे, नहीं तो वायरल कर दूंगा।

उसका आरोप है कि 27 सितंबर को आरोपी ने उसकी वीडियो व फोटो फेसबुक पर डाल दिए। वह फोन पर धमकी दे रहा है कि अभी भी तेरे पास वक्त है, मेरे पास नहीं आई तो जान से मार दूंगा। इससे परेशान होकर महिला ने पुलिस में इसकी शिकायत की।

एसएसबी अस्पताल ने लगाया निशुल्क जांच शिविर

फरीदाबाद। चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणीय एसएसबी अस्पताल द्वारा विश्व हृदय दिवस पर रविवार को अस्पताल में एक निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया किया। इस शिविर में करीब 500 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। जांच करवाने आने वाले लोगों को निशुल्क बीपी, शुगर जांच के साथ-साथ ईसीजी व ईको भी निशुल्क की गई। वहीं शिविर में लोगों को उचित परामर्श भी दिया गया। इस शिविर में डॉ. एसएस बंसल, डॉ. एसएस सिद्धू, डॉ. सिद्धांत बंसल, डॉ. बिनय कुमार पांडेय, डॉ. चेतन स्वरूप, डॉ. रिद्धिका मुंजाल आदि अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें स्वस्थ रहने के उपायों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। गौरतलब है कि एसएसबी अस्पताल समय-समय पर इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर लोगों की सेवा में समर्पित रहता है और लोग इन शिविरों के माध्यम से अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते रहते हैं।

पति से अलग रह रही महिला से तीन ने किया दुष्कर्म

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पति से समझौता कराने का झांसा देकर ले गए थे, पुलिस ने एक को दबोचा

पति से विवाद के चलते अलग रह रही महिला से तीन युवकों ने दुष्कर्म किया। वे उसे पति से समझौता कराने के नाम पर कार में बैठाकर ले गए थे। आरोप है कि उसे नशीला पदार्थ पिला दिया और बेहोशी की हालत में उसके साथ तीनों ने दुष्कर्म किया। उसकी अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर कार बरामद कर ली है। दो अन्य की तलाश है।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी रेनू शेखावत के अनुसार, एक महिला ने शिकायत दी कि उसकी शादी 2019 में होडल के एक युवक से हुई थी। शादी के बाद उसे एक बेटा हुआ, लेकिन पति दहेज की मांग के चलते उसके साथ मारपीट करने लगा। पति के खिलाफ दहेज का मुकदमा दर्ज कराने के बाद वह अपने पति से अलग रहने लगी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अनिल नामक व्यक्ति से हुई। अनिल ने उससे कहा कि वह उसके पति से समझौता करा देगा।

अनिल ने ढांसा दिया कि वह उसका घर बसवा देगा। इसके लिए उसे तांत्रिक के पास चलना होगा। वह झांसे में आ गई और अनिल के साथ कार में बैठ गई। उस समय कार में एक अन्य व्यक्ति भी बैठा हुआ था। रास्ते में अनिल ने उसे पीने के लिए पेय पदार्थ दिया। उसे पीने से उसे नशा हो गया।

महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी उसे ककराली स्थित एक मकान में ले गया। वहां तीसरा व्यक्ति भी मौजूद था। तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली। अश्लील वीडियो को वायरल कर दिया। इसके संबंध में शहर थाना में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। साइबर क्राइम थाना प्रभारी रेनू शेखावत की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर उससे उस कार को भी बरामद कर लिया। जबकि इस मामले में अन्य के शामिल होने की जांच की जा रही है। आरोपी अनिल को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नीट व आईआईटी की कोचिंग के लिए चयन परीक्षा आठ को

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने मिशन मानव सुपर 21 नीट व आईआईटी कोचिंग के अगले बैच के लिए 11वीं के मेडिकल, नॉन मेडिकल के छात्रों से आवेदन मांगे हैं। कोचिंग में चयन के लिए चयन परीक्षा रविवार आठ अक्टूबर को समिति के कार्यालय मानव भवन सेक्टर-10 में दोपहर दो बजे आयोजित की जाएगी। जो विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं, वे अपने आधार कार्ड व 10वीं की मार्कशीट की फोटोकॉपी छह अक्टूबर तक मानव भवन में शाम छह से सात बजे तक जमा कराकर रजिस्ट्रेशन कराएं। समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा व मिशन संयोजक सुभाष शर्मा ने कहा है कि चयन परीक्षा में शुरू के 11 टॉपर छात्रों का चयन करके 15 अक्टूबर से उनकी कोचिंग शुरू की जाएगी।

माता अमृतानंदमयी के जन्मदिन पर एक्टिविटी वीक का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अमृता विश्व विद्यापीठम की ओर से श्री माता अमृतानंदमयी देवी के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक अमृता अस्पताल, फरीदाबाद में एक्टिविटी वीक का आयोजन किया गया। जिसमें पांच दिन तक अलग-अलग कई तरह की गतिविधियां की गईं।

इस एक्टिविटी वीक में अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन और अमृता स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर स्वामी निजामृतानंद पुरी, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल कर्नल बीके मिश्रा, एनाटॉमी की प्रोफेसर डॉ. मीतू सिंह, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. लेखा विश्वनाथन और उन्नीकृष्णन समेत अन्य लोगों ने छात्रों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

एक्टिविटी वीक के पहले दिन छात्रों ने अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के आस-पास के क्षेत्र में अम्मा के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 70 पौधों का रोपण किया। साथ ही छात्रों को ऑर्गेनिक फार्मिंग और इसके महत्व के बारे में बताया गया। इस वीक के दूसरे दिन रक्तदान कैंप लगाया। जिसमें छात्रों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया और इसके फायदे और कितनी लोगों की बचाया जा सकता है, इस बारे में विस्तार से बताया गया। तीसरे दिन

अमृता पाठशाला में हेल्थ स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। साथ ही छात्रों ने दांतों की सफाई और सामान्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें छात्रों द्वारा जीवन में अपने शरीर की उचित स्वच्छता रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया। अमृता पाठशाला के बच्चों को छात्रों द्वारा पढ़ाई के महत्व पर भी स्पीच दी गई और अंत में उन्हें डेंटल किट, शैक्षणिक पोस्टर्स और खाने का वितरण किया गया।

चौथे दिन छात्रों को अनाथाश्रम ले जाया गया, जहां उन्होंने वहां के बच्चों को नाटकीय प्रस्तुति से पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया। साथ ही सेवा के महत्व और मासिक धर्म स्वच्छता पर भी स्पीच दी गई। एक्टिविटी वीक के पांचवे और आखिरी दिन छात्रों ने अम्मा के जन्मदिन के मौके पर अपने हाथों से सांत्वना (सोलेस) कार्ड बनाए, जिनमें जीवन जीने के आधार पर अम्मा द्वारा दिए गए उद्धरण लिखे। इन कार्ड्स को छात्रों द्वारा ओपीडी और आईपीडी के मरीजों को दिए और साथ ही उनसे बात-चीत भी की। इसकी शुरुआत केरला स्थित अम्मा के आश्रम से की गई। इसका उद्देश्य छात्रों को जीवन के विभिन्न आयामों के बारे में बताना तथा उनके अंदर सेवा भावना, प्रकृति के प्रति प्रेम और अन्य चीजों के बारे में जागरूक करना था।

अल्लीका में बस सेवा बंद होने से पीएचसी पहुंचने में होती है परेशानी

ग्रामीण क्षेत्र के लोग शहर में इलाज करवाने को मजबूर

पदम सिंह घुघेरा। पलवल

पलवल-यादूपुर रोडवेज बस सेवा के बंद होने से इलाज के लिए अल्लीका पीएचसी जाने वाले मरीजों को आने-जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बस नहीं चलने से ग्रामीणों को शहरी क्षेत्र में इलाज के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

आसपास के गांव घुघेरा, ककराली, मेघपुर, यादूपुर, पातली, लालवा, कारना, आमरू, फिरोजपुर व अगवानपुर आदि गांवों के ग्रामीण जोगेंद्र सिंह, नरेंद्र, मनोज कुमार, दलीपसिंह, मूर्ती देवी, गिरधारीलाल, भगतसिंह, दिनेश कुमार, कांता शर्मा, जितेंद्र शर्मा आदि का कहना है कि ग्रामीणों को बेहतर व समय पर इलाज की सुविधा देने के लिए अल्लीका गांव में पीएचसी का निर्माण किया गया था। अल्लीका गांव की पीएचसी में आसपास के दर्जनभर गांवों के लोग इलाज के लिए आते-जाते हैं।

उन्होंने बताया कि पीएचसी के होने की वजह से यहां पर लोगों का इलाज फ्री में होता है। वहीं बीमारी की जांच करने के बाद दवाई भी रोगी को फ्री में ही दी जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले तक पलवल से यादूपुर के लिए रोडवेज की बस चलती थी। जिससे लोग अल्लीका व यादूपुर आसानी से आ जा सकते थे। परंतु कुछ साल पहले इस बस सेवा को एकाएक बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि पीएचसी के लिए अब आने-जाने के लिए कोई यातायात का प्रबंध नहीं होने की वजह से ग्रामीण शहर के निजी व सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए जाना पसंद करते हैं।

अल्लीका की दूरी पांच से दस किलोमीटर पड़ती है। इसकी वजह से ग्रामीणों को निजी अस्पतालों में इलाज करवाने में 400 से 500 रुपये का भार बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को तुरंत पलवल-यादूपुर के लिए रोडवेज बस सेवा को बहाल करना चाहिए। जिससे ग्रामीणों को इलाज करवाने में सुविधा रहे। उन्होंने रोडवेज विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द बस चलाई जाए, जिससे आम लोगों के साथ मरीजों को भी सुविधा होगी।

विद्यार्थियों के लिए लगाया गया दंत चिकित्सा शिविर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वाधान में जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र द्वारा सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार गर्ग के दिशा निर्देशन एवं डिप्टी सिविल सर्जन व नोडल अधिकारी डॉ. रामेश्वरी के मार्गदर्शन में जिला नागरिक अस्पताल पलवल के दंत विभाग में वरिष्ठ डेंटल सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में स्कूल के विद्यार्थियों के लिए मुख व दंत चिकित्सा शिविर लगाया गया।

शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में कार्यरत डॉक्टर, फार्मासिस्ट व एएनएम द्वारा आंगनवाड़ी व सरकारी स्कूलों में जांच व स्क्रीन किए गए 41 बच्चों के मुंह व दांतों से संबंधित रोगों की जांच व चिकित्सा की गई। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. नटवर सिंह, डॉ. रूचि, डॉ. आशिमा कालड़ा, डॉ. अंजू व डॉ. ज्योति द्वारा बच्चों के मुंह, मसूड़ों व दांतों की जांच व चिकित्सा की गई। शिविर में निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इस अवसर पर बच्चों को रिफ्रेशमेंट भी दी गई। शिविर में दांतों में कैविटी होना, दांतों में कीड़ा लगना, टेढ़े-मेढ़े दांत, दांतों का पीलापन, मसूढ़ों में सूजन व मसूड़ों से खून आना आदि रोगों की जांच व चिकित्सा की गई। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी ने स्कूल के बच्चों को मुंह के कैंसर के लक्षण, कारण, बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बच्चों को बीड़ी, सिगरेट व शराब न पीने तथा तंबाकू, गुटखा न खाने तथा दिन में दो बार खाना खाने के बाद सुबह व रात को ब्रश करने के लिए प्रेरित किया तथा बच्चों को ब्रश करने की विधि के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ डेंटल सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार ने बच्चों को चॉकलेट, फास्ट फूड व जंक फूड न खाने तथा घर में बना हुआ संतुलित भोजन ग्रहण करने की सलाह दी। डीईआईसी मैनेजर डॉ. साक्षी शर्मा द्वारा बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं, जन्मजात रोग, डेफिशियेंसी, डिजीज व डेवलपमेंट डिले के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दंत विभाग में प्रत्येक महीने के अंतिम शनिवार को डेंटल कैंप का लगाया जाता है। इसलिए दांतों से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए दंत चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

उन्होंने यह भी बताया कि जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में 41 बच्चों के रजिस्ट्रेशन भी किए गए। स्वच्छता पखवाड़े के तहत शिविर के दौरान डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर रामेश्वरी के नेतृत्व में स्कूलों से रेफर किए गए बच्चों, डॉ. आशिमा कालड़ा, डॉ. ज्योति, हेडमास्टर हरिदत्त व अन्य द्वारा पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर दंत शिविर में डेंटल सर्जन नटवर सिंह, डॉ. रूचि, डॉ. ज्योति व डॉ. अंजू तथा डॉ. आशिमा कालड़ा, फार्मासिस्ट पवन शर्मा, विमलेश व राजकीय प्राथमिक स्कूल पलवल के हेडमास्टर हरिदत्त आदि ने सहयोग किया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वच्छता अभियान में गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर लगाई झाड़ू

बोले, आमजन की सहभागिता से स्वच्छता बना एक राष्ट्रीय व्यवहार

रेल मंत्री ने गुरुग्राम रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण डिजाइन का किया अवलोकन

गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता अभियान के दौरान झाड़ू लगाते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

स्वच्छता के लिए शपथ दिलाते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

स्टेशन पर मशीन से सफाई करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले रविवार को देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पहुंचे और उन्होंने यहां झाड़ू लगाकर सफाई की। साथ ही मशीन से भी सफाई करके स्वच्छता का सकारात्मक संदेश दिया। सितंबर के मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से एक घंटे के लिए स्वच्छता के लिए श्रमदान की अपील की थी। इसी के तहत रविवार को यह अभियान चलाया गया। रेल मंत्री वैष्णव ने स्वच्छता अभियान में श्रमदान करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। तब से देश के प्रत्येक शहर, गांव व कस्बों सहित सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों व रेलवे में सफाई व्यवस्था में विशेष प्रयास किये गए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों में देश के आमजन की महत्वपूर्ण सहभागिता के चलते हमारे पर्यावरण स्वच्छता में भी विशेष बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर जीवन के सभी क्षेत्रों के नागरिकों ने भारी उत्साह के साथ स्वच्छ भारत का स्वामित्व लिया है। जिसके परिणामस्वरूप, स्वच्छता एक राष्ट्रीय व्यवहार बन गया। मीडियाकर्मियों द्वारा देशभर में चल रही वंदे भारत ट्रेनों को भी स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 14 मिनट में साफ करने के लक्ष्य के सवाल पर रेलमंत्री ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन में नए प्रोटोकॉल से सफाई व्यवस्था करने के प्रयासों की रविवार से दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से शुरुआत की जा रही है। ट्रेन के सभी रिवर्स स्टेशन पर सफाई व्यवस्था के लिए 14 मिनट का प्रोटोकॉल बनाया गया है, जिसमें प्रैक्टिस के आधार पर सफाई कर्मी अपनी स्किल लेवल में बढ़ोतरी करके इन प्रयासों को सफल बनाने का काम करेंगे। रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस श्रमदान के लिए एक तारीख, एक घंटा, एक साथ का नारा दिया है। उन्होंने कहा स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और इसका हर प्रयास मायने रखता है। उन्होंने आमजन से अभियान में सहयोग का आह्वान किया कि स्वच्छता पखवाड़ा 2023 की थीम कचरा मुक्त भारत है। जिसमें सभी गांवों और कस्बों, स्कूलों, आंगनबाड़ियों, स्वास्थ्य केंद्रों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों आदि द्वारा जागरूकता पैदा करने और बेहतर स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

गुरुग्राम स्टेशन के नवीनीकरण का डिजाइन भी देखा

केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में स्टेशन के नवीनीकरण के डिजाइन का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिसकी वैश्विक पटल पर अपनी एक प्रमुख पहचान है। इसके रेलवे स्टेशन नवीनीकरण के लिए बहुत उत्कृष्ट डिजाइन तैयार किया गया है। बहुत जल्द ही धरातल पर इसका काम शुरू होगा। इस दौरान रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने दैनिक व्यवहार में साफ सफाई रखने के लिए प्रेरित भी किया गया। आज स्टेशन परिसर में अभियान के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग गुरुग्राम की आंगनवाड़ी वर्कर, सुपरवाइजर सहित अन्य कर्मियों का भी विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जीएम उत्तर रेलवे शोभन चौधरी, डीआरएम सुखविंदर सिंह, गुरुग्राम एसडीएम रविंद्र यादव, स्टेशन अधीक्षक एसएल मीणा, ओलंपिक विजेता साक्षी मलिक, पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी, दी भारत स्काउट्स एवं गाइर्स के सदस्यों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

गुरुग्राम के सदर बाजार में झाड़ू लगाकर सफाई करते विधायक सुधीर सिंगला व निगमायुक्त पीसी मीणा।

विधायक सुधीर सिंगला के साथ निगमायुक्त पीसी मीणा ने सदर बाजार क्षेत्र में की सफाई

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक अक्टूबर को एक घंटे श्रमदान करने के लिए आह्वान की पालना में विधायक सुधीर सिंगला के साथ नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त पीसी मीणा से सदर बाजार क्षेत्र में सफाई की। उन्होंने निगम अधिकारियों तथा बाजार के व्यापारियों के साथ क्षेत्र में सफाई करके स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान जोन-2 व 3 के संयुक्त निदेश विजय यादव और नरेश कुमार ने भी श्रमदान किया।

अपने संबोधन में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से एक अक्टूबर को एक घंटा स्वच्छता के लिए श्रमदान करने का आह्वान किया था। उनके आह्वान पर देश का प्रत्येक नागरिक अपने-अपने क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने की इस मुहिम में जुटा हुआ है। विधायक ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा निगम क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में कचरा उठान तथा सफाई सुनिश्चित की जा रही है। नागरिक भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। इस अवसर पर शहर की सामाजिक संस्था एक आवाज के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, स्वास्तिक फाउंडेशन के अध्यक्ष राज सैनी, बुलंद आवाज अध्यक्ष कुलदीप हिंदुस्तानी ने अपनी-अपनी टीम के साथ श्रमदान दिया। स्वच्छता कार्यक्रम में युवा मोर्चा अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, पार्षद सुभाष सिंगला, रोशन लाल पिंटू, विक्की बंसल, सुनील सिंगला, गुरुग्राम एमिनेंट सिटीजन अमित गोयल, एक आवाज चेयरमैन विकास गुप्ता, वरुण अग्रवाल, राजेश सैनी, मनोज तंवर, उत्कर्ष गुप्ता, अक्षित गुप्ता, निशान्त अहलावत, सौरभ गर्ग, दीपक शर्मा, आशीष, आकाश शर्मा, आशीष वर्मा, अजय जैन, जग भुषण गुप्ता, गिरीश सिंगला व अन्य गणमान्य मौजूद रहे। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत लगाए गए रक्त दान शिविर का विधायक सुधीर सिंगला ने शुभारंभ किया। अलग अलग स्थानों पर लगाए गए शिविरों में काफी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

विधायक जरावता ने झाड़ू लगाकर राष्ट्रपिता को दी स्वच्छांजलि

सफाई कर्मियों को न्यूनतम वेतन देकर वर्तमान सरकार ने पुण्य का काम किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के मानेसर में झाड़ू लगाकर सफाई करते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने रविवार को मानेसर नगर निगम की ओर से आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल होकर एक घंटे का श्रमदान दिया। विधायक ने मानेसर के आईएमटी चौक व आसपास के क्षेत्र में सफाई करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वच्छांजलि अर्पित की।

विधायक ने कहा कि सफाई एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसे हमें दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। सफाई को अपनी आदत में शामिल करके ही हम अपने आसपास को स्वच्छ रख सकते है। प्रत्येक व्यक्ति यदि सफाई को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझे तो चारों और सफाई रहेगी। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में उनके साथ मानेसर नगर निगम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग, संयुक्त आयुक्त दिनेश कुमार, एनएसजी के ग्रुप कमांडर जेपी मैथानी, स्क्वाड्रन कमांडर राजन सिंह, स्क्वाड्रन कमांडर सुमेर सिंह गुर्जर, महेंद्र सिंह, टीम कमांडर रजत पी, कर्नल पर्वत सिंह, नेहरू युवा केंद्र के डायरेक्टर कृष्ण लाल परीचा, ब्लू प्लांट ऑर्गनाइजेशन से कृष्ण कुमार, हरीश, शिव, शशि यादव, ओपी यादव, सुशीला शरण पुनिया, डॉक्टर सत्या सहाय, शिखा सिंह, नगर निगम की एसबीएम कंसल्टेंट जेनिथ चौधरी, ब्लू जोन एंबेसडर अयाना चौधरी सहित पूर्व पंचायत सदस्य व एनएसजी के करीब 100 कर्मचारी व अधिकारी भी मौजूद रहे। मानेसर नगर निगम की ओर से रविवार को नगर निगम क्षेत्र में करीब 60 जगहों पर श्रमदान दिवस मनाया गया।

चंद्रमणि भारद्वाज व युवा नेता मनजीत सिंह ने सांसद को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

सांसद डा. महेश शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते भाजपा जिला आईटी संयोजक चंद्रमणि भारद्वाज व जेवर विधानसभा से भाजपा युवा नेता मनजीत सिंह।

नोएडा। सांसद डा. महेश शर्मा का 65वां जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। भाजपा आईटी जिला संयोजक चंद्रमणि भारद्वाज व जेवर विधानसभा से भाजपा युवा नेता मनजीत सिंह ने सांसद को शुभकामनाएं दी।

सांसद डॉक्टर महेश शर्मा क जन्मदिन सादगी के साथ सभी कार्यकर्ताओं ने मनाया। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 सिथत एक बैंक्वेट हॉल में कार्यक्रम रखा गया। सुबह से ही तमाम जिले भर के कार्यकर्ता और नेताओं का बधाई देने के लिए तांता लगना शुरू हो गया। सांसद को जन्मदिन की बधाई देने वालों में मुख्य रूप से शिक्षक विधायक श्रीचंद शर्मा, एमएलसी विधायक नरेंद्र भाटी, पूर्व मंत्री वेदराम भाटी, भारतीय जनता पार्टी के जिला आईटी संयोजक चंद्रमणि भारद्वाज, भारतीय जनता पार्टी जेवर विधानसभा से युवा नेता मनजीत सिंह, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, खुर्जा की विधायक मीनाक्षी सिंह, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, सिकंदराबाद से विधायक लक्ष्मी राज सिंह, पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक सतवीर नागर सभी सांसद प्रतिनिधि, नगर पालिका दादरी के अध्यक्ष गीता पंडित, रागिनी गायक रामपाल नागर, एडवोकेट प्रवीण अग्रवाल, जिला अध्यक्ष गजेंद्र महावीर, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय भाटी, बुलंदशहर के भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विकास चौहान, नगर पालिका सिकंदराबाद के अध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप दीक्षित, खुर्जा नगर पंचायत के अध्यक्ष अंजना सिंघल आदि आदि सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर सांसद को शुभकामनाएं दी।

नशा रोकने का डेरा अनुयायियों ने गुलाबी नगरी जयपुर में बजाया बिगुल

सत्संग भंडारे में पहुंचे लाखों श्रद्धालु, सत्संग पंडाल, ट्रैफिक ग्राउंड छोटे पड़े

प्रवीन शर्मा। जयपुर

जयपुर में सत्संग भंडारे में पहुंची साध-संगत।

राजस्थान की राजधानी जयपुर एक बार फिर गुरु प्रेम, गुरु भक्ति और डेरा सच्चा सौदा द्वारा नशा रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान का साक्षी बना। अवसर था डेरा सच्चा सौदा के पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के 33वें पवित्र गुरु गद्दीनशीनी माह (महा परोपकार) के शुभ सत्संग भंडारे कार्यक्रम का। जिसमें राजस्थान के जयपुर जोन से लाखों की संख्या में साध-संगत ने शिरकत कर गुरु महिमा का गुणगान किया।

राजस्थान आवासन मंडल ग्राउंड, अरावली मार्ग, वीटी रोड शिप्रा पथ थाने के सामने मानसरोवर जयपुर में करीब 11 बजे धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा लगाकर सत्संग भंडारे कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सत्संग भंडारे कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची लाखों की तादाद में साध-संगत के लिए स्थानीय श्रद्धालुओं की ओर से व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए। साध-संगत के उमड़े प्रेम के आगे सारे प्रबंध छोटे पड़ गए। कार्यक्रम की शुरूआत से पहले ही मुख्य पंडाल साध-संगत से खचाखच भर गए।

बाद में सड़क किनारों खड़े होकर अनुयायियों ने सत्संग कार्यक्रम का लाभ उठाया। जयपुर के राजस्थान आवासन मंडल ग्राउंड, अरावली मार्ग, वीटी रोड शिप्रा पथ थाने के सामने मानसरोवर में आयोजित नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम के दौरान डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत द्वारा किए जा रहे 159 मानवता भलाई कार्यों को गति देते हुए फूड बैंक मुहिम के तहत 33 अति जरूरतमंद परिवारों को राशन की किटें वितरित की गई। इस दौरान पूज्य गुरु जी द्वारा भेजी गई 17वीं चिट्ठी को साध-संगत के समक्ष पढ़कर सुनाया गया, जिसे सुनकर साध-संगत भाव-विभोर हो गई।

85 मैंबर गुरसेवक इन्सां ने उपस्थित साध-संगत को सत्संग भंडारे की बधाई देते हुए कहा कि सतगुरु जी के प्रति जो प्यार है, वैराग्य है, वो पूरी दुनिया देख रही है। फसली सीजन के बावजूद भी लाखों की संख्या में आज साध-संगत सत्संग भंडारे कार्यक्रम में अपने सतगुरु जी से रहमतों को लुटने आई है, खुशियां लेने आई है, यह बहुत बड़ी बात है। सत्संग भंडारे कार्यक्रम के दौरान डेरा सच्चा सौदा द्वारा पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पावन शिक्षाओं पर चलते हुए किए जा रहे 159 मानवता भलाई कार्यों में शामिल 29वें कार्य स्वच्छता अभियान से संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई, जिससे लोगों को अपने आस-पास सफाई रखने के लिए जागरूक किया गया। बता दें कि डेरा सच्चा सौदा की दूसरी पातशाही परम पिता शाह सतनाम जी महाराज ने 23 सितंबर 1990 को पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां को पावन गुरु गद्दी की बख्शीश की थी। इसलिए इस महीने को डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत पावन महा परोपकार माह के रूप में मनाती है और आज रविवार को जयपुर में राजस्थान प्रदेश की साध-संगत इसे पावन महा परोपकार माह के सत्संग भंडारे के रूप में मना रही है।

स्वच्छता की जिम्मेदारी सभी नागरिकों को समझने की जरूरत: नवीन गोयल

सेक्टर-4 में की सफाई अभियान की शुरुआत

गुरुग्राम। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गुरुग्राम में पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल ने सेक्टर-4 में सफाई अभियान की शुरुआत की। यहां कैनकॉन एन्कलेव में उन्होंने झाड़ू लगाकर सफाई अभियान शुरू करके लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने फिर दोहराया कि अपने गुरुग्राम को सफाई के मामले में देश के टॉप-10 शहरों में हमें लेकर आना है। यह संकल्प तभी पूरी होगा, जब इसमें जनभागीदारी होगी।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष विपिन चौधरी, एसएस रेजीडेंसी से प्रधान विक्रम शर्मा, राकेश मेहता, सुरेंदर पंवार, सुभाष चंद्र वर्मा, अरुण चड्डा, अमन आहूजा, संकेत बंसल, विद्यानंद नूनीवाल, गौरव शर्मा, इदरीश शर्मा, इंदरजीत नंदा, सत्यनारायण अग्रवाल व सभी केनकॉन एन्क्लेव वासियों ने मिलकर श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान में सहभागिता की।

नवीन गोयल ने आमजन से अपील की कि हमें सार्वजनिक स्थलों को गंदा नहीं करना चाहिए। अगर गंदे हो गये हैं तो हमें साफ करना चाहिए। इस जिम्मेदारी को सभी नागरिकों को समझने की आवश्यकता है। हमें हमारी सोच को बदलने की आवश्यकता है।

सकारात्मक सोचे से ही हम अपने शहर, देश को स्वच्छ रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से स्वच्छता संसाधन और प्रयास तब तक अधिक प्रभावशाली नहीं होगें, जब तक कि हम अपनी यह सोच नहीं बनाते कि पूरा देश हमारे घर की तरह है। हमें इसे स्वच्छ रखना है। हमें यह समझने की जरुरत है कि अपना शहर, देश घर की तरह होता है।

जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी ने यश भरवानी को 7वें अध्यक्ष के रूप में चुना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

साठ साल पुरानी प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी (जेएनएचटीएस) ने यश भारवानी को अपने 7वें अध्यक्ष के रूप में चुना है। यश भरवानी सोसायटी के संस्थापक श्री इंदर मोहन कपूर जी के पोते हैं। जेएनएचटीएस को प्रतिष्ठित नेहरू सीनियर हॉकी टूर्नामेंट के लिए जाना जाता है, जिसने जफर इकबाल, अजीत पाल सिंह, परगट सिंह और यहां तक कि भारतीय हॉकी टीम के वर्तमान कप्तान मनप्रीत सिंह जैसी दिग्गज प्रतिभाओं को देश को दिया है। जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी का गठन 1964 में पंडित नेहरू की स्मृति में श्री इंद्र मोहन कपूर जी और देश भर के अन्य प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा किया गया था।

यश भरवानी दिग्गजों और सोसायटी के पूर्व अध्यक्षों; ए.के. सेन, वाई.बी. चव्हाण, शरद पवार, राम निवास मिर्धा, अरुण यादव और सुभाष कपूर की विरासत को आगे बढ़ायेंगे। वह हैदराबाद स्थित गुंचा ग्रुप के कार्यकारी निदेशक हैं। गुंचा ग्रुप ने 57वें सीनियर टूर्नामेंट का सह-निष्पादन किया है और हाल ही में भव्य टूर्नामेंट के लिए 5 साल का प्रायोजन समझौता भी किया है।

अध्यक्ष चुनने हेतु नई दिल्ली में एक समारोह का आयोजन किया गया था, जहा यश भारवानी को सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। वह दो साल की अवधि के लिए सोसायटी के अध्यक्ष पद पर रहेंगे। इस अवसर पर दिल्ली के जाने-माने लोग शामिल हुए, जिनमें - जनरल विजय कुमार सिंह (मा. नागरिक उड्डयन, सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री, भारत सरकार) बतौर मुख्यातिथि उपस्थित थे। उनके अतिरिक्त कुकू वालिया (महासचिव, जेएनएचटीएस), पिंकी आनंद (भारत के पूर्व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल), गीता लूथरा (वरिष्ठ वकील, सुप्रीम कोर्ट), डॉ. हर्ष पाठक (वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट), दिलीप चेनॉय (कॉर्पोरेट थिंक टैंक और फिक्की के पूर्व महासचिव), अजीत पाल सिंह (अर्जुन पुरस्कार विजेता और पद्म श्री ओलंपियन), गुरबक्स सिंह (ओलंपियन), अनवर खान (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी), अनुपम गुलाटी (अनुभवी कमेंटेटर) और हंस पाल मौजूद थे।

ब्रांड स्टोरी ने मुख्य अतिथि मुख्तार श्री अब्बास नकवी के साथ शानदार भारतीय ब्रांड और लीडरशिप कॉन्क्लेव 2023 की मेजबानी की

नई दिल्ली। ब्रांड स्टोरी, ब्रांडिंग और नेतृत्व में अंतर्दृष्टि के लिए एक अग्रणी मंच, ने भारतीय ब्रांड और लीडरशिप कॉन्क्लेव 2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सम्मानित मुख्य अतिथि, श्री मुख्तार अब्बास नकवी, पूर्व कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार और वरिष्ठ भाजपा नेता की उपस्थिति देखी गई।, जिन्होंने भारत के विकास और सफलता पर एक प्रेरणादायक मुख्य भाषण दिया, जिसमें अगली वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में इसके मार्ग पर जोर दिया गया। कॉन्क्लेव में ब्रिक्स सीसीआई के उपाध्यक्ष समीप शास्त्री, नॉलेज सॉवरेन्टी के सचिव और भाजपा के पूर्व प्रवक्ता विनीत गोयनका, बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हयाद्री, ब्रिक्स सीसी के उपाध्यक्ष समीप शास्त्री, ब्रिक्स सीसी के उपाध्यक्ष शिबानी कश्यप बॉलीवुड सहित विशिष्ट अतिथि भी शामिल हुए। सम्मानित अतिथि के रूप में गायक कॉन्क्लेव के भागीदार

अन्नपूर्णा फाइनेंस के निदेशक श्री दिब्यज्योति पटनायक ने कहा कि इस तरह के प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में भागीदार बनना एक बड़े सम्मान की बात है। कॉन्क्लेव में नवीनतम रुझानों और नवाचारों से लेकर भारत की विकास क्षमता कह्यो उजागर करने तक कई विषयों पर चर्चा की गई। प्रभावी नेतृत्व के लिए आवश्यक गुणों की खोज के साथ-साथ कौशल, समावेशिता, विविधता और स्वचालन सहित काम के भविष्य पर भी चर्चा हुई। कॉन्क्लेव का एक मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह था, जहां देश के प्रमुख ब्रांडों को उनके अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इंडियन ब्रांड एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव 2023 में ब्रांडों की सूची में कई शामिल हैं।

आर्टेमिस अस्पताल द्वारा एनुअल न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम की मेजबानी में चार दिवसीय एनुअल न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट (एएनसीयू) 2023 का आयोजन किया गया है। चार दिवसीय यह न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसायटी ऑफ इंडिया का फ्लैगशिप इवेंट है, जिसने न्यूरोक्रिटिकल केयर के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है।

इस बार के आयोजन की थीम, 'इमर्जिंग डायमेंशंस इन न्यूरो इंटेंसिव केयर: रीफ्रेमिंग द रिलेशनशिप' रखी गयी है। आयोजन के दौरान न्यूरो आईसीयू की गंभीर परिस्थितियों से ठीक हुए मरीजों को गुरुग्राम के कमिश्नर श्री रमेश चंद बिधान (आईएएस) द्वारा प्रतिष्ठित गोल्डन वॉरियर अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। एएनसीयू 2023 में लोगों के जुझारूपन और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के समर्पण पर फोकस किया गया। गोल्डन वारियर्स ऐसे मरीज हैं, जो सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण न्यूरोक्रिटिकल केयर से ठीक होकर बाहर निकले हैं। कभी वेंटिलेटर्स पर रहे ये वारियर्स आज सामान्य जीवन जीने में सक्षम हैं। सम्मानित वॉरियर्स में दीपक कुमार, रमा गुप्ता, शिल्पा धमेजा, वन्दना सिन्हा, दिव्यम, प्रदीप सिंह और आशु सागर उपस्थित थे। जिन्होंने अपनी बीमारी, ईलाज और सफलता पूर्वक वापस जीवन में आने की सकात्मक बातें साझा की। सभी ने आर्टेमिस अस्पताल के डॉक्टर सौरभ आनन्द और उनकी टीम का शुक्रिया अदा किया। आर्टेमिस अस्पताल के न्यूरो एनेस्थीसिया एवं न्यूरो क्रिटिकल केयर के प्रमुख डॉ. सौरभ आनंद ने कहा कि एएनसीयू 2023 एक कॉन्फ्रेंस ही नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव भी है। उन्होंने कहा कांफ्रेंस के पहले दिन आठ वर्कशॉक की गई हैं, जिनमें एक कैडेवरिक वर्कशॉप हुई है, यानि कि डेडबॉडीज़ का इस्तेमाल करके, इंजेक्शन कैसे लगाते है की डॉक्टर्स को जानकारी दी गई है।

अवैध रूप से शराब परोसने व फ्लेवर हुक्के रखने वाला आरोपी कैफे संचालक काबू

गुरुग्राम के गांव बादशाहपुर के पास गैरतपुर बास पंडाला में जंगल कैफे पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस।

गुरुग्राम। बादशाहपुर थाना के अंतर्गत गैरतपुर बास पंडाला में शनिवार की रात को गश्त के दौरान पुलिस ने जंगल कैफे में बिना लाइसेंस के शराब पिलाने की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान मौके पर अवैध रूप से शराब परोसी जा रही थी। साथ ही हुक्के का सेवन कराया जा रहा था, जो कि बैन किया जा चुका है।

पुलिस ने जंगल कैफे के मालिक अशोक कुमार से शराब व हुक्का पिलाने का वैध लाइसेंस मांगा तो वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सकता। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कैफे मालिक/संचालक द्वारा अवैध रूप से शराब पिलाने, फ्लेवर्ड हुक्का रखने तथा आने-जाने वाले व्यक्तियों के रिकॉर्ड से संबंधित रजिस्टर में एंट्री सुनिश्चित नहीं रखने पर कैफे मालिक के खिलाफ थाना बादशाहपुर में सिगरेट एंड अन्य तम्बाकू प्रोडक्ट अधिनियम में केस दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हरियाणा की इस नन्हीं सी छोरी में पूरा दम सै

रिजवान कासिम। मेवात

हरियाणा के नूंह जिले के गुलालता गांव में साढ़े 6 वर्ष की आलिया बड़े-बड़े धावकों को हराकर मेडल पर कब्जा कर चुकी है। उम्र भले ही कम हो लेकिन मेवात की इस छोरी में पूरा दम है । सपने भी बड़े हैं। अपने नाम को रोशन करने के साथ – साथ देश के लिए गोल्ड मेडल लाने की तैयारी में जुटी हुई है।

बता दें कि बेटियां बेटों से कम नहीं हैं । यह कहावत आम है। यह कहावत हरियाणा के नूंह जिले के गुलालता गांव में सच साबित हो रही है। जहां पर एक साढ़े 6 वर्ष की आलिया कई बार रेस कंपटीशन में इंटरनेशनल धावकों को हराकर मेडल अपने नाम कर चुकी है। आलिया ने मेवात में भी दर्जनों मेडल, ट्रॉफी अपने नाम किए हैं। आलिया को देखने के लिए दूसरे राज्य से भी लोग उनके निवास पहुंचते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं। आलिया ने बताया कि वह 2 साल की थी, तब से रेस करती आ रही है। उनकी कोचिंग उनका चाचा जफर पहलवान कराता है, जो उन्हें गोल्ड मेडल के लिए तैयार कर रहा है। आलिया ने बताया कि मैं आगे चलकर भारत देश के लिए गोल्ड मेडल लाना चाहती हूं। वहीं आलिया के कोच जफर पहलवान ने कहा कि आलिया बहुत छोटी थी, तब से रेस करती आ रही है। इन्होंने कई मशहूर जैसा कि गुंजन हरियाणा, खुशी जोधपुर जैसे रेसर को हराया है और मेडल अपने नाम किए हैं। उन्होंने कहा कि मैं उनकी तैयारी करा रहा हूं।

अभी इनकी उम्र बहुत कम है, आगे चलकर भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेवात के लोग आलिया से प्रेरणा ले अपने बच्चों को खेल कूद के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जहां बेटियों से कम उम्मीद की जाती है, लेकिन हम बेटों से ज्यादा बेटियों पर भरोसा रखते हैं और यह हमें सच साबित हुआ और आगे भी होगा। ये नन्ही धाविका बिना किसी स्टेडियम और बिना किसी सरकारी कोच के ही सब पर भारी पड़ती है। इस धाविका के हौसले से लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब यह मेवाती छोरी इतिहास में अपना नाम दर्ज कराएगी। आलिया नाम की यह धाकड़ मेवाती छोरी सुबह - शाम रोजाना एक - एक घंटे दौड़ लगाती है। दूध, दही, घी, बादाम पहलवानों की तरह खाती है। किसी स्टेडियम में नहीं बल्कि गांव की सड़क पर ही रेस लगाती है। आलिया के हुनर की वजह से गांव गुलालता के लोगों ने कई बार गांव में रेस प्रतियोगिता भी कराई। उसी प्रतियोगिता में वर्ष 2022 में गुंजन हरियाणा और वर्ष 2023 में खुशी जोधपुर को दौड़ में पछाड़ दिया था।

संक्षिप्त समाचार

लगातार दूसरी बार राजकुमार प्रजापति सम्मानित हुए

मेवात। रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम राष्ट्रीय वॉलिंटियर रक्तदान दिवस पर खेड़ा खलीलपुर निवासी राजकुमार प्रजापति को उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों, लगातार रक्तदान एवं रक्तदान के लिए लोगों को जागरूक करके रक्तदान शिविरों का आयोजन करवाने के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूथ रेड क्रॉस, पंडित भगवत दयाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस रोहतक, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक, आईएसबीटीआई हरियाणा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक संस्थाओं और महाविद्यालय के प्रतिनिधियों तो उनके द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में अपने अनुभव लोगों के साथ साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के कुलपति राजवीर सिंह, प्रांत प्रचारक विजय कुमार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा और अतिथि प्रोफेसर डॉक्टर गजेंद्र सिंह, डॉ सतीश कुंडू, प्रोफेसर डॉक्टर अंजु धीमान ने सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया अब बताया कि रक्तदान महादान है हम सबको मिलकर लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक करना चाहिए। राजकुमार प्रजापति लगभग एक दशक से मेवात में सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राजकुमार प्रजापति अभी सामाजिक संस्था कैरितास इंडिया के जुड़कर दिव्यांगजनों के अधिकारों के लिए कार्य कर रहे हैं। इसके साथ-साथ वह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य है और मेवात में समय-समय पर रक्तदान शिविरो आयोजन करवाते हैं। वो अब तक 19 बार रक्तदान कर चुके हैं। इस सम्मान के लिए राजकुमार प्रजापति ने रेड क्रॉस सोसाइटी नूह के सचिव वाजिद अली, जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक, नरेश डागर, मेवात की आयरन लेडी मीना ठाकुर और अंतराम खटाना वरिष्ठ पत्रकार एवं सरपंच का आभार व्यक्त किया। उनकी इस उपलब्धि को लेकर मेवात के सामाजिक लोगों और उनके ग्राम खेड़ा खलीलपुर के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से युवक घायल

तावडू। उपमंडल के गांव रहाडी में बांध वाले रास्ते पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से युवक के घायल होने का मामला सामने आया है। जिसे गंभीर हालत में रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया। पुलिस ने नामजद मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जयसिंहपुर थाना सदर नूंह के रहने वाले वसीम जाफर ने बताया कि बीते 15 सितंबर शाम चार बजे के करीब वह रिश्तेदार जुल्फी के साथ बांध वाले रास्ते से पैदल चलकर जा रहे थे।इसी दौरान गांव रहाडी की ओर से एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आई जिसे रहाडी निवासी जैकम चला रहे थे। जिसने जुल्फी को पीछे से टक्कर मार दी। थोड़ी देर रुकने के बाद मौके से फरार हो गया घायल जुल्फी को नगर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां से सरकारी अस्पताल के लिए भेजा, फिर रोहतक पीजीआई के लिए रैफर कर दिया गया। पीड़ित ने बताया कि अब तक रिश्तेदार का उपचार कराने में व्यस्त था। पुलिस ने आरोपी मोटरसाइकिल चालक जैकम के खिलाफ के केस दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

स्वंयसेवको ने चलाया सफाई अभियान

नूंह। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूंह द्वितीय नजदीक गांधी पार्क द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना तथा एनसीसी विंग द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल मुख्य द्वार से तावडू बाईपास नूंह तक झाडू लगाकर साफ सफाई की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर किया गया है। उन्होंने कहा स्कूल के काफी छात्राओं ने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा यह बहुत ही शुभ अवसर है जिस पर साफ सफाई का कार्यक्रम पूरे देश में किया जा रहा है। इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर वैभव गुप्ता, एनसीसी कोऑर्डिनेटर शाह आलम, नफीस अहमद चंदेनी, रवि कुमार इरशाद, पिंकी, गीता, सरजीना, रामप्यारी राकेश तथा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से समीर कुमार, समग्र शिक्षा विभाग के अभियंता फैसल खान सहित सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

21 वार्डों में 102 कर्मचारियों से सफाई करते हुए चलाया अभियान

सोहना। नगर परिषद ने रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हुए सभी 21 वार्डों में सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में 102 सफाई कर्मियों ने अलग-अलग वार्ड में सफाई करते हुए स्वच्छता पखवाड़े को सफल बनाने में सहयोग दिया। नगर परिषद द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा अभियान में रविवार को एक साथ सभी 21 वार्डों में सफाई कराई। रविवार को 102 सफाई कर्मियों को सफाई में लगाते हुए प्रत्येक वार्ड की तंग गली से लेकर आम रास्ते, सड़क, चौक-चौराहे, चौपाल, सामुदायिक भवन आदि की सफाई कराई गई। इस अभियान को राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की जयंति के अवसर पर सोमवार को पूरी तरह से सफल बनाया जाएगा। सफाई कर्मियों को अपने सोमवार को नगर परिषद की तरफसे प्रत्येक वार्ड में सफाई करते हुए कर्मचारी आम लोगों को भी अपने आस पास गंदगी न फैलने देने से लेकर नालियों में कूड़ा कचरा न फेंकना, कूड़े को कूड़ेदान तक पहुंचाना के प्रति जागरुक किया जाएगा। प्लास्टिक पोलीथिन बैग का उपयोग न करने की जानकारी भी देंगे। पोलीथिन में घर का कचरा भरकर खुले में न फेंकने की जानकारी देंगे। ताकि आवारा घूमने वाली गाय इन्हें भोजन के लालच में न खाए। सफाई कर्मियों को उनके कर्तव्य और कार्य के प्रति जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया जा रहा है। कार्य में कोताही बरतने वाले कर्मचारी के खिलाफविभागीय कार्रवाही करने की चेतावनी दी गई है। (सतेन्द्र सिंह-सफाई इंस्पेक्टर नप)

नपा कर्मचारियों ने लोगों के साथ चलाया सफाई अभियान

फिरोजपुर झिरका। श्रमदान से बड़ा कोई दान नहीं है ,राष्ट्रीय व्यापी श्रमदान दिवस को लेकर शहर के हर गली मोहल्ले में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें शहर के पार्षदों के साथ हर वार्ड के निवासियों द्वारा भरपूर योगदान दिया जा रहा है। उक्त बातें फिरोजपुर झिरका कनिष्ठ अभियंता परवेज खान ने दी। कनिष्ठ अभियंता परवेज खान ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से आमजन के सहयोग से जिला नूंह के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से एक घंटे का श्रमदान करने का आह्वान किया है।

रामलीला मैदान की पेंशन शंखनाद रैली में जिले से पहुंचे हजारों कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

पुरानी पेंशन बहाली के लिए राष्ट्रीय स्तर की पेंशन शंखनाद रैली में राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल के आह्वान पर नूंह जिले से विभिन्न विभागों के हजारों कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला प्रधान मुनशेद खान एवम जिला महासचिव राजेंद्र छीपा के नेतृत्व में यात्रा के लिए बसों और निजी वाहनों से साथियों के दल को रवाना किया। कर्मचारियों ने एकजुटता से नारों के साथ केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ़ जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी , अगर सरकार समय रहते सचेत नहीं हुई तो सरकार को सता से दूर होना पड़ेगा।

कर्मचारियों ने नारे लगाते हुए कहा कि जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है। एक ही मांग, एक ही नारा पुरानी पेंशन अधिकार हमारा। रैली को मुख्य वक्ता पेंशन पुरुष विजय कुमार बंधु के साथ राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल, अलग अलग राज्यों के प्रधानों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संबोधित किया। पेंशन शंखनाद रैली में शंख की आवाज के साथ सोई हुई सरकार के लिए परेशानी बनती दिख रही हैं। रैली के दौरान पेंशन के जोशीले नारों पर जिले के कर्मचारी झूमते देखे गए। रैली में नारों के केंद्र सरकार को पेंशन बहाली के लिए इशारा किया। रामलीला मैदान के ऐतिहासिक ग्राउंड में लाखों की संख्या पहुंचने से ग्राउंड में बैठने को जगह नहीं बची। इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों के पहुंचने से सरकार की खुफिया एजेंसी भी पुरी तरह सतर्क रही। दिल्ली में सड़के और मेट्रो स्टेशन पर पेंशन पीड़ित कर्मचारियों की भारी भीड़ के कारण जाम की स्थिति बनी रही। इस राष्ट्रीय स्तर की रैली के हरियाणा के जींद में भी एक राज्य स्तर की रैली का अयोजन किया जायेगा जो हरियाणा सरकार को होश में लाने का काम करेगी।मेडीकल कॉलेज नलहर से राजेन्द्र छीपा के नेतृत्व में नर्सिंग स्टॉफ शामिल हुए।

महिला विंग प्रधान राजो देवी और दीप्ति के नेतृत्व में मातृशक्ति शामिल रही। रैली में राज्य कार्यकारिणी सदस्य डॉ संजय खेड़ला, जिला संयोजक दिनेश गोयल, फिरोजपुर झिरका खंड प्रधान सुनिल कुमार, सुरेश, नगीना खंड प्रधान बसरू, तावडू खंड प्रधान रेवती रमण, जयसिंह, नूंह खंड प्रधान मास्टर ओमवीर, परवेज, इरशाद, राजेश, मनीष जैन, सुमित गर्ग, ज्यपाल आर्य, तैय्यब, त्रिलोक, अरशद, डॉ जुनेद, सज्जन, हारून, जाकिर सेहरवात प्रधान आकेड़ा, जुबेर, शाकिर आकेड़ा,नरेश, सुरेश आईटीआई, रमेश, बिहारी लाल, हरिराम, बनवारी लाल, महेंद्र, नंदलाल, परवीन, संतलाल, रवि सहित अन्य शामिल हुए।

जैन समाज के लोगों ने धूमधाम के साथ निकली धार्मिक रथयात्रा

झिरका। पिछले कई महीनों से चल रहे जैन समाज द्वारा चातुर्मास एवं दस लक्षण पर्व को लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसी क्रम में जैन समुदाय के लोगों ने दो श्वेत घोड़े से सुसज्जित लकड़ी से निर्मित रथ पर श्रीजी को विराजमान किया गया। इसके अलावा लकड़ी से निर्मित एक विशाल हाथी पर एक छोटा बच्चा जैन समाज का मुख्य ग्रंथ जिनवाणी का वाचन करता नजर आया। यह शोभायात्रा गढ़ अंदर के मुख्य चंद्र प्रभु भगवान के मंदिर से शुरू होकर हिंदुस्तान के मशहूर बैंड बाजे के साथ शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए निकली। जिसमें जैन समाज के सभी श्रद्धालु जैन भजनों पर नाचते गाते नजर आए और उसके साथ डांडिया भी खेलते नजर आए। धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन पर जगह-जगह जैन समाज के लोगों ने श्रीजी भगवान की आरती की और इस विशाल रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया, जिसमें धर्म प्रेमियों में फल फ्रूट, आइसक्रीम वितरित की।

पत्नी के साथ अश्लील हरकत का विरोध करना पति को पड़ा भारी

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

दबंगों ने धारदार हथियार से वार कर किया घायल

उपमंडल के गांव पचगांव में एक महिला के साथ अश्लील करने का विरोध करने पर दबंगों द्वारा महिला के पति पर धारदार से वार कर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आठ नामजद के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। वहीं मामले में अश्लील हरकत के आरापों को नकारते हुए एक नाली को लेकर विवाद होना बताया है।

पचगांव के रहने वाले ज्ञानचंद ने बताया कि बीते 22 सितंबर की शाम पुत्रवधू घर के बाहर नाली साफ कर रही थी। आरोप है कि तभी वहां पर दो पड़ोसी युवक आए जिन्होंने पुत्रवधू के साथ जबरदस्ती करते हुए अश्लील हरकतें करना शुरू कर दी। पुत्रवधू ने शोर मचाया, बेटा बचाव में पहुंचा तो उसपर धारदार हथियार से हमला कर बेहोश कर दिया गया। परिवार के अन्य सदस्य भी बचाव में पहुंचे तो उनपर भी हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित ने बताया कि हमले में बेटा,पत्नी और पुत्रवधू गंभीर रूप से घायल हुई। मारपीट कर सभी हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायलों को तावडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया,जहां से नलहड़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया, गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई में रेफर किया गया। अभी तक सभी घायल उपचाराधीन है। पीड़ित ज्ञानचंद के बयान पर सदर थाना पुलिस ने लालचंद, दिलीप, अजय, दिनेश, विजय, परवीन,मंजू और ममता के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।साथ ही पुलिस ने अपनी जांच बताया है कि पीड़ित की पुत्रवधू के साथ किसी प्रकार की छेड़खानी व अश्लील हरकत नहीं हुई थी।

पंजाबी समुदाय का हाथ हमेशा कांग्रेस के साथ: कैप्टन अजय यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के अर्जुन नगर में बैठक को संबोधित करते पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव व साथ में उपस्थित वरिष्ठ नेता पंकज डावर।

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने रविवार को अर्जुन नगर के श्री दुर्गा मंदिर परिसर में पंजाबी समुदाय के लोगों के साथ बैठक की। बैठक का आयोजन सुनील प्रकाश वर्मा के नेतृत्व में किया गया।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि पंजाबी समुदाय का हाथ हमेशा ही कांग्रेस के साथ रहा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि आज गुरुग्राम विधानसभा सबसे ज्यादा राजस्व प्रदेश को दे रहा है। बावजूद इसके गुरुग्राम विधानसभा के लिए इस सरकार ने कुछ भी नहीं किया। युवाओं को रोजगार देने का काम यह सरकार नहीं कर पाई। बुजुर्गों की पेंशन हो या अन्य कार्य यह सरकार एक भी ऐसा कार्य नहीं बता सकती जो यहां के लोगों के लिए किया गया हो। यहां के लोगों के लिए जो विकास कार्य कांग्रेस सरकार में हुए थे। नौ सालों में सरकार ने एक ईंट भी नहीं रखी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में सभी वर्ग और सभी समुदाय के लोग इस सरकार की नीतियों से परेशान है। इसलिए अब प्रदेश की जनता आगामी सरकार किसी भी हाल में कांग्रेस की बनाना चाहते हैं।

चौधरी धर्मवीर गाबा के योगदान को भूल नहीं सकते: पंकज डावर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने कहा कि इस विधानसभा के लोगों ने कांग्रेस का जो साथ दिया और जो मान सम्मान दिया, उसी की बदौलत चौधरी धर्मवीर गाबा यहां से चार बार विधायक बने और प्रदेश में मंत्री भी बनाए गए। उनकी नीतियों और उनके कार्यों की बदौलत ही गुरुग्राम विधानसभा का पूरे प्रदेश में सबसे अधिक विकास हुआ। गुरुग्राम में चौधरी धर्मवीर गाबा के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

बीएसएफ और दुकानदार से फर्जीवाड़ा करते हुए साइबर अपराधी ने नकदी ठगी

सोहना। बीएसएफ95 बैटालियन में तैनात असम मूल के जवान के साथ साइबर क्राइम अपराधी ने चिटिंग करते हुए बैंक खाते से 67 हजार रुपये निकाल लिए। भोंडसी थाना पुलिस ने जवान की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

असम मूल के निवासी बबलू दास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने उसके ऑट स्टाट के माध्यम से 31 जुलाई को एक प्लान आया था। जिसको उसने ओके करते हुए 149 रुपये मासिक नकदी कटवाने वाली स्कीम को ले लिया। लेकिन उसके मोबाइल नंबर 9707741967 पर 7908217374 से कॉल आई थी। जिसके बताए गए नियमों को वह अपने मोबाइल फेन में पालन करता चला गया। कुछ दिन के बाद से उसके बैंक खाते से पहली बार 48997 रुपये कट गए।

गुरुग्राम की कई आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने डीसी आवास पर किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

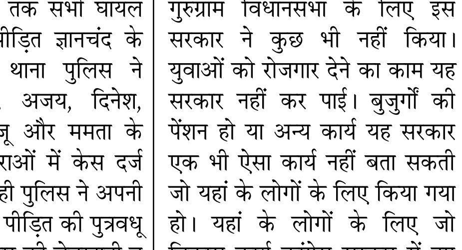
गुरुग्राम में डीसी आवास पर प्रदर्शन करते विभिन्न सोसायटी की आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी।

हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम 2012 के तहत पंजीकृत हजारों रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री का रजिस्ट्रार जनरल सोसाइटीज चंडीगढ़, स्टेट रजिस्ट्रार सोसाइटीज चंडीगढ़ और जिला रजिस्ट्रार सोसाइटीज गुरुग्राम के कार्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शन किया। सिविल लाइन में स्वतंत्रता सेनानी हॉल से उपायुक्त निवास तक विरोध मार्च निकाला।

प्रदर्शन कर रहे गुड़गांव ग्रीन्स सेक्टर-102 की आरडब्ल्यूए के प्रेजीडेंट संदीप फोगाट, अडानी ओएस्टर ग्रांड के प्रेजीडेंट कर्नल हरिभगवान राहर, सत्या हरमिटेज से बृजकिशोर, रहेजा वेदांता से अजीत सिंह, पालम विहार से कर्नल सुहाग, एटीएस ट्रम्प से नवदीप सिंह, इंडिया बुल्स सेंट्रम पार्क से अश्वनी, बीपीटीपी से जितेंद्र सिंह राजपूत, सनसिटी 102 से कपिल भारद्वाज, ग्रैंड आईवीए से पवन और कंसस्पिएट वन से हरिंदर सिंह ने कहा कि इन कार्यालयों में विशेषकर गुरुग्राम जिले के मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का व्यापक राजनीतिक हस्तक्षेप है। इन कार्यालयों में लोगों को अपनी याचिकाओं पर तारीख पर तारीख मिल रही है और इन कार्यालयों में हजारों शिकायतें वर्षों से लंबित हैं।

जिला रजिस्ट्रार सोसायटी गुरुग्राम का कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा है। यहां बिचौलियों के बिना कोई काम नहीं होता। इन कार्यालयों में अधिकारी मनमाने ढंग से और एचआरआरएस अधिनियम 2012 के दायरे से परे याचिकाओं पर निर्णय ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त इन आरडब्ल्यूए को दैनिक आधार पर कई गंभीर चिंताओं का सामना करना पड़ता है। कई आरडब्ल्यूए द्वारा विभिन्न प्लेटफार्मों पर इन मुद्दों को उजागर करने के प्रयासों के बावजूद, हमारी दलीलें अनसुनी कर दी गई हैं। पिछले साल मुख्यमंत्री ने 29 अप्रैल 2022 को गुरुग्राम में सेवोकॉन का आयोजन किया था। 60 दिनों के भीतर नीति में संशोधन और प्रकाशन करने का वादा किया था। साथ ही गुरुग्राम में दो जिला रजिस्ट्रार की नियुक्ति का भी वादा किया था। आज डेढ़ साल बाद कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने आरडब्ल्यूए और सोसायटी के सदस्यों के बीच आपसी विवादों को सुलझाने के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की भी घोषणा की।

वाहन का पंजीकरण नंबर को फास्टैग से जोड़ने वाले का बनेगा मासिक पास

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

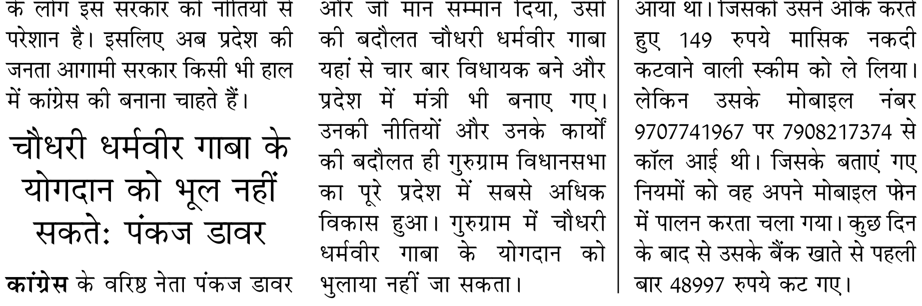

गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर घामडौज में बना एनएचएआई टोल प्लाजा पर आने वाले वाहनों को अपना फास्टैग पंजीकरण नंबर से जोड़ने का ही मासिक पास बनेगा। वाहनों को फास्टैग और पंजीकरण नंबर से जोड़ने के लिए एक माह का समय दिया गया है।

घामडौज टोल प्लाजा पर आने वाले वाहनों को अब एनएचएआई के नये नियम की पालना करनी होगी। जिसके लिए वाहन चालक को अपना फास्टैग को गाड़ी के पंजीकरण नंबर से जोड़ना होगा। ऐसा न करने वाले वाहना का मासिक पास नहीं बनाया जाएगा। इसके लिए, वाहना चालकों को कड़े निर्देश जारी कर दिए है। वाहन चालक को 31 अक्टूबर से तक यह कार्य करना होगा। अभी वर्तमान समय में फास्ट टैग से जुड़े सभी 95 फीसदी वाहन इंजन नंबर से जुड़े हुए है। जिससे टोल से गुजरते समय कैमरा में गाड़ी का पंजीकरण नंबर ही नजर आता है। अब नंबर माह से प्रत्येक वाहन को अपना फास्ट टैग पंजीकरण नंबर से जुड़ने पर ही टोल पार करना होगा।

फर्जी पहचान पत्रों का खुलासा : हाल ही में एनएचएआई ने घामडौज टोल पर वाहन चालकों द्वारा मासिक पास में किया हुआ फर्जीवाड़ा का खुलासा किया था। जिससे कुछ लोगों ने फर्जी पहचान पत्र तैयार कर लिए थे। जिससे एनएचएआई की साइट का हैग करते हुए मासिक पास में भारी भरकम घोटाला कर दिया था। इस फर्जीवाड़ा को पूर्ण रुप से रोक लगाने में टोल कर्मियों को एक से डेढ माह का समय लगा है। अभी भी एक दिन में 2 से 3 ऐसे वाहन पकड़ में आ रहे है।

> “टोल प्लाजा पर वाहन चालकों को एक माह का समय देते हुए 31 अक्तूबर तक फास्ट टैग को पंजीकरण से जोड़ने का समय दिया है। गाड़ी के फास्ट टैग से ही मासिक पास को जोड़ दिया जाएगा। जिससे वाहन चालक को मासिक पास की पूरी सुविधा मिलेगी और उसके फास्ट टैग से एक भी पैसा नहीं कटेगा।
> (लखन शर्मा-प्रबंधक घामडौज टोल प्लाजा)

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं।

सांसदी से विधायकी की भाजपायी उलटबांसी

भारतीय जनता पार्टी प्रयोगों के नये दौर से गुजर रही है। दुनिया में नेतृत्व व जनप्रतिनिधित्व का विकास नीचे से ऊपर तरफ होता है। कतिपय अपवादों को छोड़कर अपने कार्यकर्ताओं को ग्राम पंचायत या पार्षद स्तर से विधायकी और फिर वहां से सासंदी का रास्ता दिखलाया जाता है लेकिन भाजपा में उल्टी धारा बह रही है। इसी नवम्बर में जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं उनमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी हैं। दोनों राज्यों के अब तक जितने उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है उनमें अनेक ऐसे हैं जो साफ तौर पर भाजपायी प्रयोग के गिनीपिग बनाये जा रहे हैं। ये सांसद हैं लेकिन उन्हें

विभिन्न विधानसभाई सीटों पर लड़ाया जा रहा है। कुछ तो मंत्री भी हैं।संसद सदस्यों को राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये उतारना साबित करता है कि भाजपा के पास मुद्दों के साथ-साथ चेहरों की भी कमी है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इसके पीछे पार्टी के सर्वेसर्वा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके प्रमुख सहयोगी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुनियोजित चाल हो सकती है। देखना होगा कि यह कदम आत्मघाती साबित होता है या सफलता दिलाएगा।छत्तीसगढ़ की पहले बात कर लें! यहां भाजपा बेहद कमजोर स्थिति में है जहां 90 सीटों वाले सदन में उसके केवल 14 सदस्य हैं। यहां जिन प्रत्याशियों के नामों का ऐलान हो गया है, उनमें दुर्ग से लोकसभा में पहुंचे विजय बघेल को उनके चाचा व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ पाटन क्षेत्र से उतारा गया है। यह सीट दुर्ग की 8 विधानसभा सीटों में से एक है। राज्यसभा के सदस्य रामविचार नेताम सरगुजा क्षेत्र की रामानुजगंज सीट से चुनाव लड़ेंगे। रायपुर (शहर) सीट पर वर्तमान विधायक श्रीचंद सुंदरानी के साथ ही राजधानी के पूर्व महापौर सुनील सोनी का नाम सबसे आगे चल रहा है जो इस वक्त रायपुर के सांसद हैं। बिलासपुर सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले अरूण साव भाजपा के अध्यक्ष हैं जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्हें बिलासपुर विधानसभा सीट से लड़ाया जा सकता है ताकि जीत की स्थिति में (जो वर्तमान परिदृश्य में दूर की कौड़ी है) उनका ओबीसी चेहरा काम आ सके और भूपेश बघेल का यह चुनाव प्रचार के दौरान जवाबी नाम भी हो। छत्तीसगढ़ की पिछले मुख्यमंत्रियों के समय से यह परम्परा बनी है कि जो पार्टी अध्यक्ष बहुमत दिला सके वही सीएम बन सकता है। 2003 में डॉ. रमन सिंह को सीएम पद इसलिये मिला था क्योंकि उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा जीती थी। ऐसे ही, भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कांग्रेस जीती जिसके बाद उनकी इस पद की दावेदारी पर पार्टी हाईकमान की मुहर लगी थी। देखना होगा कि अरूण साव को टिकट थमाई जाती है या नहीं और अगर ऐसा होता है तो क्या साव इस मौके को अपने लिये भुना पायेंगे? छत्तीसगढ़ की केन्द्रीय मंत्रिमंडल में एकमात्र प्रतिनिधि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र की सांसद रेणुका सिंह हैं। क्या उन्हें भी छग में किसी सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये कहा जायेगा? अब तक इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि अभी काफी सीटों पर नाम घोषित होने बकाया हैं।खैर, मध्यप्रदेश का मसला और भी दिलचस्प है। पेचीदा भी। छग में तो भाजपा के पास खोने के लिये कुछ नहीं है परन्तु मप्र में तो पूरी सरकार ही उसकी झोली से सरक सकती है। वैसे भी पिछली बार कांग्रेस की ही सरकार बनी थी। कमलनाथ के नेतृत्व में वह डेढ़ साल चली भी परन्तु ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगुवाई में दर्जन भर से ज्यादा विधायकों को तोड़कर अपने पक्ष में लेते हुए शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी। इस लिहाज से यह पराजित पार्टी की सरकार है। इस बीच सरकार के खिलाफ जन आक्रोश तगड़ा है। वहां तीन तरह की भाजपा बतलाई जाती है- शिवराज की, महाराज की (सिंधिया) और नाराज की (असंतुष्टों की)। यहां पीएम व शाह के लगातार दौरे हो रहे हैं लेकिन हालत सुधरने के नाम नहीं ले रहे हैं। उल्टे, कांग्रेस सतत मजबूत हो रही है। ज्योतिरादित्य के निकटस्थ कई लोग कांग्रेस में लौट चुके हैं।पिछले हफ्ते मोदी जब आये तो उन्होंने मंच पर शिवराज से जो व्यवहार किया तथा सम्बोधन के दौरान उनका नाम तक नहीं लिया, उससे कुछ साफ संकेत मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि चौहान साहब अब मोदी के विश्वासपात्र नहीं रहे।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता के प्रयास

मोदी सरकार ने हाइड्रोकार्बन खोज को काफी नीतिगत समर्थन प्रदान किया है। इससे निवेशकों का अपने निवेश पर लाभ सुनिश्चित हुआ है। सरकार ने नौकरशाही व लाल-फीताशाही बाधायें समाप्त की हैं।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 75वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में देश के समक्ष ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य रखा है। इसके लिए बिजली-संचालित आवागमन तथा हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही गैस-आधारित अर्थव्यवस्था को गति दी जा रही है। मोदी चाहते हैं कि कुल ऊर्जा उपभोग में प्राकृतिक गैस-एनजी का हिस्सा वर्तमान 6 प्रतिशत से बढ़ा कर 15 प्रतिशत किया जाए। वर्तमान समय में भारत अपनी कुल एनजी आवश्यकता का 50 प्रतिशत आयात करता है। इसका कारण यह है कि घरेलू उत्पादन 2020-21 व 2021-22 के बीच 28.6 बिलियन क्यूबिक मीटर-बीसीएम से 34 बीसीएम रहा है, जबकि 2021-11 में यह सर्वाधिक 52 बीसीएम था। भारत को लक्ष्य पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन में तेज वृद्धि को बढ़ावा देना होगा। भारत में 26 सेडीमेंट्री बेसिन-एसबी हैं जो 3.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं।

यहां हाइड्रोकार्बन संसाधनों की तलाश हो सकती है। केवल 6 एसबी में वाणिज्यिक दोहन हो रहा है और वह भी अधिकतम क्षमता से काफी कम है। हाइड्रोकार्बन खोज में बहुत पैसा लगता है और तकनीक-गहन बिजनेस में काफी समय बाद लाभ होता है। गहरे-अत्यधिक गहरे तथा उच्च दबाव व उच्च तापमान ड्रिलिंग क्षेत्रों-डी, यूडी, एचपी, एचटी में कृष्णा-गोदावरी-केजी बेसिन जैसे क्षेत्र आते हैं। लेकिन इन क्षेत्रों का अधिकतम महत्व आरक्षित भंडारों के रूप में है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां-एमएनसी, जैसे इक्सानमोबिल, चेवरान टोटल, आदि के पास तकनीक व संसाधन उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग वे भारतीय हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में दीर्घकालीन निवेश के लिए कर सकती हैं। सरकार ने उनको अपने निवेश पर 'टिकाऊ' आधार पर अच्छे मुनाफे का आश्वासन दिया है। इसके लिए आवश्यक है कि एनजी क्षेत्रों में खोज एवं विकास पर कोई नियामक बाधायें न हों जिससे वे एक उचित समय में उत्पादन शुरू कर सकें तथा वे 'लाभदायक' कीमतों पर गैस 'स्वतंत्र' रूप से बेच सकें। इन सभी तीन क्षेत्रों में एमएनसी को अतीत में बाधाओं का सामना करना पड़ा है। हालिया वर्षों में मोदी सरकार ने इन बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके लिए हमें नियामक परिदृश्य पर गौर करना होगा।

एसबी क्षेत्र का लगभग 50 प्रतिशत क्षेत्र या 1.73 मिलियन वर्ग किलोमीटर आफशोर है। इसमें से अभी हाल तक लगभग 0.69 मिलियन वर्ग किलोमीटर सुरक्षा कारणों से प्रतिबंधित क्षेत्र है। अब सरकार ने 0.67 मिलियन वर्ग किलोमीटर को सेडीमेंट्री आफशोर क्षेत्र घोषित कर दिया है। इससे खोज व उत्पादन-ईएंडपी गतिविधि को काफी बढ़ावा मिलेगा। अब तक ईएंडपी फर्मों को थोड़ समय के लिए पट्टा अधिकार मिलते थे जो गैस-तेल या गैस क्षेत्रों के लिए 10 साल तथा तेल क्षेत्रों के लिए पांच साल थे। इनको पट्टा अवधि विस्तार के लिए नौकरशाही के पास जाना पड़ता था जो दीर्घकालीन निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा थी। अब सरकार ने पट्टा विस्तार की पुरानी व्यवस्था के बजाय आबंटित क्षेत्रों के पूरे आर्थिक जीवन के लिए ईएंडपी अधिकारों की अनुमति दी है जो उपलब्ध संसाधनों और उनकी खोज की गति के आधार पर 30 साल या उससे अधिक हो सकती है। इससे वैश्विक फर्मों को दीर्घकालीन निवेश का अवसर मिलेगा। उनको पहले से पता होगा कि पूरे आर्थिक जीवन के लिए उनको फील्ड में काम करने का अवसर मिलेगा। सरकार ने वन संरक्षण संशोधन विधेयक पास कर दिया है जिसके अनुसार भूकंपीय सर्वेक्षण को गैर-वन गतिविधि नहीं माना जाएगा। जमीन के नीचे हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पता लगाने के लिए इनका प्रयोग किया जाता है। इसका अर्थ है कि खोज करने वालों को वन क्षेत्रों में फौरन पहुंच मिलेगी जिसे परमिट लेने में खर्च होने वाला उनका समय बचेगा। 2017 में हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पालिसी-हेल्प जारी की गई जिसे ओपेन एकरेज लाइसेंसिंग पालिसी-ओल्प भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत ईएंडपी फर्मों को अपनी पसंद का ब्लाक चुनने में सहायता मिलेगी, जबकि 1999 में जारी एनईएलपी नीति के अंतर्गत उनको सरकारी प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ता था। इसके साथ ही ओल्प के अंतर्गत आपरेटर को हाइड्रोकार्बन खोज के लिए कंपोज़िट लाइसेंस मिलता हे, भले ही वे चाहे जिस रूप में हों। उदाहरण के लिए 'शेल गैस' खोज व निकालने के लिए उसे अलग लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी।

लंबे समय से ईएंडपी प्रयासों में जटिल प्रक्रियाओं, अनेक सहमतियों तथा नौकरशाही लाल फीताशाही के कारण बाधायें आती थीं। हर स्थिति पर अनुमति की जरूरत थी, जैसे फील्ड डेवलपमेंट योजना-एफडीपी तैयार करना, इसमें संशोधन करने, अनुबंध के विस्तार, कुंए खोदने, क्षेत्र की वाणिज्यिक क्षमता का पता लगाने, वार्षिक कार्य योजना-एडब्लूपी बनाने, पाइपलाइन बिछाने, उत्पादन की समीक्षा करना, आदि शामिल थे। एनईएलपी के अंतर्गत ब्लाक लेने के लिए फर्म को 37 प्रक्रियाओं का पालन करना होता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'टीम' ने इन प्रक्रियाओं को काफी उदार बनाया है तथा अनुमतियों से नौकरशाही की भूमिका समाप्त की है।

उसने ऐसी 22 प्रक्रियाओं की पहचान की है जिसमें ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का स्वत:-प्रमाणन स्वीकार किया जाता है। इसके साथ ही ब्लाकों की पूर्व-सहमति से अनुमति की व्यवस्था की गई है जिससे सहमति लेने में समय व्यर्थ नहीं होता है। सरकार विवाद समाधान व्यवस्थाओं तथा उत्पादन के लिए वैश्विक रूप से स्वीकृत प्रक्रियायें अपनाने को तैयार है। ओल्प के अंतर्गत 'राजस्व साझा' माडल से आपरेटर को राजस्व के पूर्व-निर्धारित प्रतिशत का भारत सरकार से साझा करने का अवसर मिलता है। यह पहले के एनईएलपी द्वारा निर्धारित उत्पादन साझा अनुबंध-पीएससी से अलग है। इससे फर्म भारत सरकार से मुनाफे का साझा करने से पहले फील्ड में विकास व खोज पर खर्च धन वसूल कर सकती है। इससे पुरानी व्यवस्थ में अनुमतियों का अतिरिक्त स्तर भी समाप्त हुआ है जिसके अंतर्गत हर स्तर पर लागत की आधिकारिक जांच जरूरी थी।

जहां तक एनजी की बिक्री व इससे कमाई का सवाल है, हेल्प-ओल्प के अंतर्गत गैस क्षेत्रों में आपरेटरों को मूल्य निर्धारण व मार्केटिंग की स्वतंत्रता है। यइ ईएंडपी फर्मों के लिए बहुत राहत की बात है कि आबंटित क्षेत्र भी इस नीति के दायरे में आते हैं। इसके साथ ही तथाकथित 149 मार्जिनल फील्ड से सप्लाई में भी मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता है। पहले इनको केन्द्रीय पीएसयू, जैसे ओएनजीसी व आयल को आबंटित किया गया था, पर 2020-21 में इनको निजी क्षेत्र को नीलाम कर दिया गया था। लेकिन तथाकथित लीगेसी क्षेत्र अभी कीमतों व मार्केटिंग के बारे में सरकारी नियंत्रण में हैं जहां से वर्तमान समय में अधिकांश गैस सप्लाई प्राप्त होती है। लीगेसी स्टाफ में ओएनजीसी-आयल 'नामांकन' आधार पर हैं जिनकी व्यवस्था एनईएलपी व एनएलपी-पूर्व ब्लाकों में की गई थी। इस प्रकार मूल्यों की दो सीमायें हैं। 'सामान्य' कीमत किरीट पारिख समिति संस्तुतियों के आधार पर है जो एक अप्रैल, 2023 से लागू है। यह कीमत प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट-बीटीयू आधार पर है। इसमें हर महीने पिछले महीने के भारतीय कच्चे तेल के 10 प्रतिशत को आधार बनाया जाता है। यह कीमत 4-6 डालर प्रति बीटीयू होती है। जटिल क्षेत्रों पर 'प्रीमियम' मूल्य लागू होता है।

तकनीकी रूप से इन क्षेत्रों से निकलने वाली एनजी के मूल्य बाजार-आधारित होते हैं। हालांकि, इस पर भी एक सीमा आरोपित है जिसका संबंध वैकल्पिक ईंधनों, जैसे फ्यूल आयल, नेष्था व आयातित एलएनजी की कीमतों से है। हालांकि, एक समिति ने जटिल गैस क्षेत्रों से निकलने वाली गैस कीमतों को 1 जनवरी, 2026 से वि-नियमित करने की संस्तुति की थी, पर सरकार ने इस पर निर्णय नहीं किया है। नियामक क्षेत्र में काफी उदारीकरण तथा बाकी बाधायें हटाने के बाद अब मोदी सरकार को लीगेसी क्षेत्रों से निकलने वाली की मार्केटिंग व मूल्य सीमा पर लगे नियंत्रण हटाने का तार्किक कदम उठाना चाहिए।

भारत का बदलता परिदृश्य

> "प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है।"

इतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है। किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है। जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों-करोड़ लोगों ने सदियों तक आजादी की एक सुबह का इंतज़ार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आज़ादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आज़ाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं। लिहाजा, यही वह वक्त है, जब हम भविष्य के भारत का ताना-बाना बुनें। हालांकि जब हम सावधानीपूर्वक इस ओर देखें कि देश क्या बन सकता है तो हमें इस तथ्यात्मक तस्वीर को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि भारत का एक गौरवशाली अतीत भी है, न सिर्फ आर्थिक समृद्धि के पैमाने पर बल्कि नैतिक मूल्यों के पैमाने पर भी। हमें भारतीय होने पर गर्व है और उन मूल्यों पर भी, जो भारत के साथ जुड़े हैं। एक पुरानी कहावत है कि भारत एक नया देश है, लेकिन एक प्राचीन सभ्यता है और इस सभ्यता ने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त परिवर्तन देखा है।

प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर आज दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है। 15 अगस्त 1947 को अपने संदर्भ के ढांचे के रूप में लेते हुए, हम पाते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और मानव विकास जैसे कई क्षेत्र हैं जहां भारत ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। हालांकि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों पर अभी भी ध्यान दिया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा, तो वे अपने पीछे एक टूटा हुआ, जरूरतमंद, अविकसित और आर्थिक रूप से अस्थिर देश छोड़ गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजना में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी। इसने आईआईटी और आईआईएससी जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का मार्ग प्रशस्त किया। स्वतंत्रता के केवल तीन वर्षों के बाद, 1950 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हुई। इन संस्थानों ने विदेशी संस्थानों की सहायता से भारत में अनुसंधान को बढ़ावा दिया। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के बराबर खड़ा है, वही जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जाता है जहां भारत पूरी दुनिया के लिए टीके का उत्पादन कर रहा है। पीआई की सफलता दुनिया के लिए एक केस स्टडी भी है जिसमें 9.36 बिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। केवल 2022 की पहली तिमाही में 10.2 ट्रिलियन।भारत को अपनी स्वतंत्रता के बाद कई मुद्दों का सामना करना पड़ा, जिनमें अशिक्षा, भ्रष्टाचार, गरीबी, लैंगिक भेदभाव, अस्पृश्यता, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता शामिल हैं। कई मुद्दों ने भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रमुख बाधाओं के रूप में काम किया है। 1947 में जब भारत ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, तो इसका सकल घरेलू उत्पाद मात्र 2.7 लाख करोड़ था, जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 3त्न था। 1965 में भारत में हरित क्रांति की शुरुआत हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन ने की थी। हरित क्रांति के दौरान, उच्च उपज वाले गेहूं और चावल के प्रकारों के साथ लगाए गए फसल क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। 1978-1979 तक, हरित क्रांति के कारण 131 मिलियन टन अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। भारत को तब दुनिया के शीर्ष कृषि उत्पादकों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी। कारखानों और पनबिजली संयंत्रों जैसी संबद्ध सुविधाओं के निर्माण से कृषि श्रमिकों के अलावा औद्योगिक श्रमिकों के लिए भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हुए। आज भारत 147 लाख करोड़ जीडीपी के साथ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक जीडीपी का 8त्न है। हाल के वर्षों में, भारत में स्टार्टअप्स की संख्या में 15,400 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 471 से बढ़कर जून 2022 तक 72,993 हो गई। स्टार्टअप्स की इस अभूतपूर्व वृद्धि ने देश में लाखों नए रोजगार भी पैदा किए हैं। आज का भारत आजादी के समय के भारत से अलग है। आजादी के 75 वर्षों में, भारतीय बुनियादी ढांचे में भारी सुधार हुआ है। भारतीय सड़क नेटवर्क की कुल लंबाई 1951 में 0.399 मिलियन किमी से बढ़कर 2015 तक 4.70 मिलियन किमी हो गई है, जो इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बनाती है। इसके अतिरिक्त, भारत की राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली अब 2021 में 24,000 किमी (1947-1969) से 1,37,625 किलोमीटर तक फैली हुई है।

आजादी के 70 से अधिक वर्षों के बाद, भारत एशिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक बन गया है। इसने 1947 में 1,362 मेगावाट से 3, 95, 600 मेगावाट तक ऊर्जा उत्पादन करने की अपनी क्षमता में वृद्धि की। भारत में, उत्पादित बिजली की कुल मात्रा 1992-1993 में 301 बिलियन यूनिट से बढ़कर 2022 में 400990.23 मेगावाट हो गई। भारत सरकार 28 अप्रैल, 2018 तक सभी 18,452 गांवों को रोशन करने में सफल रही, जबकि 1950 में केवल 3061 थी, जब यह ग्रामीण विद्युतीकरण की बात आती है। 1947 में भारत की जनसंख्या 340 मिलियन थी जिसकी साक्षरता दर केवल 12 प्रतिशत थी, आज इसकी जनसंख्या लगभग 1.4 बिलियन है और साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत है। 2022 में औसत जीवन प्रत्याशा भी 32 साल से बढ़कर 70 साल हो गई है। हालांकि भारत ने साक्षरता दर के मामले में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है, लेकिन उच्च शिक्षा की गुणवत्ता अभी भी प्रमुख चिंता का कारण है। शीर्ष 100 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय या संस्थान नहीं है। दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी के साथ, भारत चमत्कार हासिल कर सकता है यदि इसके युवा उचित कौशल और शिक्षा से लैस हों।

अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी

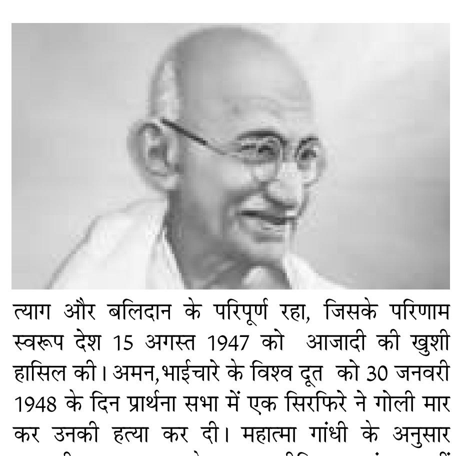

विश्व इतिहास में बिना खून बहे अहिंसक आंदोलन का संचालन कर स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य को पूरा करने का एकमात्र उदाहरण महात्मा गांधी हैं। महात्मा गांधी का जन्म दो अक्टूबर 1869 ई को पोरबंदर में हुआ था। गांधीजी के पिता पोरबंदर रियासत के दीवान थे। गांधीजी की जिंदगी में श्रवण कुमार एवं हरिश्चंद्र नाटक का गहरा प्रभाव का गहरा प्रभाव पड़ा। हरिश्चंद्र से सत्य बोलने और श्रवण कुमार से माता-पिता की सेवा के बीज अंकुरित हो गए। गांधी जी को बचपन से ही विभिन्न धर्म की धार्मिक चर्चा सुनने का शौक था। गांधी जी ने जीवन भर सभी धर्म का सम्मान किया।

महात्मा गांधी ने दक्षिण में भारतीयों को जो अपमानजनक जीवन जहां भारतीयों को कुली कहा जाता था जीवन देखा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। महात्मा गांधी ने समाचार पत्रों में इसका विरोध किया और भारतवासियों के अधिकारों के लिए आंदोलन के किया सन 1915 ई में अपने आंदोलन को सफल बनाकर भारत लौट कर आए। अपने देश में कई आंदोलन किये। कई बार गिरफ्तार भी किए गए। देश के युवाओं को देश भक्ति और राष्ट्रभक्ति के भाव सेरोबार कर दिया। जिन्होंने अंग्रेजों से देश छोड़ने को विवश कर दिया। गांधी जी का सारा जीवन संघर्ष त्याग और बलिदान के परिपूर्ण रहा, जिसके परिणाम स्वरूप देश 15 अगस्त 1947 को आजादी की खुशी हासिल की। अमन,भाईचारे के विश्व दूत को 30 जनवरी 1948 के दिन प्रार्थना सभा में एक सिरफिरे ने गोली मार कर उनकी हत्या कर दी। महात्मा गांधी के अनुसार आजादी का मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं होती, बल्कि वैचारिक आर्थिक सामाजिक और धार्मिक स्वतंत्रता 20वीं शताब्दी में दुनिया का सर्वाधिक प्रभावित करने वालों में महात्मा गांधी अग्रणी रहे। गांधी जी कहते थे कि निर्भय होकर जियो। उनके विचार हमेशा जिंदा रहेंगे। बल्कि समय के साथ उनकी प्रासंगिकता बढ़ेगी।

--सज्जाद अहमद कुरेशी शाजापुर

मजबूत लीडरशिप का असर

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बीजेपी की ओर से जारी 39 प्रत्याशियों की पहली सूची ने पार्टी के बाहर के लोगों का तो ध्यान खींचा ही, पार्टी के अंदर भी बहुतों को असहज कर दिया। इस सूची में उन लोगों के भी नाम हैं, जो मौजूदा केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं या लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में रच-बस गए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जैसे नामों ने खास तौर पर चौंकाया। कैलाश विजयवर्गीय का तो एक विडियो भी वायरल हो गया है, जिसमें वह पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यह कहते देखे गए कि टिकट पाकर उन्हें कोई खुशी नहीं हो रही और उनका चुनाव लड़ने का एक

परसेंट भी मन नहीं है। जाहिर है, टिकट पार्टी नेतृत्व ने उनकी मर्जी पूछकर नहीं दिया है। उन्होंने पार्टी का निर्देश मानकर यह फैसला स्वीकार किया। बीजेपी नेतृत्व की यह विशेषता पिछले कुछ समय से बिलकुल स्पष्ट होकर उभरी है। यह संगठन के अंदर आत्मसंतुष्टि के भाव को जड़ जमाने का मौका नहीं देता। समय-समय पर सबको झकझोरता चलता है। हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने बुधवार 28 सितंबर को प्रकाशित संपादकीय में इसी विषय को उठाते हुए यह रेखांकित किया है कि कैसे गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी ने पूरी स्टेट कैबिनेट बदलकर पहली बार के विधायक भूपेंद्र पटेल को कमान सौंपी और चुनाव में असाधारण जीत दर्ज की। हालांकि, कर्नाटक में पार्टी नेतृत्व की ऐसी ही रणनीति नाकाम साबित हुई, लेकिन फिर भी ताजा संकेत बताते हैं कि पार्टी तेलंगाना और राजस्थान जैसे राज्यों में भी इसी रणनीति पर अमल करने वाली है। राजस्थान के बारे में कहा जा रहा है कि वहां वसुंधरा राजे को परोक्ष रूप से दरकिनार करने की कोशिशें पार्टी की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसमें दो राय नहीं कि राजनीति में कोई ऐसा रामबाण नहीं होता, जो हर मामले में और हर परिस्थिति में अचूक साबित हो। इस नीति के भी अपने अच्छे बुरे पहलू हैं, लेकिन फिर भी ध्यान देने वाली बात यह है कि आज की तारीख में बीजेपी में ही इस तरह के फैसले देखने को मिलते हैं। तात्कालिक तौर पर इन फैसलों से प्रभावित लोगों में असंतोष दिख सकता है, लेकिन यह असंतोष बगावत का रूप नहीं लेता। वजह यह है कि बीजेपी में केंद्रीय नेतृत्व मजबूत है। वहां नरेंद्र मोदी के रूप में एक ऐसा सर्वोच्च नेता मौजूद है जिसकी लोकप्रियता पूरे देश के हर क्षेत्र में है। पार्टी वोट के लिए भी मुख्य रूप से उसी चेहरे पर निर्भर है। ऐसे में विभिन्न राज्यों या क्षेत्रों के कुछ खास इलाकों में प्रभाव रखने वाले या पद की बदौलत प्रभाव हासिल कर लेने वाले नेता पार्टी नेतृत्व के फैसले को चुनौती देने की स्थिति में नहीं होते। हालांकि तमाम फैसलों की तरह इन्हें भी हर बार चुनावी लिटमस टेस्ट से गुजरना ही होता है। और जब तक जनता की मुहर लगती रहती है तब तक इनकी अहमियत भी कायम रहती है।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

युवाओं को नशे से दूर करने में उनका अभियान रहेगा जारी : मनोहर लाल

सीएम मनोहर के कड़े तेवर देख अफसरों को आया पसीना

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए रोहतक उपायुक्त अजय कुमार।

मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखकर उनको न केवल हल करवाने का प्रयास किया अपितु उन अधिकारियों की सांसे हलक में अटकवाने का काम कर दिया जो उनकी समस्याओं को हल नही कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने जिस प्रकार अधिकारियों को खरी खोटी सुनाकर रात को ही उनकी समस्या का हल करने को कहा और सुबह ही उस काम की रिपोर्ट मांग ली तो ऐसे में अधिकारियों को रात में फील्ड् में उतरना पड़ा। चाहे बिजली के मामले हो या पैंशन। सीएम ने किसी भी अधिकारी के प्रति नम्र रूख नही बरता। मुख्यमंत्री के इस अंदाज का अंदाजा रोहतक के अधिकारियों को कतई नही था कि मुख्यमंत्री भी इस प्रकार अधिकारियों का डांट फटकार लगा सकते है। अनिल विज की तर्ज पर मुख्यमंत्री का यह नया सिंघम अवतार एक बार फिर जनता को यह संदेश देने में सक्षम रहा कि मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार और लापरवाही पसंद नही है। जनसंवाद के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने राहगिरी के कार्यक्रम में शिरकत की। राहगिरी कार्यक्रम में मनोहर लाल ने प्रदेश के युवाओं का आह्वान किया कि वे जीवन में हर प्रकार के नशे से दूर रहते हुए प्रदेश व देश के भविष्य को सुरक्षित रखें। नशीले पदार्थों के सेवन से पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है तथा समाज भी दूषित होता है। सरकार द्वारा नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। हर नागरिक नशा मुक्त हरियाणा अभियान में अपना योगदान दें।

उन्होंने गुरुकुल लाढौत के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किये गए मलखंब की प्रशंसा की तथा गुरुकुल को अपने निजी कोष से 2 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के जवान और पहलवानों को धाकड बताते हुए कहा कि प्रदेश की जनसंख्या देश की जनसंख्या का मात्र 2 प्रतिशत है लेकिन देश की सेना में 11 प्रतिशत जवान हरियाणा प्रदेश से है। खेलों में भाग लेने वाला लगभग हर तीसरा खिलाड़ी हरियाणा का खिलाड़ी है तथा मेडल जीतने की रेस में भी हरियाणा के खिलाड़ी हमेशा अव्वल रहे है। उन्होंने रोहतक को अपनी जन्मभूमि बताते हुए कहा कि रोहतक से उनका पुराना रिश्ता है तथा जिला के गांव निंदाना में जन्म हुआ। इसके बाद बनियानी तथा रोहतक में शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने कहा कि वे साइकिल पर इसी सड़क पर प्रतिदिन 32 किलोमीटर तक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते-जाते थे। मन को प्रफुल्लित करने तथा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए राहगिरी जैसा कार्यक्रम बहुत उपयोगी है। सरकार द्वारा मैराथन इत्यादि के माध्यम से भी नशा मुक्त हरियाणा अभियान का संदेश के अलावा बिजली संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण आदि का संदेश भी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। राहगिरी कार्यक्रम में मंत्री चौ. रणजीत सिंह, डॉ. अरविंद शर्मा, मंत्री मनीष ग्रोवर, गजेंद्र फौगट, राजकुमार कपूर, मनमोहन गोयल, डीआईजी पंकज नैन, रणबीर ढाका, सतीश नांदल, बाबा कर्णपुरी महाराज, उपायुक्त अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी मौजूद रहे।

झज्जर में पंडित श्रीराम शर्मा की जयंती मनाई

झज्जर। हरियाणा के झज्जर शहर में पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच द्वारा स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्रीराम शर्मा की 124वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसमें पंडित श्रीराम शर्मा के परिवार के लोग भी शामिल हुए। वहीं, पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम से राजनीतिक दलों के लोगों ने दूरियां बनाए रखीं।

शहर के लोग भी बहुत अधिक संख्या में नहीं पहुंचे। वहीं, पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच से डॉ. अशोक दीक्षित ने बताया कि कल हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात हुई थी, जिसमें पंडित श्रीराम शर्मा पार्क की जमीन विवाद मामले को लेकर पूरी बात रखी गई है। सीएम से मांग की गई है कि पंडित श्रीराम शर्मा पार्क की पूरी जमीन दी जाए। पूरे मामले की विजिलेंस जांच करवाई जाए। जो लोग पार्क की जमीन को हड़पना चाहते हैं।

विधायक धर्म सिंह छोक्कर व दोनों बेटों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

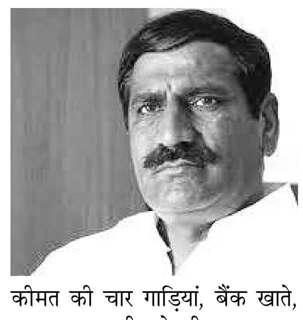

हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा विधानसभा हलके से कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर, उनके दोनों बेटों सिकंदर व विकास के खिलाफ गुरुग्राम कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी कर दिए गए हैं। छौक्कर व उनके दोनों बेटे प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बार-बार बुलाए जाने पर भी जांच में शामिल नहीं हुए।

माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में धर्म सिंह छौक्कर व उनके परिवार के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कहा गया है कि धर्म सिंह छौक्कर व उनका बेटा सिकंदर जांच में शामिल नहीं हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय पहले ही महिरा इन्फोर्समेंट प्राइवेट लिमिटेड के गुरुग्राम ऑफिस सहित कुछ जगह को सील करने के नोटिस चस्पा चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 4 करोड़ कीमत की चार गाड़ियां, बैंक खाते, 14.5 लाख की ज्वेलरी, 4.5 लाख कैश भी सीज किया गया था। विधायक व बेटों पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज है और तीनों करीब सवा दो महीने से फरार चल रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने 25 जुलाई को समालखा के कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर के समालखा व गुरुग्राम स्थित आवास पर दबिश दी थी। यहां तीन दिन तक चली जांच में ईडी को कुछ खास हाथ नहीं लगा था। उनकी गुरुग्राम स्थित कोठी से चार गाड़ियों को जब्त किया गया था। समालखा स्थित आवास पर उनके एक बड़े भाई थे बाकी परिवार के सदस्य गुरुग्राम की कोठी पर थे। विधायक धर्म सिंह छौक्कर, उनके पुत्र सिकंदर और विकास फरार हो गए थे। ईडी ने इसके बाद तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया था। धर्म सिंह इस मामले में राहत पाने के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गए थे।

यह है मामला

कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबियों में से हैं। उनके बेटों का गुरुग्राम में रियल एस्टेट का काम है। उनकी एक कंपनी पिछले दिनों विवादों में आ गई थी। स्थानीय पुलिस ने इसमें मुकदमा दर्ज कर लिया था, जिसमें करोड़ों रुपए का लेन-देन होना सामने आया। ईडी ने इस मामले को आधार मानकर विधायक धर्म सिंह छौक्कर की संपत्ति की जांच की थी।

स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है : सैनी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

डीएवी पीजी कॉलेज में एनएसएस और एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में केंद्र सरकार के निर्देशानुसार महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता अभियान जागरूकता रैली निकाली गई। कॉलेज प्राचार्य डॉ. रामपाल सैनी ने एनएसएस स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेट्स को हरी झंडी देकर रवाना किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बलराम शर्मा और डॉ. विपिन नेवट ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर कॉलेज से लेकर महात्मा गांधी चौक तक सफाई अभियान के तहत अपना श्रमदान किया।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. रामपाल सैनी ने विद्यार्थियों को अपने संबोधन में कहा कि हमें स्वच्छता को अपने जीवन में आत्मसात कर लेना चाहिए। स्वच्छता को अपना कर हम न जाने कितनी बीमारियों से बच जाते हैं। हमे यह प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि हम अपने घर के साथ-साथ अपनी गली मौहल्ले को भी साफ सुंदर रखेगें तथा दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। डॉ. आरपी ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान सरकार का राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका मुख्य उद्देश्य घरों, गलियों, सड़कों को साफ सुथरा रखने के लिए प्रोत्साहित कर लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना है। उन्होंने कहा कि सफाई से रहने की आदत से जंहा शरीर स्वस्थ रहता हैं वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। जो व्यक्ति साफ-सफाई से रहता है उससे बीमारियां भी कोसों दूर रहती है।

इस अवसर पर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय शर्मा तथा सभी एनसीसी कैडेट और एनएसएस स्वयंसेवक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल से चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता पखवाड़े अभियान की शुरुआत करते हुए।

रोहतक। स्वच्छता के पखवाड़ा के तहत छह सितारा अवार्डी भैसरू कलां की पंचायत ने गांव की स्वच्छता के लिए अभियान की शुरुआत गांव के शहीद अश्विनी कुमार राजकीय स्कूल से की है। अभियान की शुरुआत गांव के सबसे महत्वपूर्ण स्थान स्कूल से की है ताकि स्वच्छता की अलख जगाने वाले विद्यार्थी स्वस्थ रहे। गांव की सरपंच सुनीता देवी की अगुवाई में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत सरपंच और ग्राम पंचों ने विद्यालय परिसर में सफाई की और बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। सरपंच सुनीता देवी ने कहा कि चाहे स्कूल हो या घर हमें अपने आसपास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सरपंच सुनीता देवी ने कहा कि हम सभी को अपने आसपास कूड़ा-कर्कट व दूसरी गंदगी जमा ना होने देनी है और समय-समय पर सफाई अभियान चलाना है। उन्होंने कहा कि जहां गंदगी होगी वहां मक्खी-मच्छर पनपेंगे और बीमारियों हमें अपने आगोश में ले लेंगी इसलिए समय रहते अपने आस-पड़ोस में साफ-सफाई कर दें। स्वच्छता के साथ-साथ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी ग्रामीणों को जागरुक करते हुए इसका महत्व बताया और उन्हें पौधारोपण करने व पेड़-पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान में रिषी पहलवान, पंच बेदप्रकाश, लक्ष्मीनारायण, अशोक,नवीन, गौतम,देवीलाल,चौकीदार राजसिंह, नवीन पंच सहित गांव के अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

जीरी का समुचित दाम दे सरकारः महावीर

मंडी का दौरा करते हुए भाकियू कार्यकर्ता।

कैथल। भारतीय किसान यूनियन चढूनी संगठन की टीम ने कैथल अनाज मंडी में पहुंच कर मंडी में किसानों से फसलों के रेट के बारे में जानकारी ली। यूनियन के जिला प्रदान महावीर चहल नरड़ ने कहा कि जो जीरी का रेट 1509 बहुत ही नीचे आ चुका है। 15 दिन पहले रेट 3800 था। आज दिन प्रतिदिन 2900 से लेकर 3200 रुपये तक की रह गया है। किसानों ने कहा कि यह सब मिली भगत है क्योंकि किसान ने इसका उदाहरण अपनी आंखों से देख लिया। जिला फतेहाबाद में सेलर मालिकों ने शपथ लेकर कहा है कि किसान कि फसलों का ज्यादा रेट नहीं देंगे। नरेंद्र मागो माजरी ने कहा कि जो भी अन्नदाता किसान मजदूर को लूटने का काम करेगा उसका कभी भी भला नहीं हो सकता। इस अवसर पर जोगिंदर कैलरम, तेजा गिल, रोहतास चहल, मंदीप नरड़, लक्ष्य मौण मटौर आदि मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को सीधा कर्जा योजना

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

पंजाब सरकार के पंजाब अनुसूचित जाति भूमि विकास एवं वित्त निगम ने अनुसूचित जाति के लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से सीधा कर्जा योजना शुरू की है इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान के निर्देशानुसार पंजाब अनुसूचित जाति भूमि विकास और वित्त निगम द्वारा शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के व्यक्ति जो अपना नया व्यवसाय जैसे डेयरी फार्म, किरयाना दुकान, बुटीक कार्य, ब्यूटी पार्लर, कपड़े का कार्य, बकरी पालन आदि शुरू करना चाहते है या अपने पुराने काम को बढ़ाना चाहते है, वे इस योजना अधीन 5 लाख का ऋण प्राप्त कर सकते है।उन्होंने कहा कि इस योजना अधीन अनुसूचित जाति के व्यक्तियों, जिनकी वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से कम है और जो सब्सिडी के योग्य है, को ऋण राशि का 50 प्रतिशत या 50,000 रुपये जो भी कम हो, की सब्सिडी दी जाती है।

इस योजना अधीन 50,000 रुपये तक के ऋण पर ब्याज दर पांच प्रतिशत और 50,000 रुपये से अधिक के ऋण पर ब्याज दर 8 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति इस योजना का लाभ लेना चाहते है वे अपना आवेदन जिले से संबंधित पंजाब अनुसूचित जाति, भूमि विकास एवं वित्त निगम के दफ्तर में जमा करवा सकते है।सीधा कर्जा योजना अधीन ऋण प्राप्त करने के लिए लाभार्थी को अपने आवेदन के साथ अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर कार्ड की फोटोकापी संलग्न करनी होगी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कई जागरूक गतिविधियां हुईं आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने के लिए किया जागरूक

जल सप्लाई एवं सैनीटेशन विभाग द्वारा 2 अक्टूबर 2023 तक चलाई जा रही %स्वच्छता ही सेवा% अभियान अधीन डिप्टी कमिश्नर श्री विशेष सारंगल के दिशा-निर्देशों पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा अनुसार पूरे जिले में इस अभियान अधीन विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई।

इस अभियान अधीन एक तारीख-एक घंटा अभियान का मुख्य रखते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को अपने आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए जागरुक किया गया। निगरान इंजीनियर जल सप्लाई एवं सैनीटेशन नरिंदर सिंह ने कार्यकारी इंजीनियर नितिन कालिया के साथ व्यक्तिगत तौर पर गांव अठोला में स्वच्छता अभियान के तहत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की सफाई की और गांववासियों को गीला और सूखा कूड़ा अलग करके प्लांट में खाद बनाने के लिए डालने और इस संबंध में पूरी जानकारी दी। बीडीपीओ जालन्धर पश्चिमी सेवा सिंह को पर्यावरण को स्वच्छ रखने और आसपास सफाई सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान निगरान इंजीनियर नरिंदर सिंह और कार्यकारी इंजीनियर नितिन कालिया ने भी लोगों को पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में 18 वर्षीय युवती लापता

कैथल। शहर की एक बस्ती से 18 साल की एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। लड़की के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर बेटी की बरामदगी की मांग की है। शिकायत के आधार पर पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश में जुट गई है।

शहर थाना में दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी 18 वर्षीय बेटी 22 सितंबर को बिना बताए घर से कहीं चली गई है। उसके घर से लापता होने के बाद 2 से 3 बार फोन तो आए जिसमें उसने कहा कि वह अपनी सहेलियों के साथ घूमने गई है लेकिन अब उसका फोन बंद आ रहा है। उसने अपने स्तर पर बेटी की तलाश की फिर भी उसका कोई अता पता नहीं लग पाया है। इस मामले में शहर थाना के जांच अधिकारी एसआई बीर सिंह ने कहा कि मामले में युवती की गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जाट हाईस्कूल सोसायटी कैथल में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

पायनियर समाचार सेवा। कैथल,

स्कूल में सफाई करते हुए अध्यापिकाएं।

जाट हाई स्कूल सोसायटी कैथल के तत्वाधान में जाट शिक्षण संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रशासक व तहसीलदार कैथल डॉ. अनिल बिढान ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का स्वागत जाट कॉलेज प्राचार्य डॉ भीम सिंह चहल, जाट बीएड कालेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार ढिल्लों, जाट आईटीआई के प्राचार्य कुलदीप गोपेरा, जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य सुबे सिंह मलिक, जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल प्राचार्य पंकज गुप्ता, बलराज नौच, सूरज सहारण, डॉ. मोहकम सिंह ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान में बोलते हुए कहा कि स्वच्छ भारत एवं उन्नत विकसित भारत गांधी जी का सपना था। हमें गांधी जी की जीवनी का अनुसरण करते हुए अपने जीवन को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने गांधी जी के सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया। डॉ अनिल ने बताया कि किस तरह से स्वच्छता के नियमों का पालन करके हम अपने गांव, राज्य एवं देश व अच्छे समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। अपने वातावरण की स्वच्छता के प्रति जागरुक होने की आवश्यकता है। यदि हमें चिर आयु जीवन जीना है तो स्वच्छता का ध्यान रखना होगा। हमारे जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने अपने जीवन जीने की शैली में स्वच्छता के नियमों का अपनाया था।

आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सेबी के यहां डीआरएचपी दाखिल किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / नोएडा

रुपये दो अंकित मूल्य वाले कुल 5000 मिलियन के इक्विटी शेयर्स का ऑफर फॉर सेल शामिल है

आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहां अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है।

कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में रुपये 2400 मिलियन तक के फ्रेश इश्यू और रुपये दो अंकित मूल्य वाले कुल 5000 मिलियन के इक्विटी शेयर्स का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

बिक्री के प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) में राकेश चोपदार के रुपये 1700 मिलियन तक के इक्विटी शेयर, पीरामल स्ट्रक्चर्ड क्रेडिट अपॉर्चुनिटीज फंड के रुपये 2,800 मिलियन तक के इक्विटी शेयर और डीएमआई फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के रुपये 500 मिलियन तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

कंपनी ने प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी के पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है। एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

आजाद इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस और रक्षा, ऊर्जा, और तेल एवं गैस उद्योगों में वैश्विक ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चर्स (ओईएम) को आपूर्ति करने वाली अपनी योग्य उत्पाद श्रृंखला के प्रमुख निर्माताओं में से एक है। यह उच्च कोटि के इंजीनियर्ड, जटिल और मिशन और जीवन हेतु महत्वपूर्ण कल-पुर्जों का निर्माण करती है। कंपनी जटिल और उच्च कोटि के इंजीनियर्ड प्रेसिजन फॉर्ज्ड और मशीनीकृत ऐसे कल-पुर्जों का निर्माण करती है जो मिशन और जीवन हेतु महत्वपूर्ण हैं और इसलिए, उनके कुछ उत्पादों के लिए जीरो पार्ट्स प्रति मिलियन डिफेक्ट आवश्यक है। आजाद इंजीनियरिंग चीन, यूरोप, अमेरिका और जापान के निर्माताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। उनके ग्राहकों में एयरोस्पेस और रक्षा, ऊर्जा, और तेल एवं गैस उद्योगों जैसे क्षेत्रों से जुड़े जनरल इलेक्ट्रिक, हनीवेल इंटरनेशनल इंक, मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी, ईटन एयरोस्पेस और मैन एनर्जी सॉल्यूशंस एसई जैसे वैश्विक ओईएम शामिल हैं।

मारुति सुजुकी ने जीएमडीए के साथ मिलाया हाथ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने एक नया साझेदारी मॉडल विकसित करने के लिए डिजिटल इंजीनियरिंग से जुडी कंपनी नगारो और गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट ऑथोरिटी के साथ हाथ मिलाया है। यह मॉडल सुरक्षित और समावेशी सड़कों के निर्माण के लिए निजी संगठनों और सरकारी निकायों को साथ लाने का प्रयास करेगा।

इस अवसर पर, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के, कॉर्पोरेट अफेयर्स के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री राहुल भारती ने कहा, हम सनथ रोड के पुनर्विकास की इस प्रासंगिक पहल के लिए गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी और नागारो के साथ साझेदारी करके खुश हैं। हरियाणा मारुति सुजुकी की उपस्थिति ने हरियाणा राज्य में अत्यधिक आर्थिक विकास और समृद्धि की शुरुआत की है। साथ ही, हम इस बात के प्रति संवेदनशील और सचेत हैं कि औद्योगिक गतिविधि स्थानीय समुदायों के लिए अनुकूल होनी चाहिए। इस मार्गदर्शक सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, पिछले कुछ वर्षों में, हमने अपने हितधारकों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने वाला एक स्थायी मॉडल बनाया है। यह पहल विशेष रूप से हमारे प्रयासों को आगे बढ़ाती है।

रोड पुनर्विकास परियोजना में जीएमडीए, नगारो एमएसआईएल, एमजीसी डीएचबीवीएन और राहगिरी फाउंडेशन मिलकर एक सस्टेनेबल मॉडल का निर्माण करेंगे। शनिवार को इस प्रोजेक्ट की शुरुआत के मौके पर सेक्टर 18 में रोड के किनारे वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया।

कला संस्कृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत विभिन्न विधाओं के कलाकारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

योजना की विभिन्न श्रेणियों के तहत दिए जाएंगे कुल 50 पुरस्कार, अंतिम तिथि 13 अक्टूबर

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा कला संस्कृति पुरस्कार योजना 2023 के अंतर्गत हरियाणा अधिवासी विभिन्न विधाओं गायन, वादन, नृत्य, रंगमंच, चित्रकला एवं मूर्तिकला के कलाकारों के लिए निर्धारित प्रपत्र पर प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर 2023 है।

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कला संस्कृति पुरस्कार योजना की विभिन्न श्रेणियों में 50 पुरस्कार दिए जाएंगे। इच्छुक कलाकार कला संस्कृति पुरस्कार विवरणिका में वर्णित नियम एवं शर्तों सहित प्रपत्र कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा कला प्रवीण पुरस्कार के लिए आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक तथा 40 वर्ष तक होनी चाहिए। इसी श्रेणी में कुल 16 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसमें प्रति पुरस्कार 30 हजार रुपये की राशि होगी। इसी प्रकार से हरियाणा कला श्री पुरस्कार के लिए आवेदक की आयु 40 वर्ष से अधिक तथा 55 वर्ष तक हो। इस श्रेणी के 16 पुरस्कारों के लिए प्रति पुरस्कार 40 हजार रुपये की राशि दी जाएगी।

हरियाणा कला रत्न पुरस्कार के लिए आवेदक की आयु 55 वर्ष से अधिक हो तथा इस श्रेणी में 16 पुरस्कारों के लिए प्रति पुरस्कार 50 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इसी प्रकार से कला क्षेत्र आजीवन उपलब्धि पुरस्कार के लिए आयु 55 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इस श्रेणी में दो पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसमें प्रति पुरस्कार एक लाख रुपये दिए जाएंगे।

नियमों व शर्तों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त व अपूर्व प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। एक कलाकार केवल एक पुरस्कार के लिए ही आवेदन कर सकता है। डीसी ने बताया कि जो कलाकार पूर्व में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं तथा जिन कलाकारों का चयन जिस श्रेणी में हो चुका है वे उसी श्रेणी में पुनः आवेदन नहीं कर सकते हैं। आवेदक की आयु 31 मार्च, 2023 को उक्त विवरण अनुसार होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्णरूप से भरा हुआ आवेदन पंजीकृत डाक के माध्यम से कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा, एससीओ 29, प्रथम तल, सेक्टर 7 सी, मध्यमार्ग चंडीगढ़ या ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं।

पत्रकारों के दस लाख तक के बीमा का प्रीमियम सरकार जमा कराएगी : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पत्रकारों के कल्याण के लिए एक और अहम घोषणा करते हुए कहा कि पत्रकारों के 10 लाख रुपये तक के बीमा की प्रीमियम राशि का भुगतान अब राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। वर्तमान में केवल 5 लाख रुपये तक की बीमा राशि का भुगतान प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को रोहतक में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इंडिया) से सम्बद्ध हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट द्वारा आयोजित द्विवार्षिक अधिवेशन तथा पत्रकारिता का भविष्य एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट को अपने निजी कोष से 11 लाख रुपये की धनराशि देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकारों को एलआईसी के माध्यम से 5, 10 व 20 लाख रुपये का बीमा की सुविधा दी गई है। सरकार द्वारा अब तक 5 लाख रुपये के बीमा की प्रीमियम राशि का भुगतान किया जा रहा है तथा भविष्य में 10 लाख रुपये तक के बीमा की राशि के प्रीमियम का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। इसके अलावा 20 लाख रुपये बीमा की प्रीमियम राशि का 50 प्रतिशत भुगतान सरकार द्वारा किया जायेगा। पत्रकारों द्वारा की गई मांगों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा उचित मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की महत्वपूर्ण भूमिका है। आजादी से पूर्व से भी पत्रकारिता ने देशवासियों में जनजागरण का कार्य किया था।

उन्होंने कहा कि सर छोटूराम, पंडित नेकीराम शर्मा, डॉ. मंगल सेन इत्यादि ने भी पत्रकारिता के माध्यम से लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार किया।

176 पत्रकारों की दी जा रही पेंशन

मनोहर लाल ने कहा कि पत्रकार नागरिकों में देशभक्ति का भाव जगाते है। सरकार द्वारा पत्रकारों के कल्याण के लिए अनेक सुविधाएं प्रदान की जा रही है। प्रदेश में 176 पत्रकारों को पेंशन दी जा रही है तथा 1262 पत्रकारों को मान्यता प्रदान की गई है। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ऐसे पत्रकारों को मासिक पेंशन दी जा रही है, जिनका पत्रकारिता में 20 वर्ष अनुभव, 5 वर्ष तक मान्यता प्राप्त तथा 60 वर्ष तक आयु पूर्ण कर ली हो। सरकार द्वारा परिवहन विभाग की बसों में 4 हजार किलोमीटर तक मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है। इसके अलावा सरकार द्वारा पत्रकारों की पेंशन को डीए के साथ जोड़ा गया है।

उन्होंने आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि पत्र-पत्रिकाओं में हमेशा समाज में जनजागरण का कार्य किया है तथा दर्पण पत्रिका द्वारा आपातकाल के दौरान भी लोगों में देशभक्ति के भाव जागृत किये। हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट द्वारा मुख्यमंत्री व अन्य अतिथिगण को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया।

नारनौल का एयरफोर्स जवान एमपी में शहीद

नारनौल। हरियाणा के जिला महेंद्रगढ़ स्थित अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव राता कला निवासी भारतीय वायु सेना में तैनात जवान विकास शर्मा ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। मध्यप्रदेश में ताप्ती नदी में अपने साथी को बचाने के चक्कर में गिरने के कारण हादसा हुआ। शहीद का पार्थिव शरीर आज पैतृक गांव राता कला पहुंचा। जहां पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

शहीद विकास अविवाहित था। पिता विष्णु शर्मा ने बेटे को मुखाग्नि दी। वह अपने माता-पिता के इकलौता पुत्र व तीन बहनों के इकलौता भाई थे।

शहीद के अंतिम संस्कार में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। गांव राता कला निवासी विकास शर्मा पुत्र विष्णु शर्मा भारतीय वायु सेना में आमला भोपाल में कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति 2019 के बैच में हुई थी। अपने दोस्तों के साथ वे गत दिवस ताप्ती नदी को देखने के लिए गए थे। उनका एक दोस्त जो भरतपुर का रहने वाला था, पैर फिसलने से वह नदी में गिर गया। उसको बचाने के लिए विकास शर्मा ने काफी प्रयास किया, लेकिन वह स्वयं को व अपने दोस्त को नहीं बचा पाया।

राजपूत समाज के लोगों ने सांसद व जिला अध्यक्ष को दिखाए काले झंडे, की नारेबजी

सांसद गांव पीडल में जन संवाद कार्यक्रम नहीं कर पाए

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

सांसद को काले झंडे दिखाकर नारे लगाते हुए राजपूत।

राजपूत समाज के विरोध के चलते शनिवार को कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी गांव पीडल में अपना जन संवाद कार्यक्रम नहीं कर पाए। गांव पीडल में सांसद नायब सैनी की सूचना मिलते ही राजपूत समाज के सैकड़ों लोग कैथल पटियाला स्टेट हाइवे पर स्थित गांव पीडल गांव के बस अड्डे पर एकत्रित हो गए और काले झंडे दिखाते हुए सांसद नायब सैनी व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुज्जर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

विरोध कर रहे राजपूत समाज के राजपाल राणा, नंबरदार मोहन राणा, विनोद कुमार, अलबाद राणा, साहिल राणा, होशियार सिह राणा, श्याम सिंह राणा कहा कि कैथल में सम्राट मिहिर भोज प्रतिमा अनावरण और उन्हें गुर्जर बताने से राजपूत समाज में रोष है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के राजपूत बहुल 1300 गांवों में भाजपा नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। राजपाल राणा ने कहा राजपूत समाज का विरोध किसी विशेष वर्ग से ना होकर भाजपा सरकार की समाज विरोधी नीतियों के प्रति है। राणा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री राजपूत समाज की नाराजगी को हलके में ले रहे हैं लेकिन शायद वे भूल गए हैं कि प्रदेश में राजपूत समाज के आठ प्रतिशत वोट हैं और ये आठ प्रतिशत किसी भी सीट पर जीत को हार में बदल सकते हैं। बता दें कि शनिवार को सांसद नायब सैनी का हलका गुहला के गांव पीडल, दुसेरपुर, भूना, सौथा व मलिकपुर में जन संवाद कार्यक्रम था। अधिकारियों को जैसे ही पीडल में सांसद का विरोध होने की सूचना मिली तो चीका थाना प्रभारी राजेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ पीडल बस अड्डा पर पहुंच गए और विरोध जात रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारी वहां से हटने को राजी नहीं हुए जिसके बाद अधिकारियों को गांव पीडल में होने वाला सांसद नायब सैनी का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

सम्राट मिहिर भोज प्रतिमा अनावरण और उन्हें गुर्जर बताने से राजपूत समाज में रोष

भाकियू ने तीन अक्तूबर को डीसी के ऑफिस पर धरना व प्रदर्शन करने की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने मौजूदा धान खरीद सीजन में अनाज मंडियों में धान की समूचित तौर पर खरीद न किए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए आने वाली 3 अक्तूबर को करनाल डीसी के ऑफिस पर धरना व प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। मंडियों में धान बिक्री को लेकर किसान परेशान हो रहे है। स्थानीय अर्जुन नगर स्थित किसान भवन में आयोजित की गई जिला स्तरीय मासिक किसान पंचायत को संबोधित करते हुए रतनमान ने कहा कि अगर धान खरीद के हालात नही सुधरे तो 3 अक्तूबर को किसान एकत्रित होकर डीसी ऑफिस पर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएगें।अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह घुमन व संचालन जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह बैनीवाल किया। इस बीच पंचायत में उपस्थित आक्रोषित किसानों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना रोष जाहिर किया। पंचायत को प्रदेश सरंक्षक प्रेमचंद शाहपुर, किसान नेता बाबूराम बड़थल आदि थे।

फानों में आग लगाने पर प्रशासन ने किसान पर लगाया जुर्माना

कैथल। एसडीएम कपिल कुमार ने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने वाले पूंडरी निवासी एक किसान पर 2500 रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्होंने कहा कि जो किसान फसल अवशेषों में आग लगाता पाया जाता है। उसके खिलाफ जुर्माने के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज की जा सकती है।

भविष्य में संबंधित किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी विभाग द्वारा नहीं दिया जाएगा। एसडीएम ने जिले के किसानों का आह्वान किया कि बचे हुए फसल अवशेषों यानी फानों में आग नहीं लगाएं। फानों में आग नहीं लगाकर उसका उचित प्रबंधन करके किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति पराली जलाता हुआ पाया जाता है तो उससे पर्यावरण के नुकसान की भरपाई की जाएगी, जिसके तहत दो एकड़ भूमि तक 2500 रुपये प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ भूमि तक 5 हजार रुपये प्रति घटना, 5 एकड़ से ज्यादा भूमि पर 1500 रुपये प्रति घटना की जाएगी।

क्षेत्र को सुंदर बनाने के लिए आगे आ रहे नागरिक, बढ़ रही जागरूकता: मेयर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

करनाल नगर निगम की ओर से शहर के सभी वार्डों में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान चलाकर श्रमदान किया गया। कार्यक्रम में वार्ड अनुसार निगम अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने वार्ड पार्षद के साथ सम्बंधित क्षेत्र में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार एक घण्टा-एक तारिख को लेकर श्रमदान किया। श्रमदान के पश्चात गारबेज फ्री इंडिया थीम को लेकर स्वास्थ्य स्वच्छता निरीक्षकों की टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जन समूह को जागरूक किया गया।

श्रमदान कार्यक्रम में महापौर रेनू बाला गुप्ता ने वार्ड नम्बर 11 के मॉडल टाउन क्षेत्र में पार्षद प्रतिनिधि गिन्नी विर्क व जोन इंचार्ज संदीप कुमार तथा सफाई कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने वार्ड नम्बर 12 स्थित रेलवे स्टेशन परिसर में जोन इंचार्ज मनदीप सिंह, रेलवे अधिकारियों व समाजसेवी संस्थाओं के साथ श्रमदान किया। वार्ड 15 व 16 में अतिरिक्त आयुक्त गौरव कुमार ने पार्षद युद्धवीर सैनी व रजनी परोचा तथा जोन इंचार्ज प्रवेश कुमार, वार्ड 17 व 18 में संयुक्त आयुक्त अदिति ने पार्षद जोगिन्द्र शर्मा व हरीश कुमार व जोन इंचार्ज उषा रानी, वार्ड 19 में वरिष्ठ उप महापौर राजेश अग्घी व मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा, वार्ड 20 में पार्षद मोनू ने, वार्ड 1 में उप महापौर नवीन कुमार व कार्यकारी अभियंता सतीश शर्मा, वार्ड 2 में पार्षद बलविन्द्र सिंह व जोन इंचार्ज गुलाब सिंह ने श्रमदान किया। इसी प्रकार वार्ड 7 व 8 में अधीक्षण अभियंता श्याम सिंह ने पार्षद सरिता कालड़ा व मेघा भंडारी के साथ 1 घण्टा श्रमदान किया। वार्ड 9 व 10 में उप निगम आयुक्त विनोद नेहरा व पार्षद मुकेश अरोड़ा तथा वीर विक्रम कुमार, वार्ड 3 व 4 में कार्यकारी अभियंता नरेश त्यागी व पार्षद प्रतिनिधि पप्पू लाठर तथा भौपेन्द्र नौतना, वार्ड 5 व 6 में कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा ने पार्षद जय भगवान व नीलम देवी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

कुरुक्षेत्र में नाबालिग दुष्कर्मी को 20 साल की कैद

पीपली। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अतिरिक्त जिला एवं सेशन जज की कोर्ट ने 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले किशोर को 20 साल की केद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 52 हजार रुपए का जुर्माना भी किया है। बच्ची से हुई दरिंदगी का ये केस 3 साल से कोर्ट में चल रहा था। कुरुक्षेत्र के उप न्यायवादी भूपेन्द्र कुमार ने बताया कि 29 सितम्बर 2020 को थाना झांसा एरिया की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी 9 साल की बेटी घर पर थी। शाम को चार बजे के करीब उनका पडोसी युवक उनके घर आया। उसकी नाबालिग लड़की को जबरदस्ती कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बारे में किसी को बताने पर बच्ची को जान से मरने की धमकी दी। बच्ची की मां की शिकायत पर थाना झांसा में धारा 452/506 आईपीसी और पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस केस की जांच महिला एसआई पवनदीप कौर को सौंपी गई। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल करवाया और 164 सीरपीसी के तहत बयान दर्ज करवाये गये। आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी भी नाबालिग था। उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया था। 25 नवम्बर 2020 को मामले का चालान कोर्ट में पेश किया गया।

चंडीगढ़ में डॉक्टर को कुचलने वाला ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

चंडीगढ़। 11 सितंबर की सुबह 7.15 बजे मटका चौक के पास तेज रफ्तार में ड्राइविंग करते हुए मोहाली के एक डॉक्टर की जान लेने के मामले में सेक्टर 17 थाना पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के 19 दिन बाद बीते शनिवार को सोशल मीडिया में हादसे की ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज वायरल होने के बाद सेक्टर 17 थाना पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धारा में मामला दर्ज किया था। इससे पहले पुलिस ने बीते 11 सितंबर को लापरवाही और उतावलेपन में ड्राइविंग करने और लापरवाही भरे कृत्य से किसी को चोटिल करने की धारा में मामला दर्ज कर आरोपी ऑटो चालक की औपचारिक गिरफ्तारी कर उसे जमानत पर छोड़ दिया था। इसके बाद मोहाली के एक निजी अस्पताल में कई दिन इलाज के बाद डॉक्टर लखविंदर सिंह की मौत हो गई जिसके बाद पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या की धारा जोड़ी है।

हरियाणा में पंजाब के गैंगस्टर की हत्या

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में पंजाब के गैंगस्टर दीपक मान उर्फ मान जैतो की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। मान जैतो पंजाब के फरीदकोट का रहने वाला था। उसकी लाश गांव के खेत से मिली है। कुछ दिन पहले ही उसने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को ललकारा था। अब कत्ल के बाद गोल्डी बराड़ ने उसके कत्ल की जिम्मेदारी ली है। जानकारी के मुताबिक, सोनीपत के हरसाना कलां गांव के खेत में एक लाश पड़ी थी। जिस पर कई गोलियों के निशान थे। शाम के समय किसान खेत में गए तो लाश देखी। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पहले पुलिस उसकी पहचान नहीं कर सकी। हालांकि बाद में उसके बारे में पता चल गया। इस बारे में पंजाब पुलिस को सूचना दे दी गई है। लाश पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दी गई है। यह फोटो गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल बराड़ की है। गुरलाल बराड़ का 3 साल पहले चंडीगढ़ में क्लब के बाहर गोलियां मारकर कत्ल कर दिया गया था। जिसमें मान जैतो भी शामिल था। शूटर मनी चस्का बंबीहा गैंग को अर्मीनिया से चला रहे लक्की पटियाल का करीबी था। उसने कुछ साल पहले लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल बराड़ का चंडीगढ़ में कत्ल किया था। इसके बाद मनी चस्का पकड़ा गया लेकिन मान जैतो फरार था। जिसके बाद से ही वह लॉरेंस गैंग के टारगेट पर था।

पंजाब नेशनल बैंक, जिला अग्रणी बैंक कार्यालय कैथल ने सफाई कर मनाया सेवा दिवस

प्रबंधक एसके नंदा ने कहा कि जीवन में सफाई का विशेष महत्व

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

सफाई करते हुए बैंक कर्मचरी।

पंजाब नेशनल बैंक, जिला अग्रणी बैंक कार्यालय कैथल ने विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान आयोजित कर स्वच्छता ही सेवा दिवस मनाया।

बैंक ने एक तारीख एक घंटा सेवा अभियान के तहत सुबह 10 बजे से लेकर 11 बजे तक शहर के सेक्टर 18, गांव कौल, धनौरी, ग्योंग और सीवन में सफाई अभियान चलाया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। बैंक के इस संयुक्त अभियान में विभिन्न सामाजिक संगठनों, ग्राम पंचायत और आम जनता ने भी भाग लिया और श्रमदान किया। इस अवसर पर मौजूद जिला अग्रणी प्रबंधक एसके नंदा ने कहा कि जीवन में सफाई का विशेष महत्व है। सफाई रखकर हम विभिन्न प्रकार के रोगों की रोकथाम कर सकते हैं। अगर हम अपने दैनिक जीवन व्यवहार पर दृष्टि डालें तो सुबह उठने के पश्चात सबसे पहले हम अपने घर की सफाई ही करते हैं। जैसे अपने घर को हम साफ रखते हैं वैसे ही समाज को अपना घर मानकर हमें उसको भी स्वच्छ रखने में सहयोग करना चाहिए ताकि हम अपने आस पास खुशनुमा वातावरण रख सकें। उन्होंने स्वेच्छा से इस अभियान में भाग लेने वाले स्टाफ सदस्यों, पंचायत सदस्यों और सामाजिक संगठनों का धन्यवाद किया। मुख्य प्रबंधक अनिल कुमार रहेजा, वरिष्ठ प्रबंधक पंकज जगलान, दीपक कुमार, सुमित कुमार और आरएसईटीआई निदेशक धर्मेन्द्र कथूरिया पुष्पिंदर, कुलदीप आदि थे।

जिले की मंडियों में अब तक 87 हजार 359 मीट्रिक टन धान की हुई आवक: डीसी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

खरीद कार्य 15 मंडी/परचेज सेंटरों पर शुरू कर दिया गया

उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि जिला में धान की खरीद का कार्य जारी है। गत दिनों तक जिले की मंडियों में 87 हजार 359 मीट्रिक टन धान की खरीद सरकारी एजेंसी द्वारा की गई। एजेंसियों को खरीदी गई धान का उठान में तुरंत करवाने के आदेश खरीद एजेंसी को दिए गए हैं।

उपायुक्त ने बताया कि धान की खरीद का कार्य जिले में 15 मंडी/परचेज सेंटरों पर शुरू कर दिया गया है। अब तक 87 हजार 359 मीट्रिक टन धान मंडियों में आई, जिससे सरकारी खरीद एजेंयिों द्वारा खरीदा गया। इसमें से 59 हजार 201 मीट्रिक टन धान खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा, 17 हजार 988 मीट्रिक टन हैफेड द्वारा, 10 हजार 170 मीट्रिक टन हरियाणा वेयर हाऊस कार्पोरेशन द्वारा खरीदा गया।

उन्होंने बताया कि मार्किट कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार असंध में 12817 मीट्रिक टन, ब्याना में 1143 मीट्रिक टन, घरौंडा में 6649 मीट्रिक टन, घीड़ में 331 मीट्रिक टन, इंद्री में 18946 मीट्रिक टन, जुंडला में 3618 मीट्रिक टन, करनाल में 11903 मीट्रिक टन, कुंजपुरा में 2857 मीट्रिक टन, निगदू में 9682 मीट्रिक टन, नीलोखेड़ी में 1968 मीट्रिक टन, निसिंग में 7199 मीट्रिक टन तथा तरावड़ी में 10246 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

रोहतक में व्यक्ति को 6 गोलियां मारीं, ग्रामीणों के साथ ताश खेल रहा था

रोहतक। रोहतक के गुगाहेड़ी गांव में बाइक सवार 2 युवकों ने ताश खेल रहे एक व्यक्ति पर फायरिंग कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए क्क्रढ्ढ में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, रविवार शाम को 47 वर्षीय शीशपाल अपने साथियों के साथ बैठकर ताश खेल रहा था। तभी गांव का युवक अपने रिश्तेदार के साथ बाइक पर आया। उन्होंने आते ही शीशपाल पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर अफरा-तफरी मच गई। वहां बैठे अन्य लोग अपनी जान बचाकर भागे। हमलावरों ने शीशपाल को करीब 6 गोलियां मारी जो उसके पैर, पेट, कंधे और शरीर के अन्य हिस्सों पर लगी। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

रॉयलओक फर्नीचर त्यौहारी सीजन में विस्तार रणनीति पर सक्रिय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली ।

भारत का अग्रणी फर्नीचर ब्रांड रॉयलओक फर्नीचर त्यौहारों के इस सीज़न में देश में एक महत्वाकांक्षी विस्तार रणनीति पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

अपनी विकास योजना के तहत ब्रांड ने हाल ही में दिल्ली के व्यस्त इलाके पश्चिम विहार में स्थित अपने सबसे नए स्टोर की शुरूआत की है। यह नया स्टोर एक बेहद महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है और रॉयलओक पश्चिम विहार को वर्तमान समय के शहर के सबसे प्रतिष्ठित फर्नीचर स्थल के रूप में स्थापित कर दिया है। इसके उद्घाटन के समय से ही इस बेहतरीन स्टोर ने होम फर्निशिंग की दुनिया में किफायती लक्ज़री के एक असाधारण संयोजन के साथ दिल्लीवासियों की कल्पना को नए पंख दिए हैं।

उल्लेखनीय रूप से दिल्ली के पश्चिम विहार स्टोर ने हर 20 मिनट में एक फर्नीचर की बिक्री करने की उपलब्धि हासिल कर ली है।करीब 16,000 वर्ग फीट की विस्तृत जगह में स्थित यह स्टोर फर्नीचर के एक विशाल संग्रह को प्रदर्शित करता है जो किसी भी घर के हर हिस्से के लिए डिजाइन किए गए हैं। इस विशेष अवसर पर अनंत वर्मा, नॉर्थ क्लस्टर हेड, रॉयलओक फर्नीचर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हमने देखा है कि हमारे अनूठे और बेहतरीन उत्पादों से आकर्षित होकर बहुत ही कम समय में भारी संख्या में विजिटर्स हमारे स्टोर में आ रहे हैं। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए विजय सुब्रमण्यिन, फाउंडर एवं चेयरमैन, रॉयलओक फर्नीचर, ने कहा, हमारे स्टोर्स के बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए, वित्त वर्ष में 20 और स्टोर्स शुरू करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।पश्चिम विहार में रॉयलओक फर्नीचर का भविष्य क्षमताओं और इंसेंटिव आइडियाज से भरा हुआ है। रॉयलओक फर्नीचर दिल्ली में फर्नीचर शॉपिंग के अनुभव में बड़ा बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसे सभी के लिए सुलभ और आनंददायक बनाने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। रॉयलओक फर्नीचर का लक्ष्य अपने एक्सक्लूसिव स्टोर्स के माध्यम से मॉडर्न, लक्जुरियस और किफायती फर्नीचर संग्रह पेश करके घरों की खूबसूरती को बढाना है।

हरियाणा गवर्नमैंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की चेतावनी

कहा, मांगों का परिपत्र शीघ्र जारी करे सरकार अन्यथा होगा आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

हरियाणा गवर्नमैंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की जिला कन्वेंशन जवाहर पार्क में हुई जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान पृथ्वी सिंह ने की व संचालन जिला सचिव राजकुमार नापा ने किया। कन्वेंशन में मुख्य रूप से मैकेनिकल वर्कज यूनियन के राज्य महासचिव जरनैल सिंह, चेयरमैन कृष्ण शर्मा, राज्य उपप्रधान ओमपाल भाल व राजेंद्र शर्मा और राज्य कमेटी सदस्य मनोज शर्मा ने अपनी बात रखी।

उन्होंने हरियाणा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार व तीनों विभागों के प्रमुख अभियंता को संगठन के साथ की गई वार्ता के पत्र सरकार जल्द

बैठक में मांगों पर विचार करते हुए कर्मचारी।

?जारी करे अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व सिंचाई और जल संसाधन तथा भवन निर्माण के कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी के विरोध में 26 अगस्त 2022 से पंचकूला में अनिश्चितकालीन आंदोलन संगठन ने चलाया था।

लेकिन सरकार आज तक विभाग के अधिकारियों द्वारा मांगों का समाधान नहीं कर रही। सिंचाई विभाग व पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों से बातचीत हुई लेकिन आज तक कोई परिपत्र जारी नहीं किया।

ये हैं कर्मचारियों की मुख्य मांगें

उनकी मांगों में कौशल रोजगार विभाग बंद किया जाए तथा टर्म अप्वाइंटी कर्मचारियों समेत सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, जब तक पक्के नहीं होते तब तक समान काम समान वेतन दिया जाए, 60 वर्ष की सेवा गारंटी दी जाए, पंचायती ट्यूबल ऑपरेटर को ईएसआई इपीएफ की सुविधा दी जाए एवं मूल विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में मर्ज किया जाए, जन स्वास्थ्य विभाग की जलमल की सेवाएं नगर पालिका व पंचायतों को हैंड ओवर करना बंद किया जाए और हस्तांतरित की गई स्कीमों को वापस किया जाए, मेट व गेज रीडर को तृतीय श्रेणी में करने, कैनाल गार्डों को तृतीय श्रेणी में शामिल करने व मैट्रिक प्लस आईटीआई पास कर्मचारियों को 2400 का ग्रेड पे दिया जाए, लोक निर्माण विभाग की प्रयोगशाला तथा मैकेनिकल वर्कशॉप को पुनर्जीवित किए जाए, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में 4447 पद विभाग का विस्तार के बाबजूद समाप्त किये गये उन्हें बहाल किया जाए, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के 18 पदों को अपग्रेड करने का मामला जो कि वित्तीय विभाग में लम्बे समय से लम्बित हैं उसको शीघ्र करवाया जाए, फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों के सेवा नियम व वेतनमान की त्रुटियों को दूर किया जाए, तीनों विभाग में 1-1-1987 के बाद नियमित हुए कर्मचारियों के पदों को व्यक्तिगत पद न मानते हुए जनरल पद बनाते जाए तथा विभाग में वर्कलोड के हिसाब से नये पद सृजित किए जाएं, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा बार-2 सेवा नियमों को दरकिनार करके जारी किये जाने वाले मनमाने आदेशों पर अंकुश लगाया जाए, तकनीकी विभाग होने के कारण कर्मचारी का कार्य करते समय अंग-भंग हो जाता है तो उसे प्रतिपूर्ति राशि 5 लाख दी जाये।

ओडिशा के साथ सात राज्यों में है भगवान जगन्नाथ की संपत्ति

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के कानून मंत्री जगन्नाथ सराका ने शनिवार को विधानसभा में बताया कि पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर के नाम पर ओडिशा और छह अन्य राज्यों में 60,822 एकड़ से अधिक जमीन है।

सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक प्रशांत बेहरा के सवाल पर मंत्री ने बताया कि महाप्रभु जगन्नाथ के नाम पर ओडिशा के 30 में से 24 जिलों में 60,426.943 एकड़ जमीन की पहचान की गई है। बता दें, भगवान जगन्नाथ को भारत देश के कई बड़े शहरों में निकाली जाती है। इसमें गुजरात समेत दूसरे राज्यों के कई

60,000 एकड़ से अधिक जमीन, 974 जगहों पर अतिक्रमण

प्रमुख शहर है। इन शहरों में भगवान जगन्नाथ के मंदिर भी हैं। सारका ने बताया कि इनमें से जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने करीब 38,061.892 एकड़ जमीन के अंतिम अधिकार रिकॉर्ड (आरओआर) प्राप्त कर लिए हैं। इसी प्रकार छह राज्यों में भगवान जगन्नाथ के नाम 395.252 एकड़ जमीन की पहचान की गई है। मंत्री ने बताया कि मंदिर प्रशासन ने पहले ही राज्य की विभिन्न तहसीलों में अतिक्रमण हटाने के लिए 974

मामले दाखिल किए हैं। उन्होंने बताया कि एसजेटीए अधिकारियों की उचित जांच के बाद जगन्नाथ मंदिर अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कराया गया है।

भारतीय आदिवासी पार्टी राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा, कांग्रेस को चुनौती देने को तैयार

एजेंसी। जयपुर

भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) में विभाजन के बाद आदिवासी नेताओं द्वारा गठित एक नए राजनीतिक संगठन भारतीय आदिवासी पार्टी ने राजस्थान के आदिवासी इलाके में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के लिए चुनौती खड़ी कर दी है तथा दोनों राष्ट्रीय दलों के वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों से पहले समर्थन जुटाने के अपने प्रयासों के तहत लगातार दौरे करने के लिए मजबूर हो गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य लोगों ने अपने दलों का समर्थन आधार मजबूत करने के प्रयास में आदिवासी क्षेत्रों के कई दौरे किए हैं। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री सोमवार को चित्तौड़गढ़ जिले का दौरा करेंगे, जहां आदिवासियों की बड़ी आबादी है। वह वहां एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के उपनेता सतीश पूनिया ने इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया और भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान आदिवासी क्षेत्रों का नियमित दौरा किया था। पार्टी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एक ब्राह्मण चेहरा हैं और चित्तौड़गढ़ से पार्टी के लोकसभा सांसद हैं।

राज्य के दक्षिण-पूर्व में बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ पूर्णतया आदिवासी जिले हैं, जबकि उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, सिरोही, पाली आंशिक रूप से आदिवासी क्षेत्र हैं।

गुजरात स्थित भारतीय ट्राइबल पार्टी के समान ही भारतीय आदिवासी पार्टी का प्रबंधन युवाओं द्वारा किया जाता है। बीटीपी ने 2018 के विधानसभा चुनावों में दो सीटें जीती थीं। भारतीय आदिवासी पार्टी के गठन के साथ ही बीटीपी में पूर्ण विभाजन हो गया। अविभाजित बीटीपी के अधिकांश समर्थक और नेता नए संगठन में चले गए।

ओपीएस की मांग पर सरकारी कर्मियों ने दिल्ली के रामलीला मैदान में भरी हुंकार

एजेंसी। नई दिल्ली

पुरानी पेंशन बहाली के लिए देशभर से आए लाखों कर्मियों ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुंकार भरी है। केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मचारी संगठनों के नेताओं ने पेंशन शंखनाद महारैली में कहा, अगर सरकार अपनी जिद नहीं छोड़ती है तो वोट की चोट के आधार पर पुरानी पेंशन बहाल कराएंगे। सरकारी कर्मियों, पेंशनरों और उनके रिश्तेदारों को मिलाकर यह संख्या दस करोड़ के पार चली जाती है। चुनाव में बड़ा उलटफेर करने के लिए यह संख्या निर्णायक साबित होगी। इस रैली में केंद्र एवं राज्यों के कर्मचारी संगठनों ने भाग लिया। हालांकि रैली का आयोजन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के बैनर तले हुआ है। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि पुरानी पेंशन, कर्मियों का अधिकार है। वे इसे लेकर ही रहेंगे। दिल्ली का रामलीला मैदान, सरकारी कर्मियों से खचाखच भरा हुआ था।

बता दें कि इस रैली की तैयारियां, करीब एक वर्ष से जा रही थी। कई राज्यों के कर्मचारी दो-तीन दिन पहले ही दिल्ली पहुंच गए थे।

परिभाषित एवं गारंटी वाली ओपीएस बहाली

एनएमओपीएस की महाराष्ट्र इकाई के सोशल मीडिया इंचार्ज, विनायक चौथे ने कहा, दिल्ली के रामलीला मैदान में देश के कौने कौने से सरकारी कर्मचारी पहुंचे हैं। ओपीएस की मांग को लेकर अभी तक की यह सबसे बड़ी रैली है। यह विशाल रैली, केवल पुरानी पेंशन बहाली के लिए है। केंद्र सरकार ने जो कमेटी गठित की है, उसमें ओपीएस का तो कहीं पर जिक्र ही नहीं है। वह तो एनपीएस में सुधार के लिए है, जबकि कर्मचारी पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें ओपीएस से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। सरकारी कर्मियों का केवल एक ही मकसद है।

रेल, बस और दूसरे वाहनों में बैठकर कर्मचारी दिल्ली पहुंचे हैं। अनेक कर्मियों को रेल की तत्काल टिकट लेनी पड़ी। रविवार सुबह 11 बजे रामलीला मैदान पूरी तरह भर चुका था। रामलीला मैदान के चारों तरफ की सड़कों पर कर्मियों के जत्थे चल रहे थे। कर्मियों के द्वारा पेंशन का नारा लगाया जा रहा था। इससे पहले केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने 10 अगस्त को रामलीला मैदान में एक विशाल रैली आयोजित की थी। अब नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) द्वारा पेंशन शंखनाद महारैली आयोजित की गई है। विजय कुमार बंधु ने रैली की सफलता के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा किया था। बंधु ने कहा, %पुरानी पेंशन% बहाली का मुद्दा, अब जीवन मरण का प्रश्न बन चुका है। जब पांच राज्यों में पुरानी पेंशन बहाल हो सकती है तो पूरे देश में क्यों नहीं। देश की आंतरिक और सीमा की सुरक्षा में तैनात सीएपीएफ जवानों को भी पुरानी पेंशन से वंचित रखा जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भारत संघ के शस्त्र बल मानते हुए, उन्हें पुरानी पेंशन का फायदा देने का फैसला सुनाया था।

एनपीएस में रिटायर्ड कर्मियों को मिली इतनी पेंशन

एनपीएस में कर्मियों जो पेंशन मिल रही है, उतनी तो बुढ़ापा पेंशन ही है। एनपीएस स्कीम में शामिल कर्मी, 18 साल बाद रिटायर हो रहे हैं, उन्हें क्या मिला है। एक कर्मी को एनपीएस में 2417 रुपये मासिक पेंशन मिली है, दूसरे को 2506 रुपये और तीसरे कर्मी को 49 सौ रुपये प्रतिमाह की पेंशन मिली है। अगर यही कर्मचारी पुरानी पेंशन व्यवस्था के दायरे में होते तो उन्हें प्रतिमाह क्रमश: 15250 रुपये, 17150 रुपये और 28450 रुपये मिलते। एनपीएस में कर्मियों द्वारा हर माह अपने वेतन का दस प्रतिशत शेयर डालने के बाद भी उन्हें रिटायरमेंट पर मामूली सी पेंशन मिलती है। इस शेयर को 14 या 24 प्रतिशत तक बढ़ाने का कोई फायदा नहीं होगा। एआईडीईएफ के महासचिव सी.श्रीकुमार के मुताबिक, एनपीएस में पुरानी पेंशन व्यवस्था की तरह महंगाई राहत का भी कोई प्रावधान नहीं है। जो कर्मचारी पुरानी पेंशन व्यवस्था के दायरे में आते हैं, उन्हें महंगाई राहत के तौर पर आर्थिक फायदा मिलता है। एनपीएस में सामाजिक सुरक्षा की गारंटी भी नहीं रही। रिटायरमेंट के बाद सरकारी कर्मियों को जानबूझकर कष्टों में धकेला जा रहा है।

अमेरिका-भारत के संबंध चांद पर और उससे भी परे पहुंचेंगे: जयशंकर

एजेंसी। वाशिंगटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें एक अलग स्तर तक लेकर जाएगी। जयशंकर ने कहा कि ये द्विपक्षीय संबंध चंद्रयान की तरह चांद पर और उससे भी परे पहुंचेंगे।

भारतीय दूतावास द्वारा शनिवार को यहां आयोजित सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंडशिप कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से इंडिया हाउस में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, आज एक स्पष्ट संदेश है कि हमारा रिश्ता अब तक के उच्चतम स्तर पर है, लेकिन जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है कि आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है, हम इन संबंधों को एक अलग स्तर, एक अलग जगह ले जाने वाले हैं। जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा, जब चीजें अच्छी होती हैं, तो हमेशा मेजबान को इसका श्रेय मिलता है। यह उचित भी है, लेकिन यदि जी20 के सभी सदस्य देश इस आयोजन की सफलता के लिए काम नहीं करते, तो यह संभव नहीं था। जयशंकर ने भारतीय-अमेरिकियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, मैं आज इस देश में हूं, खासकर इसलिए मुझे यह कहना चाहिए कि जी20 को सफल बनाने के लिए, जो योगदान, जो सहयोग और समझ हमें अमेरिका से मिली, उसकी मैं वाशिंगटन डीसी में सार्वजनिक तौर पर सराहना करना चाहूंगा।

उन्होंने कहा, तो, शाब्दिक रूप से यह हमारी सफलता हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह जी20 (राष्ट्रों) की सफलता थी। मेरे लिए, यह भारत-अमेरिका साझेदारी की भी सफलता थी।

कृपया इस साझेदारी को वह समर्थन देते रहें, जिसकी उसे आवश्यकता है, जिसकी यह हकदार है और जिसकी अपेक्षा है। मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि ये संबंध चंद्रयान की तरह चंद्रमा तक, शायद उससे भी आगे तक जाएंगे। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच मानवीय संबंध इस द्विपक्षीय संबंध को और अनूठा बनाते हैं।

शरद पवार राकांपा में विभाजन के संबंध में निर्वाचन आयोग की सुनवाई में शामिल होंगे

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को कहा कि वह पार्टी के विभाजन के संबंध में सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए छह अक्टूबर को नई दिल्ली में जाएंगे। पवार ने महाराष्ट्र के पुणे जिले के जुन्नार में संवाददाताओं से कहा कि हर कोई जानता है कि पार्टी का संस्थापक कौन है। पवार ने कहा कि उन्हें समन मिला है और वह सुनवाई के लिए उपस्थित रहेंगे।

जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला अमेरिका का दूसरा शहर बना फ्रेस्नो

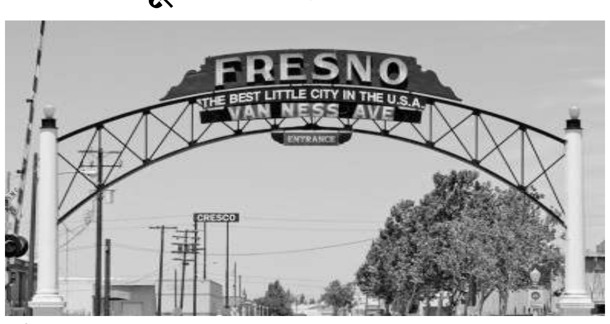

एजेंसी। वाशिंगटन

एक अक्टूबर (भाषा) कैलिफोर्निया में फ्रेस्नो जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला दूसरा अमेरिकी शहर बन गया है। सिटी काउंसिल ने अपनी नगरपालिका संहिता में दो नई श्रेणियां जोड़ने के बाद इस संबंध में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया।

इससे पहले, फरवरी में सिएटल जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला देश का पहला शहर बन गया था। इसके बाद, अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य ने ऐसा ही एक विधेयक सितंबर में पारित किया। अमेरिकी टेलीविजन नेटवर्क एनबीसी ने शुक्रवार को बताया कि यह कदम देशभर में चलाए जा रहे नागरिक अधिकार आंदोलन के बीच उठाया गया है, जिसकी अगुवाई मुख्यत: दक्षिण एशियाई अमेरिकी कर रहे हैं। एनबीसी ने फ्रेस्नो सिटी काउंसिल की उपाध्यक्ष एनालीसा पेरिया के हवाले से कहा, मुझे नागरिक अधिकारों की सुरक्षा का स्तर बढ़ाने पर एक बार फिर हमारे शहर पर गर्व है।

उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि भेदभाव रातोंरात खत्म नहीं होता लेकिन हमारे शहर ने जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ नागरिक अधिकार सुरक्षा को मजबूत करने की भेदभाव रोधी नीति पारित करने का साहसी कदम उठाया है।

तुर्किए की राजधानी में आत्मघाती हमला, दूसरा हमलावर मुठभेड़ में ढेर

अंकारा। ग्रीष्मावकाश समाप्त होने के बाद संसद की कार्यवाही फिर से शुरू होने से कुछ घंटों पहले तुर्किए की राजधानी अंकारा में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने एक विस्फोट को अंजाम दिया। वहीं, दूसरे हमलावर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया।

मंत्री अली एर्लिकाया ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि गृह मामलों के मंत्रालय के समीप हुए इस हमले में दो पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। हमलावरों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। कुर्दिश और धुर वाम चरमपंथी समूहों तथा इस्लामिक स्टेट समूह ने अतीत में देशभर में इस तरह के घातक हमलों को अंजाम दिया है। एर्लिकाया ने बताया कि हमलावर एक वाहन में सवार होकर घटनास्थल पर पहुंचे थे। टेलीविजन फुटेज में बम निरोधक दस्ते को इलाके में खड़े एक वाहन के पास देखा जा सकता है।

आयकर विभाग ने की मुख्तार अंसारी की दूसरी जमीन कुर्क

एजेंसी। लखनऊ

आयकर विभाग ने माफिया-नेता मुख्तार अंसारी और उसके परिजन के खिलाफ चल रही कथित बेनामी जायदाद मामले की जांच के तहत लखनऊमें लगभग 10 करोड़ रुपए की दूसरी भूसंपत्ति कुर्क की है। विभाग की बेनामी संपत्ति जांच शाखा ने व्यापक जांच को ऑपरेशन पैंथर नाम दिया है। जांच में पाया गया है कि लखनऊ के डालीबाग इलाके में 13-सी03 पर 3,234 वर्ग फुट के प्लॉट की बेनामीदार (जिसके नाम पर बेनामी संपत्ति है) तनवीर सहर, गाजीपुर की निवासी एक महिला है।

एक आधिकारिक रिकॉर्ड से पता चलता है कि आयकर विभाग ने गत 29 सितंबर को बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम के नियम-5 के

साथ पठित धारा 24(3) के तहत भूखंड कुर्क कर लिया। इसके अनुसार यह पाया गया कि इससे जुड़े हुए लोग बहुत प्रभावशाली हैं और संपत्ति एक प्रमुख स्थान पर स्थित है और उसका गुपचुप निपटान किया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कुर्क की गई जमीन का स्टांप मूल्यांकन 76 लाख रुपए से थोड़ा अधिक है जबकि इसका बाजार मूल्य लगभग 10 करोड़ रुपए आंका गया है।

आयकर विभाग ने इसी साल अप्रैल में अंसारी के खिलाफ मामले में पहली संपत्ति उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सदर तहसील अंतर्गत मौजा कपूरपुर में स्थित कुर्क की। लगभग 12 करोड़ रुपए मूल्य की इस जमीन का बेनामीदार मुख्तार अंसारी का कथित सहयोगी गणेश दत्त मिश्रा था।

प्रधानमंत्री मोदी आज राजस्थान, मप्र का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को राजस्थान और मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह दोनों राज्यों में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि मोदी राजस्थान में लगभग 7,000 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश में लगभग 19,260 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ की अपनी यात्रा के दौरान वह मेहसाणा-बठिंडा-गुरदासपुर गैस पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे, जिसे 4,500 करोड़ की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री आबू रोड में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के एलपीजी संयंत्र का भी उद्घाटन करेंगे। यह संयंत्र प्रति वर्ष 86 लाख सिलेंडर वितरित करेगा। इससे कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष लगभग 0.5 मिलियन टन कटौती करने में मदद मिलेगी।

संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित किया जाना अनुचित : संजय सिंह

एजेंसी। अमेठी (उप्र)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित किए जाने को अनुचित बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने एक महिला की मौत के मामले में जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ कार्वाई की जानी चाहिए लेकिन जनहित में अस्पताल का संचालन बहाल किया जाना चाहिए।

संजय गांधी अस्पताल के दिव्या शुक्ला (22) नामक एक महिला मरीज की मौत के बाद 17 सितंबर को निलंबित कर दिया गया था। महिला रोगी को 14 सितंबर को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिंह ने अमेठी के रामनगर में आयोजित एक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन का जिक्र होने पर कहा, महिला की मौत होना बहुत ही दुखद बात है। उसे न्याय मिलना चाहिए। जो चिकित्सक दोषी हो, उन पर उनके खिलाफ कार्वाई की जानी चाहिए। लेकिन अस्पताल का संचालन नहीं बंद किया जाना चाहिए।

इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। लोग परेशान हैं। अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करना समझ से परे है। सिंह ने कहा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस संबंध में पत्र लिखेंगे और साथ ही उनसे मिलकर अस्पताल का संचालन बहाल करने के सिलसिले में बात भी करेंगे।

अयोध्या की तरह नैमिषारण्य का विकास करना हमारी प्राथमिकता: योगी

एजेंसी। सीतापुर (उप्र)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अयोध्या की तर्ज पर नैमिषारण्य का विकास सरकार की प्राथमिकता है और नैमिष तीर्थ के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि कि नैमिषारण्य के एक दिवसीय दौरे पर आए आदित्यनाथ ने भी अपनी यात्रा के दौरान दर्शन किए, पूजा की और अनुष्ठान के अनुसार हवन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज पूरा देश नैमिषारण्य आना चाहता है। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी इसलिए, हमें अनुकूल माहौल बनाना होगा, जो स्वच्छता रखने से ही संभव है। इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यहां आने वाले आगंतुकों और पर्यटकों के साथ अच्छा व्यवहार हो। इसके बाद मुख्यमंत्री प्राचीन भूतेश्वरनाथ मंदिर और माँ ललिता देवी मंदिर भी गए। साथ ही मुख्यमंत्री ने देश भर से आए नैमिष तीर्थ के विभिन्न मठों और मंदिरों के संतों, महंतों और पुजारियों के साथ चक्रतीर्थ पर स्वच्छता श्रमदान किया।

मुख्यमंत्री और अन्य साधु-संतों ने झाड़ू लगाते समय मास्क पहनकर व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता का संदेश भी दिया। इससे पहले, संतों के साथ बातचीत के दौरान आदित्यनाथ ने उनसे स्वच्छता बनाए रखने और मठों तथा मंदिरों को पूरी तरह प्लास्टिक से मुक्त करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने संतों और पुजारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, स्वच्छता को एक दिवसीय कार्यक्रम बनाने के बजाय इसे एक जन आंदोलन बनाना हमारी जिम्मेदारी है।

स्वच्छता जीवन की पहली आवश्यकता है। हमें विशेष रूप से तीर्थ स्थानों, मठों, मंदिरों और हर उस स्थान पर स्वच्छता को लेकर संवेदनशील बना होगा जहां लोग जाते हैं। इस अवसर पर आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि सरकार नैमिषारण्य के वैदिक और पौराणिक गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्षेत्र में तेजी से चल रहा विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा नैमिषारण्य के विकास के लिए किया जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, आज यहां इलेक्ट्रिक बस सेवा और हेलीकॉप्टर सेवा के साथ-साथ सड़कों को चौड़ा करने पर भी तेजी से काम चल रहा है। हालांकि, यहां अब तक जो विकास हुआ है, वह बड़ी तस्वीर की एक छोटी सी झलक मात्र है। बहुत कुछ यहां अभी भी काफी काम किया जाना बाकी है।

उन्होंने पिछली सरकारों पर नैमिषारण्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले इस स्थान की उपेक्षा की गई थी और राज्य की राजधानी लखनऊ के निकट स्थित होने के बावजूद इसे विकास से वंचित रखा गया था।

मायावती ने कहा, अपनी ताकत को मजबूत करें बसपा कार्यकर्ता

एजेंसी। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) से दूरी बनाए रखकर अपनी ताकत को मजबूत करने की हिदायत दी है।

मायावती ने रविवार को आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड में पार्टी की तैयारी, सर्वसमाज में जनाधार को बढ़ाने के साथ ही अन्य जरूरी मुद्दों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। पार्टी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मायावती ने बैठक के दौरान पार्टी

बोलीं, सत्ता पक्ष और विपक्षी गठबंधनों से दूरी रखें

नेताओं को सत्ताधारी राजग तथा विपक्षी इण्डिया दोनों ही गठबंधनों से पूरी-पूरी दूरी बनाए रखकर अपनी ताकत को और बढ़ाने पर काम करने के निर्देश दिए हैं। बसपा अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों को सावधान करते हुए कहा, बसपा विरोधी तत्व राजनीतिक साजिश के तहत बीच-बीच में इस प्रकार का दुष्प्रचार करते रहने से अब भी रूक नहीं रहे हैं इसीलिए हर स्तर पर सावधानी बरतना बहुत जरूरी है ताकि अपनी चुनावी तैयारी किसी भी प्रकार से प्रभावित न होने पाए।

स्वच्छता अभियान में नेताओं, छात्रों ने किया श्रमदान

दिल्ली नगर निगम ने 500 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर नेताओं से लेकर छात्रों तक, सभी क्षेत्रों के लोगों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की पिछली कड़ी में पीएम मोदी ने सभी नागरिकों से एक अक्टूबर को स्वच्छता के लिए एक घंटे का श्रमदान करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर यह स्वच्छांजलि होगी।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लोगों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह करते हुए एक्स पर कहा, आइए, एक नया इतिहास बनाएं आज सुबह 10 बजे। एक घंटे के लिए स्वयंसेवक बनें, स्वच्छता के माध्यम से महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दें। कूड़ा मुक्त भारत का सपना, हम सब मिलकर पूरा करेंगे। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी नई दिल्ली में स्वच्छता गतिविधि के लिए स्वेच्छा से शामिल हुए। दिल्ली नगर निगम ने 500 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दिल्ली भजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने झंडेवालान स्थित सेवा बस्ती में स्वच्छता सेवा करके भाजपा के स्वच्छता श्रमदान अभियान कार्यक्रम शुरू किया।

इस मौके पर जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा मना रही है। आज भाजपा कार्यकर्ता इस सेवा बस्ती में स्वच्छता श्रमदान कर रहे हैं जो महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि है क्योंकि गांधी जी गरीबों की सेवा में विश्वास करते थे। गांधी जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से स्वच्छता सेवा का आह्वान किया और भाजपा के कार्यकर्ताओं और भारत के करोड़ों लोग उस स्वच्छता अभियान में अपना योगदान दे रहे हैं। आज देशभर में करोड़ों श्रमिक श्रमदान के माध्यम से योगदान दे रहे हैं और इसे एक जन आंदोलन बना रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता अच्छी स्वच्छता और साफ-सफाई के लिए जन जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं। इस स्वच्छता आंदोलन को मजबूत करने के लिए स्वच्छता कार्यक्रम करना जरूरी है लेकिन साथ ही हमें सड़कों और खुले स्थानों पर गंदगी फैलाने से भी बचना चाहिए।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज सभी 256 वार्डों में स्वच्छता अभियान श्रमदान कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि हम इसे एक दिन का मामला नहीं बनने देंगे बल्कि अपने पार्षदों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आरडब्ल्यूए की मदद से नियमित रूप से शहर भर में स्वच्छता अभियान चलाएंगे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, आईसीसीआर अध्यक्ष विनय सहस्रबुद्धे ने पहाड़गंज के मुंजे चौक पर स्वच्छता अभियान चलाने में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। भाजपा उपाध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा प्रभारी बैजयंत जय पांडा शास्त्री बाग में पार्षद मनोज जिंदल के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान में हिस लिया।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी अटल पार्क, मॉडलबंड एक्सटेंशन में स्वच्छता अभियान चला रहे स्थानीय बदरपुर विधानसभा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और कार्यकर्ताओं से स्वच्छता सेवा को अपने दैनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद डॉ. हर्ष वर्धन रानी बाग में केशवपुरम जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गोयल के नेतृत्व में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए।

इस कार्यक्र में सांसद मनोज तिवारी बत्रा कॉम्प्लेक्स, मुखर्जी मार्ग, सांसद रमेश बिधूड़ी पुष्प विहार, प्रवेश साहब सिंह डाबरी एवं जनकपुरी, हंसराज हंस ने सेक्टर 15 रोहिणी में स्वच्छता सुधार हेतु श्रमदान किया।

मीनाक्षी लेखी ने कहा, वह उम्मीद करती हैं कि लोग स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े रहेंगे, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया था।

शाहदरा ड्रेन के आसपास सफाई कर स्वच्छता का संदेश देते एलजी वीके सक्सेना, साथ में कर्मचारी।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिया स्वच्छता का संदेश

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना कृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली नगर निगम की तरफ से आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शाहदरा ड्रेन के आसपास सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। एलजी सक्सेना झाड़ू लगाते, गंदगी उठाते और पौधों की छटाई करते हुए नजर आए। उन्होंने शाहदरा ड्रेन की सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वछता का संदेश दिया गया। एलजी ने कांति नगर-बिहारी कॉलोनी से भोलानाथ नगर, फर्श बाजार, विश्वास नगर, पूर्वी आजाद नगर मेट्रो स्टेशन और कृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन तक सड़कों का निरीक्षण किया।

डीएमआरसी कर्मचारियों ने भी श्रमदान में हिस्सा लिया

दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में उत्साह के साथ भाग लिया। डीएमआरसी के कर्मचारियों और उनके परिवारजनों, निर्माण स्थल के श्रमिकों के साथ स्टेशनों, डिपो, आवासीय कॉलोनियों और निर्माण स्थलों के 90 स्थानों पर कचरा मुक्त भारत के लिए किए गए श्रमदान में हिस्सा लिया। इस पहल के बारे में यात्रियों को सूचित करने के लिए मेट्रो स्टेशनों पर भी घोषणाएं की गईं ताकि वे भी इस तरह की गतिविधियों में भाग ले सकें। इस वर्ष 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाए गए स्वच्छता ही सेवा अभियान का मकसद स्वैच्छिक श्रमदान गतिविधियों को प्रेरित करना है, जो नागरिकों के बीच स्वच्छता के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देती है।

धर्मेंद्र प्रधान ने लिया डीयू में साफ-सफाई का जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने कॉलेजों में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अगुवाई में एक तारीख, एक घंटा, एक साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमिता विभाग, भारत सरकार द्वारा एक अक्टूबर को सुबह दस बजे विवि के नॉर्थ कैंपस में दो स्थानों, जी सी नारंग मार्ग और पटेल चेस्ट पर सफाई अभियान चलाया गया। धर्मेन्द्र प्रधान ने खुद झाड़ू लेकर के साथ सफाई की और कूड़े कचरे को अपने हाथों से साफ करने सहयोग दिया। साथ ही वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में डॉक्टरों से भी बातचीत की और उनसे भारत में स्वच्छता का अगुआ बनने का वादा लिया। प्रधान में के साथ शिक्षा मंत्रालय के 25 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए जिनमें उच्च शिक्षा सचिव संजय मूर्ति और दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति और डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी शामिल थे।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छता अभियान के तहत राष्ट्रीय बाल भवन के प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ बच्चों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान में भाग लिया।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने किया श्रमदान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक तारीख एक घंटा एक साथ के आह्वान पर केंद्रीय विद्युत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय विद्युत मंत्रालय और विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों और संगठनों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान किया। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को बाराखंभा स्थित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी अधिकारियों को स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलाई। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती की पूर्व संध्या पर देश भर में चलाए जाने वाले मेगा स्वच्छता अभियान के हिस्से के रूप में श्रमदान का नेतृत्व किया। विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने देश के सभी नागरिकों से राष्ट्रव्यापी अभियान में योगदान देने का आग्रह किया। स्वच्छता पखवाड़ा 2023 की थीम कचरा मुक्त भारत है। इस अवसर पर बिजली क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा देश के गांवों और कस्बों, स्कूलों, आंगनबाड़ियों और सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गई हैं।

घर में घुसकर युवती का सिर कुचलकर हत्या

- पुलिस को मामले में प्रेम-प्रसंग का शक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के थाना इकोटेक 3 क्षेत्र में एक युवती की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। रविवार की सुबह युवती की हत्या की खबर से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

आनन-फानन में पुलिस के कई सीनियर अफसर मौके पर पहुंच चुके हैं। जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा के थाना इकोटेक-3 क्षेत्रांतर्गत एक घर में रविवार की सुबह एक युवती की हत्या किए जाने की सूचना थाना पुलिस को मिली। जिसके बाद थाना इकोटेक 3 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की।

इसके अलावा पुलिस के कई वरिष्ठ अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं और जांच पड़ताल कर रहे हैं। फिलहाल हत्या किए जाने के कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। मृतक युवती की उम्र करीब 23 साल बताई जा रही। आशंका जाहिर की जा रही है कि 23 वर्षीय युवती की पत्थर से कुचलकर निर्मम हत्या की गई है। ऑनर किलिंग की संभावना भी नजर आ रही है। बताया जाता है कि एक कमरे में हत्या कर शव को दूसरे कमरे में ले जाया गया। घर के किसी व्यक्ति पर हत्या करने की आशंका। प्रेम प्रसंग को भी हत्या की वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या की यह घटना ईकोटेक 3 थाना इलाके के गांव हबीबपुर की है। गांव में रहने वाली 23 साल की पिंकी अपने घर के एक कमरे में सो रही थी। रात को अज्ञात हत्यारे ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि युवती की लाश कमरे में पड़ी हुई थी। देखने से मालूम होता है कि उसकी हत्या ईंट-पत्थर से हमला कर की गई है। बताया जा रहा है कि मृतक युवती के परिजनों ने उसका कही रिश्ता तय कर दिया था। उसकी शादी दिसंबर में होने वाली थी। युवती की हत्या से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

रजिस्ट्री की मांग को लेकर खरीदारों का हल्ला बोल

- मूर्ति गोल चक्कर पर लगातार 42वें हफ्ते प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

रजिस्ट्री और घरों की पोजीशन को लेकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी आज भी दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। रजिस्ट्री की मांग को लेकर घर खरीददारों द्वारा एक मूर्ति गोल चक्कर पर 42वें हफ्ते हल्ला बोल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में घर खरीदार एक मूर्ति पर एकत्रित हुए और सरकार से रजिस्ट्री जल्द शुरु करवाने और रुके प्रोजेक्ट के काम की शुरुआत की मांग की।

रजिस्ट्री की मांग को लेकर घर खरीददारों ने सीएम योगी सामने भी अपनी समस्याएं रखी, लेकिन उसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। घर खरीदारों ने कार्रवाई न होने पर प्राधिकरण के सामने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा है कि अगर हमारी मांगों की इसी तरह अनदेखी की गई तो मजबूरी में अथॉरिटी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लगातार सरकार के सामने हम अपनी बात रखते रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने निराश हैं। आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे योगेश देवगन, राजकुमार, समीर भारद्वाज, संजय साह, रोहित मिश्रा, रंजना भारद्वाज, अनुपमा मिश्रा, शशि रंजन कुमार, अनिल रात्रा, विभूति चौरसिया का कहना है कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से हर रविवार को तब तक जारी रहेगा जब तक घरों की रजिस्ट्री और पज़ेशन शुरु नहीं हो जाते। सरकार ने ही कहा था कि अमिताभ कांत कमेटी की सिफ़ारिशों पर अमल करेंगे। अब रिपोर्ट आ गई फिर क्यों देरी की जा रही है। आंदोलन में लगातार शामिल हो रहे सुधांशु किशोर, ज्योति जायसवाल, शशि भूषण, पुरुषोत्तम, आशुतोष, आयोग, विकास जोशी, दिनकर पांडे, बिपिन प्रसाद, गंगेश कुमार, दीपक भटनागर, डॉ सुहैल ख़ान, मनीष, राकेश झा सहित कई घर ख़रीदारों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे को इतने समय से क्यों लटका रही है, सरकार को समस्या पता, समाधान के लिए हमने तमाम उपाय भी सामने रखें, फिर भी कुछ होता नहीं दिख रहा है।

ये भी कहना है कि अगर सरकार ने मांगें नहीं मानी तो ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के दफ़्तर पर भी बड़ी संख्या में प्रदर्शन करने ज़रूर जाएंगे। विरोध प्रदर्शन में इको विलेज 1, इको विलेज 2, इको विलेज 3, आरसिटी रेजिंसी पार्क, अजनारा होम्स, कासा ग्रीन्स वन, ऐपेक्स गोल्फ एवेन्यू, एक्का गार्डन, संस्कृति, यूनिटेक यनिवर्ल्ड सहित कई प्रोजेक्ट के घर ख़रीदार शामिल हुए।

ग्रेटर नोएडा फिर बना देश में सबसे प्रदूषित शहर, बिगड़ी स्थिति

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के हालात बेहद गंभीर हैं। ग्रेटर नोएडा एक बार फिर से देश का सबसे प्रदू ?षित शहर बन गया है। यहां पर वायु प्रदषण की स्थिति बेहद खराब स्तर पर पहुंच गई है। शनिवार को ग्रेटर नोएडा देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। इस शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक 298 दर्ज किया गया। एक्यूआई के लिहाज से शहर रेड जोन में पहुंच गया है। अहम है कि बीते दस दिनों में दो से ज्यादा बार ग्रेटर नोएडा देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा है। रविवार, 1 अक्टूबर से लागू होने वाली ग्रैप की शर्तें दिल्ली के वायु प्रदूषण के आधार पर लागू होंगी। हालांकि गौतमबुद्धनगर जनपद के तीनों प्राधिकरणों, प्रशासन और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यूपीपीसीबी ने इससे जुड़ी कोई तैयारी नहीं की है। पाबंदियां लागू होने से एक दिन पहले तक सभी विभाग एक.दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। यूपीपीसीबी के अधिकारियों का कहना है कि शहरी क्षेत्र में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ग्रैप के नियमों का पालन कराएगी। प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक सड़कों की धूल और निर्माणाधीन साइटों पर नियमों का उल्लंघन ही प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है। टूटी सड़कों को बनाने और धूल को साफ करने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में प्राधिकरण को पत्र भेजा जा चुका है। वहीं लोगों का कहना है कि अगर यहीं हाल रहा तो जल्द ही एक्यूआई रेड जोन और फिर डार्क रेड जोन में पहुंच जाएगा। यूपीपीसीबी ने प्रदूषण के स्तर का पता लगाने के लिए ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए हैं। जिनके हिसाब से ग्रेनो वेस्ट वायु प्रदूषित की स्थिति ज्यादा खराब है।

डूटा कार्यकारिणी में चुने जाने पर जताया आभार

नई दिल्ली। डुटा कार्यकारिणी में चुने पर इंटेक (आई) के उम्मीदवार डॉ. सुधांशु कुमार ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष अश्विनी शंकर ने कहा कि शिक्षकों ने हमारे संगठन में अपना विश्वास जताया इसके लिए हम सब विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अभारी हैं। डॉ. सुधांशु कुमार भूतपूर्व डुटा उपाध्यक्ष और अकेडमिक कॉउन्सिल के सदस्य रहे हैं।

अधिकारियों और व्यापारियों ने मिलकर लगाई झाड़ू

स्वच्छता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सुबह 10 बजे ग्रेटर नोएडा स्थित जगत फार्म मार्केट में किया गया।

वहीं यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरूण वीर सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विभाग से निशा वर्मा, संयुक्त आयुक्त जीएसटी सौम्या गुप्ता, उपायुक्त जीएसटी एवं जगत फार्म व्यापार मंडल के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान एवं जन भागीदारी के साथ-साथ सड़क पर झाड़ू लगाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपने को साकार करने के लिए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

समाजसेवी हरेंद्र भाटी ने बताया कि सफाई अभियान का प्रारंभ कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वच्छ भारत श्रद्धांजलि अर्पित कर श्रेष्ठ भारत बनाने का भरपूर प्रयास किया गया। सड़क, गली, मोहल्ले आदि की सफाई करके साफ- साफ संदेश दिया गया कि अब भारत को स्वच्छ भारत बनाकर ही रहेंगे तथा उपस्थित समस्त लोगों के द्वारा स्वच्छ भारत बनाने की शपथ भी ग्रहण की गई। उन्होंने बताया कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है कि हमें अपने आसपास सफाई का ध्यान रखना चाहिए। इस स्वच्छ भारत मिशन में प्रमुख रूप से व्यापार मंडल से सहभागिता करने वाले मनजीत सिंह, विजेंद्र सिंह आर्य, हरेन्द्र भाटी, राजवीर सिंह पटवारी, मनोज गर्ग, ओम रायज़ादा, टीपी सिंह, मुकेश जैन, राजीव बैसला, एवं विभाग से अंबुज श्रीवास्तव, अधीक्षक एसके सिन्हा, अधीक्षक महाराज सिंह, अमरीश शर्मा नक्षत्र पाल सिंह, मनोज अग्रवाल महेंद्र पाल सिंह आदि अनेक व्यापारी वर्ग एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

वहीं स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु नोएडा के सीईओ लोकेश एम सड़क पर उतरे पर साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज आईएमएस नोएडा ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत एक तारीख एक घंटा अभियान चलाया। रविवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान के आस.पास छात्रों ने झाड़ू लगा कर गंदगी साफ की। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्थान के छात्रों को अपने घर, मोहल्ले, सोसाइटी एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलायी गयी।

आईएमएस के एडमिन ऑफिसर मनीष कुमार गुप्ता ने सभी छात्रों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई।

स्वच्छता का संदेश देने के लिए नोएडा के सीईओ लोकेश एम सड़क पर उतरे और साफ-सफाई की।

पुलिस कमिश्नर ने चलाया फावड़ा अन्य पुलिस अफसरों ने की सफाई

नोएडा। गांधी जयंती के अवसर पर चलाए जा रहे स्वस्छता ही सेवा अभियान के तहत रविवार को नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने फावड़ा उठाकर पुलिस लाइन में सफाई अभियान में भागीदारी की। इस दौरान अन्य पुलिस अफसर भी पुलिस लाइन और अपने अपने कार्यालय की सफाई करते नजर आए। आपको बता दें कि गांधी जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पूरे देश में सरकारी, अर्धसरकारी कार्यालयों के अलावा ?नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और क्षेत्र पंचायतों में साफसफाई की जा रही है। इसी के तहत रविवार को नोएडा की पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। पुलिस अफसरों और कर्मचारियों ने पुलिस लाइन के मैदान की सफाई की। इस दौरान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह भी हाथ में फावड़ा लेकर सफाई करती हुई नजर आई। काय्रक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान के दौरान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित भी किया।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शत् शत् नमन

महात्मा गांधी भारत के ही नहीं बल्कि संसार के महान पुरुष थे। वे आज के इस युग की महान विभूति थे। महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के अनन्य पुजारी थे और अहिंसा के प्रयोग से उन्होंने सालों से गुलाम भारतवर्ष को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करवाया था।

यात्रा : मोहनदास से महात्मा तक

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भारत के ही नहीं बल्कि संसार के महान पुरुष थे। वे आज के इस युग की महान विभूति थे। महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के अनन्य पुजारी थे और अहिंसा के प्रयोग से उन्होंने सालों से गुलाम भारतवर्ष को परतंत्रता की बेढ़ियों से मुक्त करवाया था। विश्वे में यह एकमात्र उदाहरण है कि गांधी जी के सत्याग्रह के समक्ष अंग्रेजों को भी झुकना पड़ा। आने वाली पीढ़ियां निश्चय गौरव के साथ उनका नाम याद करती रहेंगी। भारत देश जब पराधीनता में फंसा हुआ था तब जनता का पतन और शोषण हो रहा था तथा प्रगति में विराम चिह्न लगा हुआ था। ऐसी स्थिति में देश को एक जागरूक पथ-प्रदर्शक की बहुत अधिक आवश्यकता थी। ऐसे समय पर गांधी जी का जन्म देश में हुआ था। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर अपने हाथों में लेकर सत्य और अहिंसा से देश को स्वतंत्र करने में अपने जीवन को लगा दिया था।

जन्म : महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात राज्य के काठियावाड़ जिले में स्थित पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचन्द गांधी था। गांधी जी के पिता का नाम करमचन्द गांधी था और उनकी माता का नाम पुतलीबाई गांधी। मोहनदास अपने पिता जी की चौथी पत्नी की आखिरी संतान थे। गांधी जी के पिता राजकोट रियासत के दीवान थे। उनका प्रारंभिक जीवन राजकोट में बीता। गांधी जी की माता सती-साध्वी और धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। गांधी जी पर उनकी माता के संस्कारों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ा था।

शिक्षा: गांधी जी की प्रारंभिक शिक्षा पोरबन्दर में हुई थी। अपनी कक्षा में वे एक साधारण विद्यार्थी थे। वह अपने सहपाठियों से बहुत कम बोलते थे, लेकिन अपने शिक्षकों का पूरा आदर करते थे। मैट्रिक की परीक्षा अपने स्थानीय विद्यालय से उत्तीर्ण की थी। गांधी जी औसत विद्यार्थी थे हालांकि उन्होंने कभी-कभी पुरस्कार और छात्रवृत्तियां भी जीती हैं, लेकिन गांधी जी पढ़ाई और खेल में तेज नहीं थे। वह शुरू से सत्यवादी और मेहनती थे। गांधी जी कभी कोई बात नहीं छिपाते थे। उनकी माता उन्हें बचपन से ही धर्म-कर्म की शिक्षा देती थीं, जिससे वे विद्यालय में भी एक विनम्र विद्यार्थी थे। एक बालक का इतना विनम्र रहना उचित नहीं था, लेकिन गांधी जी में ये सभी संस्कार जन्मजात थे। सन् 1887 में गांधी जी ने बंबई यूनिवर्सिटी की मैट्रिक की परीक्षा को पास किया और भावनगर स्थित सामलदास कॉलेज में प्रवेश लिया। अचानक गुजराती भाषा से अंग्रेजी भाषा में आ जाने से गांधी जी को व्याख्यानों को समझने में थोड़ी परेशानी हो रही थी। वह डॉक्टर बनना चाहते थे, पर वैष्णव परिवार में चीरफाड़ की इजाजत नहीं थी। अगर गांधी जी को गुजरात के किसी राजघराने में उच्च पद को प्राप्त करने की परंपरा को निभाना है तो उन्हें बैरिस्टर बनना पड़ेगा इसलिए गांधी जी को इंग्लैंड जाना पड़ा।

विवाह : गांधी जी जब 13 साल के थे और स्कूल में पढ़ते थे, तब उनका विवाह पोरबंदर के एक व्यापारी की पुत्री कस्तूरबा देवी से कर दिया गया था।

विदेश यात्रा : गांधी जी की शिक्षा अभी जारी थी कि उनके पिता का स्वर्गवास हो गया। जब गांधी जी कानूनी शिक्षा ग्रहण करने के लिए विदेश गए थे, तब वे एक बेटे के पिता बन चुके थे। इंग्लैंड में गांधी जी ने अध्ययन के साथ पहली बार स्वतंत्र विश्व का अपनी खुली आंखों से दर्शन किया था। उनके विदेश जाने से पहले अपनी माता जी से यह वादा किया था, वे इंग्लैंड जाकर मांस और मंदिरा का पान नहीं करेंगे। उन्होंने अपनी माता को किया हुआ वादा बखूबी निभाया। गांधी जी ने इंग्लैंड में असंख्य बाधाओं का सामना किया। शाकाहारी भोजन के लिए उन्हें अनेक कष्ट सामना पड़ा। वकालत की शिक्षा पूरी करने के बाद वे देश लौटे। उन्होंने मदिरा पान और मांस न खाने के प्रण को जीवन पर्यन्त तक निभाया था। इस बीच उनकी मां का भी स्वर्गवास हो गया। गांधी जी अपनी मां से बहुत प्यार करते थे। उनके जीवन में दया, प्रेम, करुणा तथा ईश्वर के प्रति नि:स्वार्थ श्रद्धा की भावना मां से पैदा हुई थी।

दक्षिणी अफ्रीका को प्रस्थान : जब गांधी जी मुंबई में वकालत कर रहे थे तो वहीं से उन्हें सन् 1893 में पोरबन्दर के एक केस अब्दुल्ला एंड कंपनी के मुकदमे के सिलसिले में दक्षिणी अफ्रीका जाना पड़ा था। दक्षिणी अफ्रीका जाकर उन्हें पता चला कि वहां जितने भी भारतवासी बसे हैं, उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है। उस समय वहां रंग-भेद का माहौल चरम सीमा पर था। गांधी जी इस बात को सहन नहीं कर सके। उनके मन में राष्ट्रीय भावना जागृत हुई। वहां उन्हें भी इसका शिकार बनना पड़ा। एक बार गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में रेल में सफर कर रहे थे। उनके पास फर्स्ट क्लास का टिकट था, फिर भी उन्हें थर्ड क्लास में जाने के लिए कहा गया। फिर उन्होंने गांधी जी को ट्रेन से बाहर फेंक दिया। इन सभी गतिविधियों की वजह से गांधी जी के मन में विचार आया कि देश के लोग किस प्रकार से अधीन होकर अपने आप को प्रतिदिन अपमानित हो रहे हैं। गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत आए और भारत की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने लगे। उस समय गांधी जी ने स्वतंत्रता के लिए अपना योगदान न दिया होता तो आज हम परतंत्रता के बंधन में बंधे होते। भारत में लौटने के बाद गांधी जी ने सबसे पहले देश के किसान भाइयों को एकता की डोर में बांधकर लुटेरे जमीदारों और साहूकारों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। लेकिन जमीदार अंग्रेजों के आदेश में रहते थे। इस तरह से लोगों की जिंदगी को देखकर गांधी जी ने सन् 1918 में गुजरात के गांव के लोगों को इकट्ठा किया।

उन्होंने गांव के लोगों को सही दिशा में जाने और अपने देश की मर्यादा का पालन करने के लिए कहा। गांधी जी ने कहा कि यह देश पहले आप सभी लोगों का है, इस पर बाहर के लोगों का हक बाद में है। इस रैली से लोगों में जागरूकता आने लगी। यहीं से देशव्यापी एकता की शुरुआत होने लगी। इस बीच लोगों ने गांधी जी को एक नया नाम दे दिया था बापू और बाद में इसी नाम से लोग गांधी जी को पहचानने लगे। उन्होंने सबसे पहले यहीं सत्याग्रह का प्रयोग किया। इसमें गांधी जी को बहुत सफलता मिली थी। यहां गांधी जी ने नेशनल नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना भी की थी। इसके माध्यम से गांधी जी ने भारतीयों के अंदर आत्म-सम्मान की भावना को जाग्रत किया था। सन् 1906 में ट्रांसवाल कानून जैसा अपमान जनक काला कानून पास हुआ था। इसका विरोध करने के लिए ही गांधी जी ने सत्याग्रह आंदोलन को चलाया था, जिसमें उन्हें बखूबी सफलता प्राप्त हुई थी। अंग्रेजों को उस कानून को वापस लेना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप दक्षिणी अफ्रीका में भारतीयों पर किए जाने वाले अत्याचार बंद कर दिए गए। सत्याग्रह का यह पहला प्रयोग था, जिसमें उन्हें पूरी सफलता मिली थी।

राजनीति में प्रवेश : जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में थे तो उस समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था। सन् 1915 में गांधी जी भारत लौटे थे। उन दिनों में गोपाल कृष्ण गोखले जी कांग्रेस के गणमान्य सदस्य थे। गोपाल कृष्ण गोखले जी की अपील पर गांधी जी कांग्रेस में शामिल हुए थे और पूरे भारत का भ्रमण किया था। गांधी जी ने जब देश की बागडोर अपने हाथों में लिया तो देश में एक नए इतिहास का सूत्रपात हुआ था। गांधी जी ने सन् 1920 में असहयोग आंदोलन की शुरुआत की थी। जब सन् 1928 में साइमंड कमिशन भारत में आया था तो गांधी जी ने उसका बहुत डटकर सामना किया था। इसकी वजह से देशभक्तों को बहुत प्रोत्साहन मिला था। गांधी जी द्वारा सन् 1930 में चलाए गए नमक आंदोलन और दांडी यात्रा ने अंग्रेजों को पूरी तरह से हिला दिया था। गांधी जी कांग्रेस के सक्रिय सदस्य होने की वजह से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे। उन दिनों में आंदोलन की बागडोर तिलक जी के हाथ में थी। उनके साथ मिलकर ही गांधी जी ने आंदोलन को आगे बढ़ाया था।

स्वदेश आगमन

सन 1915 में गांधी जी भारत लौटे थे। उस समय पर अंग्रेज बहुत तेजी से भारत का दमन कर रहे थे। रोलेक्ट एक्ट जैसे काले कानून को भी उसी समय पर लागू किया गया था। पंजाब के अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 के समय जलियावाला बाग के अंदर एक महासभा हो रही थी। वह बैसाखी का समय था। जलियांवाला बाग चारों ओर से बंद है और सिर्फ एक ही गेट है, जिससे अंदर या बाहर आया-जाया जा सकता है। इसका अंग्रेजों ने फायदा उठाया और विचार किया कि अगर कोई भगदड़ हुई तो लोग बाहर नहीं निकल पाएंगे। बाग के मेन गेट पर सिपाहियों को तैनात कर दिया गया और उसी समय अंग्रेज अफसर जनरल डायर ने बिना किसी ऐलान के अपने सिपाहियों को बाग में बैठे हजारों लोगों के ऊपर गोलियां चलाने का आदेश दे दिया।

थोड़ी सी देर में ही पूरा बाग लाशों से भर गया था। उस आम सभा को जनरल डायर ने शोक सभा में बदल दिया था, जिसमें हजारों निर्दोष लोग मारे गए थे। जब सन् 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था, तब उसने समुचित मानव जाति को लज्जित कर दिया था। धीरे-धीरे अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ने लगा था। यह वह युग था जब कुछ शिक्षित लोग ही कांग्रेस में थे। उस समय के प्रमुख नेता लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी थे। उस समय कांग्रेस पार्टी की स्थिति मजबूत नहीं थी।

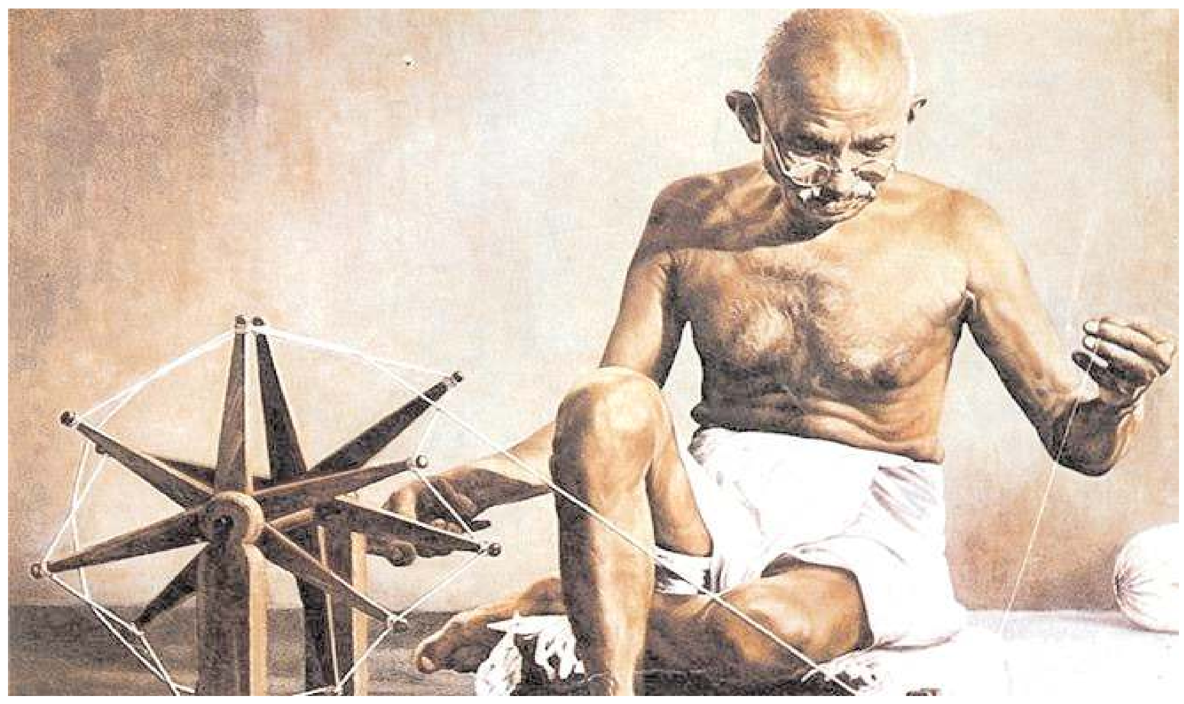

भारत छोड़ो आंदोलन

द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत सन् 1942 में हुआ था। जब अंग्रेज अपने दिए हुए वचन से पीछे हट रहे थे तो उन्होंने 'अंग्रेजों! भारत छोड़ो' का नारा लगाया था। गांधी जी ने यह कहा था कि यह मेरी अंतिम लड़ाई है। उस समय असंख्य भारतीयों को जेलों में बंद कर दिया गया था। गांधी जी ने भी अपने साथियों के साथ आत्म समर्पण किया था। इस वजह से सारे देश में अशांति फैल गई थी। अंग्रेजी सरकार घबरा गई थी, लेकिन गांधी जी का सत्याग्रह आंदोलन सुचारू रूप से चलता रहा। वह अपने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर डटे रहे थे।

स्वतंत्रता प्राप्ति

जब सन् 1920 में तिलक जी का निधन हो गया था, उसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन का पूरा भार गांधी जी पर आ गया था। वे आंदोलन का पूर्ण संचालन अहिंसा की नीतियों पर चलकर करने लगे थे। इसी समय पर उन्होंने देश में असहयोग आंदोलन को चलाया था, जिसमें हजारों की संख्या में वकील, शिक्षक, विद्यार्थी, व्यापारी शामिल हुए। गांधी जी का यह आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक था। सन् 1929 में रावी नदी के किनारे पर कांग्रेस अधिवेशन हुआ था, जिसमें गांधी जी ने पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। सन् 1930 में गांधी जी ने नमक कानून का डटकर विरोध किया। 24 दिनों की यात्रा के बाद दांडी में गांधी जी ने खुद अपने हाथों से नमक तैयार किया था। इसकी वजह से गांधी जी के साथ बहुत से नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। मजबूर होकर गांधी जी को समझौते के लिए इंग्लैंड बुलाया गया, लेकिन इसके परिणाम कुछ नहीं निकले। गांधी जी का आंदोलन जारी रहा। गांधी जी और भारत के अनेक क्रांतिकारी लोगों की वजह से भारत को अंत में 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। गांधी जी ने छुआछूत को भारत से खत्म करने के लिए अनेक प्रयास किए। जिन लोगों को अछूत कहकर पुकारा जाता था। गांधी जी ने उन्हें हरिजन की संज्ञा दी थी। गांधी जी ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके स्वदेशी वस्तुओं को प्रयोग करने पर अधिक बल दिया था। गांधी जी ने खादी वस्त्रों के प्रसार के लिए भी अनेक प्रयास किए थे।

महान बलिदान

गांधी जी जब तक जीवित रहे थे तब तक देश के उद्धार के लिए कार्य करते रहे। बहुत से लोग गांधी जी की हिंदू-मुस्लिम एकता की भावना के विरुद्ध थे। गांधी जी जब 30 जनवरी, 1948 को दिल्ली में स्थित बिरला भवन की प्रार्थना सभा में आ रहे थे तो नाथूराम गोडसे नामक व्यक्ति ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। उनकी मृत्यु के समाचार से पूरा देश गहरे शोक सागर में डूब गया। गांधी जी के शरीर का अंत हो जाने के बाद भी उनके आदर्श और उपदेश हमारे बीच हैं। यही समय-समय पर हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

उपसंहार

गांधी जी को भारतीय इतिहास के युग पुरुष के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा। आज सारा विश्व उन्हें श्रद्धा से नमन करता है। गांधी जी के जीवन पर अनेक भाषाओं में फिल्में बनाई गईं जिससे आज का मानव उनसे प्रेरणा ले सके। गांधी जी के जन्मदिन को सारा संसार श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाता है। अमेरिका जैसे बड़े राष्ट्र ने भी अपने देश में दो अक्टूबर को गांधी दिवस के रूप में मनाने की मान्यता दे दी है। युग-युग तक गांधी जी को बहुत याद किया जाएगा।

आखिर क्यों कहा जाता है शास्त्री को गुदड़ी का लाल ?

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को लोग गुदड़ी के लाल के रूप में याद करते हैं। उनकी पहचान उनके सादा जीवन और उच्च विचार के कारण थी। लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन भी महात्मा गांधी के जन्मदिन के दिन यानी दो अक्टूबर को ही होता है। शास्त्री ने यह दुनिया को जता दिया कि अगर इंसान के अंदर आत्मविश्वास हो तो वो कोई भी मंजिल पा सकता है। शास्त्री जी का जन्म दो अक्टूबर 1901 में उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। उनके पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एक शिक्षक थे। बाद में उन्होंने भारत सरकार के रेवेन्यू डिपार्टमेंट में क्लर्क की पोस्ट पर काम किया। लालबहादुर की मां का नाम रामदुलारी था। परिवार में सबसे छोटा होने के कारण बालक लालबहादुर को परिवार वाले प्यार में 'नन्हें' कहकर ही बुलाया करते थे।

बचपन में ही हुआ शास्त्री जी के पिता का निधन : शास्त्री जी जह 18 महीने के ही थे तभी उनके पिता का स्वर्गवास हो गया। पिता के निधन के बाद उनकी मां उन्हें लेकर अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्जापुर चली आईं। इसके बाद शास्त्री जी की परवरिश इनके ननिहाल में ही हुई। शास्त्री जी की परवरिश करने में उसके मौसा रघुनाथ प्रसाद ने उसकी मां की काफी मदद की। ननिहाल में रहते हुए उसने शुरूआती शिक्षा हासिल की। बावजूद इसके शास्त्री जी को अपनी पढ़ाई के लिए काफी कठिनाइयां उठानी पड़ी।

स्कूल जाने के लिए पार करनी पड़ती थी गंगा नदी : बताया जाता है कि शास्त्री जी एक बार बचपन में दोस्तों के साथ शास्त्री जी गंगा नदी के पार मेला देखने गए थे। वापस लौटते के समय उनके पास नाववाले को देने के लिए पैसे नहीं थे और दोस्तों से पैसे मांगना उन्होंने ठीक नहीं समझा। बताया जाता है कि उस समय गंगा नदी भी पूरे उफान पर थी। उन्होंने दोस्तों को नाव से जाने के लिए कह दिया और बाद में खुद नदी पार करके आए। इसके अलावा वे स्कूल में पढ़ाई करने के लिए भी गंगा नदी को तैरकर पार करते थे।

नाम के आगे से हटाया जातिसूचक शब्द : शास्त्री जी ने अपने हाईस्कूल तक की पढ़ाई हरिश्चंद्र हाई स्कूल और उसके बाद की शिक्षा काशी विद्यापीठ पूरी की। काशी विद्यापीठ से लालबहादुर जी को शास्त्री की उपाधि मिली। शास्त्री की उपाधि मिलने के बाद उन्होंने जन्म से चला आ रहा जातिसूचक शब्द 'श्रीवास्तव' हमेशा हमेशा के लिये हटा दिया और अपने नाम के आगे 'शास्त्री' लगा लिया। दरअसल शास्त्री जी जातिवादी मानसिकता के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसकी वजह से उन्होंने अपने नाम के आगे से जातिसूचक शब्द हटाकर शास्त्री कर लिया।

सच्चे गांधीवादी थे शास्त्री जी : शास्त्रीजी सच्चे गांधीवादी थे, जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से बिताया और उसे गरीबों की सेवा में लगाया। उन्होंने गांधी जी के असहयोग आंदोलन के समय देश सेवा का व्रत लिया था। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आन्दोलनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही और उसके परिणामस्वरूप उन्हें कई बार जेलों में भी रहना पड़ा। जब देश आजाद हुआ तो शास्त्रीजी को उत्तर प्रदेश के संसदीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उन्हें गोविंद बल्लभ पंत के मंत्रिमंडल में उन्हें पुलिस एवं परिवहन मंत्रालय सौंपा गया। परिवहन मंत्री के कार्यकाल में उन्होंने पहली बार बार महिला संवाहकों (कंडक्टर्स) की नियुक्ति की थी। पुलिस मंत्री होने के बाद उन्होंने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिये लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारंभ कराया।

पंडित नेहरू के निधन के बाद बने पीएम : 1951 में, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में शास्त्री जी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किया गया। दरअसल, शास्त्री जी की बदौलत ही साल 1952, 1957 और 1962 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत मिला था। जवाहरलाल नेहरू का उनके प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान 27 मई, 1964 को देहावसान हो जाने के बाद साफ सुथरी छवि के कारण शास्त्रीजी को 1964 में देश का प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने 9 जून 1964 को भारत के पीएम का पद भार ग्रहण किया। लाल बहादुर शास्त्री ने 26 जनवरी, 1965 को देश के जवानों और किसानों को अपने कर्म और निष्ठा के प्रति सुदृढ़ रहने और देश को खाद्य के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया। यह नारा आज भी भारत में बच्चे बच्चे की जुबां पर है।

मंत्री बनने के बाद चपरासी को गले लगाया

जिन दिनों शास्त्री जी वाराणसी के हरिश्चंद्र इंटर कॉलेज में हाई स्कूल में पढ़ रहे थे, गलती से उनके हाथ से एक बीकर गिर कर टूट गया। स्कूल के चपरासी देवीलाल ने देख लिया। उसने शास्त्री जी को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। जब शास्त्री जी रेल मंत्री बने तो वर्ष 1954 में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हरिश्चंद्र इंटर कॉलेज गए हुए थे। शास्त्री जी को सामने देख चपरासी देवीलाल ने उन्हें पहचान लिया और वह वहां से हटने लगा, शास्त्री जी की नजर देवीलाल पर पड़ी, उन्होंने देवीलाल को मंच पर बुलवाया और उसे गले से लगा लिया।

शास्त्रीजी की ईमानदारी के कायल थे नेहरूजी भी

साल 1956, लाल बहादुर शास्त्री रेल मंत्री थे, उन्हीं दिनों अरियालूर रेल दुर्घटना हुई, जिसमें 114 लोग मारे गए। शास्त्री जी ने इस दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नेहरू को भेज दिया। नेहरू जी ने शास्त्री जी का इस्तीफा लेते हुए संसद में बताया कि वह इस्तीफा इसलिए ले रहे हैं कि यह एक उदाहरण बने। वरना इस रेल दुर्घटना के लिए शास्त्री जी किंचित जिम्मेदार नहीं हैं। शास्त्री जी हमेशा से ईमानदार रहे हैं और आगे भी रहेंगे। हमें उन पर नाज है।

प्रधानमंत्री होकर पहनना पड़ा फटा कुर्ता

लाल बहादुर शास्त्री आजाद भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे. देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जीवन जितनी शान-ओ-शौकत से गुजरा, शास्त्री जी उतने ही जमीनी शख्सियत माने जाते थे। एक बार जब शास्त्री जी को लोकसभा में जाना था, लेकिन घर से निकलते हुए उन्होंने देखा कि उनका कुर्ता फटा हुआ था। कुर्ता सिलवाने का वक्त नहीं था। शास्त्री जी ने पत्नी ललिता जी से कहा कि वे कुर्ता के ऊपर कोट पहन लेंगे तो फटा हुआ हिस्सा ढक जाएगा। इसी तरह 1965 का युद्ध जीतने के बाद शास्त्री जी को पाकिस्तान से समझौते के लिए ताशकंद जाना था। कोट का छोटा सा हिस्सा फटा हुआ था। लेकिन दुर्भाग्यवश उनके पास नया कोट खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने फटे कोट का रफू करवाया और वही पहनकर ताशकंद गए। जहां से उनकी मृत देह वापस आई।

प्रधानमंत्री बनने के पश्चात लाल बहादुर शास्त्री को सरकारी गाड़ी मिली थी, लेकिन शास्त्री जी ने कभी भी उस गाड़ी का इस्तेमाल निजी कार्य के लिए नहीं किया। लेकिन एक बार उनके बेटे ने गाड़ी का उपयोग किया। यह बात जब शास्त्री जी को पता चली तो उन्होंने बेटे को अगाह करते हुए उस दिन गाड़ी पर होने वाला खर्चा सरकारी खजाने में जमा करवा दिया. इसके बाद निजी कार्यों के लिए पत्नी की सलाह पर शास्त्री जी ने फिएट कार खरीदने का फैसला किया। उन दिनों फिएट कार की कीमत 12 हजार रुपये थी। लेकिन शास्त्री जी के खाते में मात्र 7 हजार रुपये थे। अंतत: पंजाब नेशनल बैंक से 5 हजार रुपये का कर्ज लेने के बाद ही वह फिएट कार खरीद सके थे।

आखिर क्यों कहा जाता है शास्त्री जी को गुदड़ी का लाल : शास्त्री जी का जन्म बेहद निम्न (गरीब) परिवार में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन काफी कठिनाइयों और संघर्षों में बीता।

इसके बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी जिसकी बदौलत वे देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। अब तक कई नेता गरीबी और कठिनाइयों से लड़ाइयां लड़ कर संसद तक पहुंच चुके हैं लेकिन शास्त्री जी जैसा कोई नहीं हुआ। इस वजह से उन्हें गुदड़ी का लाल कहा जाता है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सुदीप्ति हजेला ने कहा

ओलंपिक में सोना जीतने तक सफर जारी रहेगा

पिता मुकेश हजेला ने कहा, अपनी बेटी की उपलब्धि पर बेहद गौरवान्वित हूं

एजेंसी। इंदौर (मध्यप्रदेश)

एशियाई खेलों की घुड़सवारी प्रतियोगिता के टीम ड्रेसेज वर्ग में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में शामिल सुदीप्ति हजेला का अगला लक्ष्य इस सुनहरी उपलब्धि को ओलंपिक खेलों में दोहराना है। उनका कहना है कि जब तक वह ओलंपिक में देश के लिए सोना नहीं जीत लेतीं, तब तक उनका सफर जारी रहेगा।

हजेला रविवार को गृहनगर इंदौर लौटीं जहां हवाई अड्डे पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और अन्य लोगों ने उनका ढोल-नगाड़ों की थाप पर जोरदार स्वागत किया। उन्हें हवाई अड्डे से खुली जीप में सवार करके शहर की सड़कों पर जुलूस निकाला गया। जुलूस में तिरंगे झंडे वाली कई गाड़ियों का काफिला चल रहा था। भारत ने चीन के हांगझोउ में 26 सितंबर (मंगलवार) को एशियाई खेलों की घुड़सवारी प्रतियोगिता के टीम ड्रेसेज वर्ग में शीर्ष पर रहकर स्वर्ण पदक के 41 साल के इंतजार को खत्म किया। एडेनेलिन फिरफोड पर सवार दिव्यकीर्ति सिंह, हृदय

विपुल छेड़ा (चेमक्सप्रो एमरेल्ड) और अनुश अग्रवाला (एट्रो) ने कुल 209.205 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। हजेला भी टीम का हिस्सा थीं, लेकिन सिर्फ शीर्ष तीन खिलाड़ियों के स्कोर गिने जाते हैं। हजेला ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना मेरे लिए गर्व की बात है। अब मेरा अगला लक्ष्य ओलंपिक में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। जब तक मैं ओलंपिक में स्वर्ण पदक नहीं जीत लेती, तब तक मेरा सफर जारी रहेगा। घुड़सवारी की 21 वर्षीय खिलाड़ी ने बताया कि वह पिछले दो साल से फ्रांस में प्रशिक्षण ले रही थीं और कोविड-19 के प्रकोप से पहले एशियाई खेलों के चयन ट्रायल की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा, इस मुकाम तक पहुंचने का सफर कतई आसान नहीं था, लेकिन अब लगता है कि मेरा हर प्रयास बेहद कीमती था। हजेला ने यह भी कहा कि देश की महिलाओं को कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर झांसी वाली रानी लक्ष्मीबाई मुश्किलों से लड़ी थीं, तो उनसे प्रेरणा लेकर हम भी अपने जीवन में बहुत कुछ कर सकते हैं।

सुदीप्ति के पिता मुकेश हजेला ने कहा, अपनी बेटी की उपलब्धि पर मैं बेहद गौरवान्वित हूं। आपके लिए उससे बड़ा दिन कोई नहीं हो सकता, जब आपको आपके बच्चों के नाम से पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी छह साल की उम्र से घुड़सवारी सीख रही है। सुदीप्ति के पिता ने कहा, मेरी बेटी हमारे घर से ज्यादा अस्तबलों में रही है। उसने शून्य से शीर्ष तक का सफर तय किया है।

साई सुदर्शन के 72 रन, शेष भारत के पहले दिन आठ विकेट पर 298 रन

एजेंसी। राजकोट

बीसाई सुदर्शन की संयमित अर्धशतकीय पारी से शेष भारत ने रविवार को यहां ईरानी ट्राफी मैच के पहले दिन सौराष्ट्र के खिलाफ स्टंप तक आठ विकेट पर 298 रन बनाए। सौराष्ट्र के स्पिनरों के खिलाफ साई सुदर्शन के अलावा सभी अन्य बल्लेबाज जूझते रहे। लेकिन साई सुदर्शन ने 165 गेंद में 72 रन की पारी खेली।

बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ भुत ने 85 रन देकर चार विकेट हासिल किए। भारतीय टीम के भविष्य के दो दावेदार सरफराज खान (17 रन) और यश धुल (10 रन) एक बार फिर विफल रहे। सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और मयंक अग्रवाल (32 रन) ने 112 गेंद में 69 रन जोड़कर शुरुआत कराई। लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पिच के टर्न का फायदा उठाते हुए अग्रवाल को शिकार बनाया।

साई सुदर्शन और विहारी ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े लेकिन यह भागीदारी इससे आगे नहीं बढ़ सकी और भुत ने विहारी को आउट किया। हाल में सरे के साथ इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाले साई सुदर्शन ने संयम से खेलते हुए स्वीप शॉट और कुछ ड्राइव लगाई।

एशियाड में आठवें दिन भारत को 15 मेडल मिले

भारत ने 12वां गोल्ड मेडल जीता, महिलाओं ने सिल्वर जीता

एशियन गेम्स

इंडिविजुअल शॉटगन में किनान को ब्रॉन्ज

एजेंसी। हांगझोउ

एशियन गेम्स 2023 का आज आठवां दिन है। चीन के हांगझोउ में खेले जा रहे गेम्स में रविवार को अदिति अशोक ने गोल्फ में दिन का पहला मेडल दिलाया। उन्होंने विमेंस इंडिविजुअल इवेंट में सिल्वर जीता। वह एशियन गेम्स में गोल्फ में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। भारत ने 19वें एशियन गेम्स में 12वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। चीन के हांगझोउ में युवा एथलीट अविनाश साबले ने तीन हजार मीटर स्टेपलचेज इवेंट में गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता।

अविनाश आठ मिनट 19.52 सेकेंड की टाइमिंग के साथ पहले नंबर पर रहे। अभिनाश ने ईरान के हुसैन केहानी (आठ मिनट 22:79 सेकेंड) का रिकॉर्ड तोड़ा, इधर बॉक्सर में निखत जरीन ने विमेंस 50 चाह में ब्रॉन्ज जीता।

वहीं शूटिंग इंडिविजुअल मेंस ट्रैप इवेंट में भारत के किनान चेनाई ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। किनान ने 40 में से 32 स्कोर कर मेडल अपने नाम किया है। यह आज भारत का शूटिंग में तीसरा मेडल है। इससे पहले, शूटिंग के ट्रैप-50 मेंस टीम इवेंट में पृथ्वीराज टोंडाइमैन, जुरावर सिंह और किनान चेनाई की तिकड़ी ने गोल्ड जीता। जबकि विमेंस के ट्रैप इवेंट में मनीषा कीर, प्रीति रजक और राजेश्वरी कुमारी ने सिल्वर मेडल जीता। दूसरी ओर विमेंस हॉकी में साउथ कोरिया और भारत के बीच मैच जारी है।

स्कोर 1-1 से बराबर है। तीसरे क्वार्टर का खेल जारी है। इसके साथ ही भारत के अब 42 मेडल हो गए है। जिसमें 11 गोल्ड भी शामिल है। भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर है। जबकि चीन पहले, जापान दूसरे और साउथ कोरिया तीसरे स्थान पर है।

गोल्फ: विमेंस इंडिविजुअल पहली बार मेडल मिला

अदिति अशोक ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल में भारत को पहली बार मेडल दिलाया। उन्होंने 272 के साथ सिल्वर जीता। जबकि थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने 269 के साथ गोल्ड जीता। वहीं कोरिया की गोल्फर को ब्रॉन्ज मिला। अदिति अशोक ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल में भारत को पहली बार मेडल दिलाया। अदिति अशोक ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल में भारत को पहली बार मेडल दिलाया।

बॉक्सिंग: मेडल पक्का करने के साथ ही ओलिंपिक कोटा

बॉक्सिंग के विमेंस 57 केजी वेट कैटेगरी में परवीन ने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की बॉक्सर को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसके साथ ही मेडल पक्का कर लिया है और 2024 में होने वाले पेरिस ओलिंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हासिल कर लिया। बॉक्सिंग के विमेंस 60 केजी वेट कैटेगरी में जैसमीन को हार का सामना करना पड़ा।

कुराश: आदित्य धोपाकर हारे

कुराश में पुरुषों के 81 किलोवेट में आदित्य धोपाकर को अफगानिस्तान एस हसन बेकारा रसूली से 0-10 से हार का सामना करना पड़ा।

स्क्वॉश: डबल्स मुकाबले जीते

स्क्वॉश के मिक्स्ड डबल्स के पूल ए मैच में भारत की दीपिका पल्लिकल और हरिंदर पाल सिंह की जोड़ी ने ने साउथ कोरिया को 2-0 से जीत हासिल की। वहीं पूल क्रके मैच में अनाहत और अभय सिंह ने फिलीपींस को 2-0 से हरा दिया। आज मेंस सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स के मुकाबले होंगे।

घुड़सवारी: मेडल को उम्मीद खत्म घुड़सवारी क्रॉस कंट्री इंडिविजुअल में मेजर अपूर्व दाभाडे छठे, विकास कुमार 16वें स्थान पर रहे। वहीं भारतीय टीम पांचवें स्थान पर रही।

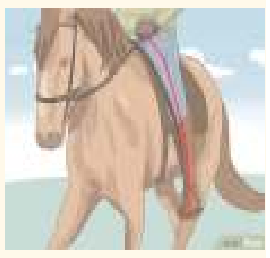

शूटिंग: गोल्ड और सिल्वर मेडल

शूटिंग में आठवें दिन शूटिंग में दो मेडल मिले। ट्रैप-50 मेंस टीम इवेंट में पृथ्वीराज टोंडाइमैन, जुरावर सिंह

भारत को एथलेटिक्स में भी मेडल की उम्मीद

गोल्फ और शूटिंग के अलावा रविवार को भारत का एक मेडल बैडमिंटन में पक्का है, जहां भारतीय मेंस टीम फाइनल में चीन से भिड़ेगी। इसके अलावा एथलेटिक्स के सात फाइनल है। भारत को मेंस शॉटपुट में तजिंदर पाल सिंह तूर, लॉन्ग जंप में मुरली श्री शंकर, विमेंस डिस्कस थ्रो में सीमा पूनिया और मेंस के स्टीपलचेज में अभिनाश साम्बले से मेडल की उम्मीद है। वहीं भारतीय बॉक्सर भी सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना मेडल पक्का कर सकते हैं।

एथलेटिक्स में बड़े इवेंट्स में भारत की दावेदारी

भारत के लिए एथलेटिक्स में आज का दिन बड़ा हो सकता है। इसमें आज कई फाइनल होंगे। विमेंस 100 मीटर हर्डल में ज्योति याराजी से लेकर शॉट पुट में तजिंदरपाल सिंह तूर से मेडल की उम्मीद की जा सकती है। दूसरी ओर मेंस लॉन्ग जंप में मुरली श्रीशंकर और मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले गोल्ड ला सकते है।

और किनान चेनाई की तिकड़ी ने 361 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। इस इवेंट में कुवैत ने 359 स्कोर कर सिल्वर और चीन ने 354 स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। विमेंस के ट्रैप इवेंट में मनीषा कीर, प्रीति रजक और राजेश्वरी ने तिकड़ी ने 337 स्कोर कर भारत को सिल्वर दिलाया। इस इवेंट में चीन की टीम ने 357 के साथ गोल्ड और कजाकिस्तान की टीम ने 336 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के ऑफिशियल मस्कट के नाम जारी किए

पुरुष मस्कट के हाथ में बैट है, जिसका नाम टोंक है जो नीले कलर का दिखाई देता है

एजेंसी। नई दिल्ली

आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के ऑफिशियल मस्कट के नाम जारी कर दिए है। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट है जिसका नाम टोंक है जो नीले कलर का दिखाई देता है। वहीं महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है जिसका नाम ब्लेज है जो लाल कलर की है।

आईसीसी के ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, दोनों मस्कट वर्ल्ड कप मैचों में सभी वेन्यू पर मौजूद रहेंगे। वे फैंस के साथ बातचीत करेंगे और शोपीस इवेंट के उत्साह को बढ़ाते हुए दिखाई देंगे। आईसीसी ने अगस्त में वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट लॉन्च किया था। दुनिया भर के फैंस से मस्कट का नाम चुनने में मदद करने के लिए कहा गया था। वोटिंग के बाद ब्लेज और टोंक नाम को फाइनल किया गया। आईसीसी ने

वुमन बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी

महिला बॉलर मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए ड्रुष्ट ने बताया, %बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी है, जिससे बहुत तेज स्पीड से फायरबॉल निकलती है। बॉलर की तेज रिफ्लेक्स, फ्लेक्सिबिलिटी और स्ट्रेंथ उसे एक सुपरचार्ज्ड तेज गेंदबाज बना रही है। गेंदबाज की कमर पर 6 गेंदें बंधी हैं, जो उसकी अलग-अलग गेम-चेंजिंग टेक्निक्स को दर्शा रही है। महिला मस्कट किसी भी मैच को अपनी गेंदबाजी से बदलने की क्षमता रखती है।

दोनों ही मस्कट के नाम तय नहीं किए थे। नाम तय करने के लिए आईसीसी ने 19 अगस्त को अपनी वेबसाइट पर वोट लिंक दिया था, यहां फैंस अपना पसंदीदा नाम चुन सकते थे।

जिस नाम को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसी नाम को वर्ल्ड कप के मस्कट का अंतिम नाम माना जाना था। बैटर नाम के तीन पद टोंक, ब्लिट्ज और बैश थे। जिसका विजेता टोंक रहा। वहीं, बॉलर के नाम के तीन पद ब्लेज, पायरा और विक्स थे जिसकी विनर ब्लेज रही। आईसीसी ने मास्कट लॉन्च के इवेंट में भारत की विजेता अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल और महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा को बुलाया था।

दोनों कप्तानों की मौजूदगी में मस्कट लॉन्च हुए। मस्कट के रूप में पुरुष बल्लेबाज और महिला गेंदबाज हैं, जो स्पोर्ट्स में जेंडर इक्वेलिटी को दर्शा रहे हैं।

रोहित के मुरीद शादाब सिंघम और हैदराबादी खाने से प्रभावित

हैदराबाद। पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान के लिए विश्व कप में रोहित शर्मा जैसे धुरंधर से निपटना सबसे ऊपर पर है लेकिन खेल से इतर उन्हें बालीवुड फिल्में और स्थानीय जायकेदार खाना बहुत पसंद है जिसके लिए वह अपने लगाव का इजहार करने से कतराते भी नहीं है।

अजय देवगन की सिंघम उनकी पसंदीदा फिल्मों में शामिल है और मीडिया कांफ्रेंस में हैदराबाद पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी की ओर देखते हुए पाकिस्तान के उप कप्तान ने कहा, सिंघम भी आए हैं यहां पे। निजामों के शहर हैदराबाद में पाकिस्तानी टीम का शानदार ढंग से स्वागत हुआ। शादाब ने टीम द्वारा आयोजित पहली मीडिया कांफ्रेंस में मीडियाकर्मियों से कहा, हैदराबाद हवाईअड्डे पर स्वागत शानदार था और टीम होटल में भी काफी लोग आए थे। मेहमानवाजी बहुत अच्छी रही है। हैदराबाद खाने का लजीज स्वाद सभी को पसंद आता है और शादाब भी इससे अलग नहीं हैं। शादाब ने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ 14 अक्टूबर को होने वाले टीम के मुकाबले का जिक्र करते हुए कहा, खाना बहुत ही लजीज है।

मैनचेस्टर सिटी का जीत का क्रम टूटा

एजेंसी। मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी का इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में जीत का क्रम टूट गया जब उसे शनिवार को यहां वोल्वरहैम्प्टन के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

मौजूदा सत्र में यह पहला मौका है जब सिटी की टीम कोई मुकाबला जीतने में नाकाम रही। इस हार से शीर्ष पर सिटी की बढ़त सिर्फ एक अंक की रह गई है। रूबेन डियास के 13वें मिनट में दागे आत्मघाती गोल से वोल्वरहैम्प्टन ने बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में 58वें मिनट में जूलियन अल्वारेज ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया।

ह्वांग ही चेन ने हालांकि 66वें मिनट में वोल्वरहैम्प्टन को एक बार फिर बढ़त दिला दी जो निर्णायक साबित हुई। टोटेनहैम नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लीवरपूल को 2-1 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। आर्सेनल बोर्नमाउथ को 4-0 से हराने के बाद तीसरे स्थान पर है।

तेजिंदर तूर ने शॉट पुट में 20.36 मीटर गोला फेंका, आखिरी थ्रो में नंबर वन बने

भारत ने 19वें एशियन गेम्स में 13वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। चीन के हांगझोउ में तेजिंदर पाल सिंह तूर ने शॉट पुट में इन गेम्स का गोल्ड हासिल किया। वे आखिरी प्रयास में नंबर-1 पोजिशन पर आए। इससे पहले, युवा एथलीट अविनाश साबले ने 3 हजार मीटर स्टेपलचेज इवेंट में गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता।

फाइनल में चीन से हारी भारतीय बैडमिंटन पुरुष टीम को रजत मिला

हांगझोउ। चोटिल एच एस प्रणय की कमी भारत को खली और शुरूआती दो मैच जीतने के बाद चीन के हाथों फाइनल 2-3 से हारने के कारण उसे एशियाई खेलों में पुरुष टीम चैम्पियनशिप में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय कमर की चोट के कारण नहीं खेल सके। लक्ष्य सेन ने पहला एकल और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने युगल मैच जीतकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दारोमदार किदाम्बी श्रीकांत पर था जिन्होंने दक्षिण कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उम्दा प्रदर्शन किया था। इस बार वह उस लय को कायम नहीं रख सके और हार गए। चीन ने बाकी दोनों मैच जीतकर अपना दबदबा बरकरार रखा। सेन ने दुनिया के छठे नंबर के खिलाफ शि युकी के खिलाफ पहला मैच 22-20, 14-21, 21-18 से जीता। इसके बाद दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी लियांग वेइ केंग और वांग चांग को 21 . 15,21 . 18 से हराया।

श्रीकांत को आल इंग्लैंड चैम्पियन लि शिफेंग ने 24 . 22, 21 . 9 से हराया। दूसरे युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और साइ प्रतीक कृष्णा प्रसाद को दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी लियू यू चेन और यू शुआन यि ने 21 . 6, 21 . 15 से मात दी। वहीं प्रणय की जगह खेल रहे मिथुन मंजुनाथ को वेंग हॉग यांग ने 21-12, 21-4 से हराया।

बास्केटबॉल टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा

भारतीय खिलाड़ियों को खेलने की स्वीकृति नहीं मिलना बड़ा झटका

एजेंसी। मुंबई

एलीट प्रो तीन गुणा तीन बास्केटबॉल लीग ने रविवार को एक बयान में कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं देने का भारतीय बास्केटबॉल महासंघ का फैसला देश के खिलाड़ियों के लिए बड़ा झटका है। एलीट प्रो बास्केटबॉल लीग (ईपीबीएल) और एलीट महिला प्रो बास्केटबॉल लीग (ईडब्ल्यूपीबीएल) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट 28 सितंबर से एक अक्टूबर तक होना था।

बयान में कहा गया कि 26 सितंबर को भारतीय बास्केटबॉल महासंघ ने कई खिलाड़ियों की उम्मीदों को तोड़ दिया। लीग ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, लीग का एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी खिलाड़ियों को एक पूर्व निर्धारित वेतन मिले जो भारत में युवा खिलाड़ियों के लिए एक गंभीर करियर मार्ग सुनिश्चित करने की ईडब्ल्यूपीबीएल और ईपीबीएल की विचारधारा के अनुरूप है। बयान में कहा गया कि घटनाक्रम से भारतीय खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है।

बयान के अनुसार, भारत में बास्केटबॉल के क्षेत्र में वर्तमान में पेशेवर लीग की कमी के कारण, यह किसी और के लिए नहीं बल्कि उन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा झटका साबित होता है जिनके लिए यह प्रदर्शन करने और आजीविका कमाने का एक और रास्ता बन सकता था। उनका लक्ष्य एक दिन देश के लिए खेलना और भारत में बास्केटबॉल के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनना है।

भारत वनडे विश्व कप में दमखम के साथ उतरेगा

मध्यक्रम में भ्रम की स्थिति कमजोर कड़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

एशिया कप में प्रभावशाली खेल के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम आगामी आईसीसी विश्व कप में आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। टीम पिछले कुछ मैचों में अपनी सभी कमियों को दूर करने में सफल रही है लेकिन अंतिम एकादश तय करते समय मध्यक्रम में किसे मौका मिले इसका पेंच फंसा हुआ है। भारतीय टीम आठ अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

मजबूती: टीम के बल्लेबाजी क्रम को लेकर किसी के मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए। यह बल्लेबाजी क्रम 2011 की ऐतिहासिक टीम के बाद से भारत का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी क्रम है। रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा की मौजूदगी इस टीम की बल्लेबाजी को बेहद मजबूत बनाती है। टीम के पास ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव जैसे विकल्प भी है जो अपने दम पर मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। इस बल्लेबाजी क्रम की अच्छी बात यह है कि ज्यादातर खिलाड़ियों ने सही समय पर लय हासिल की है और इन सबके पास परिस्थितियों के मुताबिक आक्रामक या रक्षात्मक बल्लेबाजी करने की क्षमता है। गिल ने पिछले एक साल में 1200 से ज्यादा रन बनाए हैं जबकि राहुल ने फिटनेस हासिल करने के बाद वापसी के बाद पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेली।

कमजोरी: भारतीय टीम की स्पिन गेंदबाजी कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन सपाट पिचों पर

रविचंद्रन अश्विन और जडेजा की गेंदबाजी बल्लेबाजों को रोकने में कितनी सफल होगी यह देखना होगा। अक्षर पटेल के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम को दाएं हाथ के स्पिनर का विकल्प मिला लेकिन युजवेंद्र चहल को इस प्रारूप में लगभग एक साल तक लगातार टीम में रखने के बाद बाहर का रास्ता दिखाना यह दर्शाता है कि चयनकर्ताओं के पास विकल्प की कमी है। विकेट से अगर मदद मिली तो जडेजा कारगर गेंदबाजी करते है लेकिन सपाट पिचों पर उनके खिलाफ आसानी से रन बनते हैं। जडेजा टेस्ट में शानदार बल्लेबाज है लेकिन पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों में तेजी से रन बनाने के मामले में जूझते दिखे है। यह हाल अश्विन का भी है।

मौका: इस बात में कोई शक नहीं यह विश्व कप आईसीसी प्रतियोगिता होने के बाद भी टीमों को घरेलू परिस्थितियों का लाभ मिलता है। विश्व कप के दौरान पिच की जिम्मेदारी आईसीसी के क्यूरेटर की होती है लेकिन स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी टीम के लिए 12वें खिलाड़ी का काम करती है। इन परिस्थितियों में कप्तान रोहित शर्मा के पास विश्व कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। कुछ स्थानों पर ओस से परेशानी हो सकती है। ऐसे में अगर लक्ष्य का पीछा करने की बात आती है तो इस मामले में भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ है। टीम में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज माने जाने वाले विराट कोहली है। एकदिवसीय में उनके नाम 47 शतक है और विश्व कप के दौरान वह महान सचिन तेंदुलकर (एकदिवसीय में 49 शतक) को पीछे छोड़ना चाहेंगे।

टीम को खतरा

टीम के लिए अधिक विकल्प होना कई बार सिरदर्दी हो सकती है। मैदान और पिच के मुताबिक गेंदबाजी विभाग में बदलाव होते रहना लाजमी है लेकिन किशन की जगह अय्यर को अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला उतना आसान नहीं होगा। किशन को पिछले कुछ समय में जो भी भूमिका दी गई है, उन्होंने उसे शानदार तरीके से पूरा किया है। टीम में लोकेश राहुल के आने के बाद उन्हें बाहर बैठना पड़ सकता है।

राहुल पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन को बाहर रखने से विरोधी टीमों के गेंदबाजों को भी कुछ हद तक फायदा मिलेगा क्योंकि छठे क्रम तक दाएं हाथ के बल्लेबाजों के कारण उन्हें अपनी लाइन लेंथ में ज्यादा बदलाव नहीं करना पड़ेगा। उम्मीद है कि भारतीय टीम अपने शीर्ष और मध्यक्रम के संयोजन को ठीक से बना पाएगी। टीम 2019 में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी लेकिन इस दौरान चौथे क्रम की बल्लेबाजी की गुत्थी नहीं सुलझ सकी थी।